रांची, शनिवार
27.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 205, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

रामगढ़-बोकारो एनएच-23 पर हुए हादसे में बैंड पार्टी के आठ सदस्यों की मौत

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़-बोकारो राष्ट्रीय राजमार्ग-23 पर गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में बैंड पार्टी के आठ कलाकारों की दर्दनाक मौत हो गई। रजरप्पा थाना क्षेत्र के बारलौंग स्थित बुध बाजार के पास एलपी ट्रक और पिकअप वैन के बीच आमने-सामने हुई टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

प्रारंभिक पुलिस जांच में ट्रक चालक की लापरवाही सामने आई है। पुलिस के अनुसार ट्रक गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में आ गया था, जिससे यह हादसा हुआ। दुर्घटना में रजरप्पा थाना क्षेत्र के मारंगमर्चा गांव निवासी अनोद कुमार (पिता धनुराम ओहदार), पप्पू करमाली (पिता दिलीप करमाली), पवन करमाली (पिता स्वर्गीय लखी करमाली), अशोक कुमार (पिता गल्लू डोम), शक्ति कुमार (पिता गल्लू डोम), डेविड करमाली (पिता अमित करमाली) तथा हजारीबाग जिले के दाढ़ी प्रखंड के कठहरवा गांव निवासी मनीष कुमार (पिता श्रीकांत महतो) और हेमंत कुमार महतो (पिता सोहन महतो) की मौत हुई है। शुक्रवार को सभी शवों का पोस्टमार्टम रामगढ़ सदर अस्पताल में कराया गया।

पुलिस के मुताबिक, रजरप्पा की ओर से रामगढ़ आ रहा एलपी ट्रक (जेएच-02 एए-4786) और विपरीत दिशा से जा रही पिकअप वैन (जेएच-02 क्यू-8268) बारलौंग के समीप आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार पांच लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। गंभीर रूप से घायल लोगों को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो और घायलों की मौत हो गई। एक अन्य घायल को बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

दुर्घटना के बाद सदर अस्पताल का माहौल बेहद मार्मिक हो गया। जैसे ही मृतकों के शव और घायल अस्पताल पहुंचे, परिजनों की चीख-पुकार से पूरा परिसर गूंज उठा। अपनों को खोने का गम हर परिवार के चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा था। अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन जमा हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) आलोक रंजन, रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार तथा रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया और यातायात को सामान्य कराया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बलसगरा से दो लोग पिकअप वैन लेकर मारंगमर्चा गांव पहुंचे थे। वहां से गांव के छह अन्य बैंड कलाकारों को लेकर सभी एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए वापस बलसगरा जा रहे थे। इसी दौरान बारलौंग के पास तेज रफ्तार एलपी ट्रक ने गलत दिशा में आकर पिकअप वैन को टक्कर मार दी। प्रारंभिक जांच में ट्रक चालक की लापरवाही हादसे का मुख्य कारण सामने आई है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश के साथ मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जताया शोक, मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता का दिया भरोसा

रांची। रामगढ़-बोकारो मार्ग पर लारी-बरलौंग के समीप देर रात हुए सड़क हादसे में सात लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत दुखद बताते हुए दिवंगतों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में कहा कि लारी-बरलौंग के पास हुए सड़क हादसे में सात लोगों की मौत की सूचना बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने मरांग बुरु से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति दें। हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार हादसे से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने जिला प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने तथा घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही मृतकों के परिजनों को हरसंभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की बात भी कही है।

संक्षिप्त खबरें

गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम पर कारोबारी से मांगी गई पांच करोड़ रुपये की रंगदारी

रांची। रांची में कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम पर एक और कारोबारी से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला शुक्रवार को सामने आया है। इस संबंध में कारोबारी उमा शंकर सिंह ने जगन्नाथपुर थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने और अपने परिवार की सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। कारोबारी ने अपने आवेदन में बताया है कि रात 12 बजे उनके मोबाइल नंबर पर दुबई के मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप के माध्यम से धमकी भरा मैसेज और आडियो प्राप्त हुआ। संदेश में खुद को प्रिंस खान बताते हुए पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। साथ ही रकम नहीं देने पर उनकी पत्नी संध्या सिंह, दोनों बेटों बिट्टू और चिंटू और भतीजे टुकटुक की हत्या करने की धमकी दी गई। आवेदन के अनुसार, धमकी भरे व्हाट्सएप मैसेज और आडियो के स्क्रीनशॉट और अन्य डिजिटल साक्ष्य पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जापान की प्रधानमंत्री 16वें शिखर सम्मेलन के लिए आएंगी भारत

नई दिल्ली। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची 1-3 जुलाई को 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली की आधिकारिक यात्रा करेंगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार यह शिखर सम्मेलन दोनों पक्षों को द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और उन्हें मजबूत करने, साथ ही आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि यह प्रधानमंत्री तकाइची की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। यह यात्रा 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टोक्यो यात्रा के बाद हो रही है। मंत्रालय का कहना है कि यह यात्रा भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और बढ़ाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मुहर्रम को लेकर रांची सहित पूरे राज्य में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, 10 हजार से अधिक सुरक्षाबल रहेंगे तैनात

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने मुहर्रम को लेकर राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। रांची सहित राज्य के सभी संवेदनशील जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। पूरे राज्य में विधि व्यवस्था को लेकर 10 हजार से अधिक सुरक्षाबलों की तैनाती की गयी है। इसमें जिला बल, जैप, रैफ, सैफ, आइआरबी सहित अन्य बल शामिल हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखने के लिए जिलों में विशेष तैयारी की गई है। झारखंड पुलिस मुख्यालय की ओर से भी राज्य के सभी जिलों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। खासकर वैसी जगहों पर जहां पूर्व में सांप्रदायिक घटनाएं घटी है। इनमें रांची, जमशेदपुर, पलामू, बोकारो, गिरिडीह, लोहरदगा, हजारीबाग में अतिरिक्त बलों की तैनाती की गई है।

इन जिलों में विशेष सतर्कता बरतने का आदेश भी जिलों के एसपी को दिए गए हैं। 27 जून को झारखंड की राजधानी रांची सहित हर जिले में मुहर्रम का भव्य जुलूस निकाला जाएगा। मुहर्रम के जुलूस को लेकर सुरक्षा की तैयारी पूरी कर ली गई है। पुलिस की टीम ने सभी रूटों का निर्धारण कर लिया है, जहां से मुहर्रम का जुलूस निकलेगा। रांची पुलिस के सीनियर अफसरों की ओर से खुद से ही जुलूस रूट का निरीक्षण किया गया। रांची जिला प्रशासन की तरफ से अखाड़ाधारियों से अपील की गई है कि वे तय रुट से ही समय पर जुलूस निकालें और वापस लौटें। अखाड़ाधारियों को यह भी साफ निर्देश दिए गए हैं कि जुलूस में असामाजिक तत्व शामिल न हों, इसे लेकर सजग रहें। इसके साथ ही किसी भी तरह के खतरनाक कारनामे जुलूस में न हो, इसका भी सभी अखाड़ाधारी ध्यान रखें।

वहीं रांची सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि मुहर्रम को लेकर रांची पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। रांची में मुहर्रम का जुलूस 27 जून को निकाला जाएगा। जुलूस में शांति व्यवस्था के लिए पुलिस पूरी तरह से अलर्ट पर है। सुरक्षा के मद्देनजर जिलेभर में 06 हजार अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की जाएगी, शहर में लगे सीसीटीवी कैमरा से पूरे जुलूस की निगरानी की जाएगी। जुलूस की मानिटरिंग कंट्रोल रूम से होगी। इसके लिए कंट्रोल रूम में भी जवानों की तैनाती की गई है।

मोहर्रम जुलूस के मद्देनजर रांची के सभी स्कूल आज बंद रहेंगे

बिभा संवाददाता

रांची। मोहर्रम पर्व के अवसर पर 27 जून (शनिवार) को रांची जिले के अधिकांश क्षेत्रों में ताजिया और अखाड़ा जुलूस निकाले जाएंगे। जुलूसों के दौरान विभिन्न प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित होने और स्कूली बच्चों की आवाजाही में संभावित असुविधा को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिले के सभी विद्यालयों में एक दिन के अवकाश की घोषणा की है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर रांची जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी, सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालय 27 जून, 2026 को बंद रहेंगे। जिला प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय विद्यार्थियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है।

हालांकि, जिन विद्यालयों में पूर्व निर्धारित परीक्षाएं आयोजित होनी हैं, उन्हें आवश्यक स्थिति में परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दी गई है। इसके लिए संबंधित विद्यालयों को परीक्षा आयोजित करने से पहले जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ), रांची को पूर्व सूचना देना अनिवार्य होगा। जिला प्रशासन ने सभी विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों और आम नागरिकों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है। साथ ही लोगों से मोहर्रम पर्व को शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने में सक्रिय सहयोग देने का आग्रह किया है। प्रशासन ने कहा कि पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात संचालन को सुचारु रखने और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के भी विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि मोहर्रम का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या 589 तक पहुंची; 2,980 लोग घायल

एजेंसी

काराकास। वेनेजुएला में बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद हालात लगातार गंभीर बने हुए हैं। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शुक्रवार को बताया कि मृतकों की संख्या बढ़कर 589 हो गई है, जबकि 2,980 लोग घायल हुए हैं। हजारों लोगों के अब भी लापता होने की आशंका के बीच राहत एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है।

गुरुवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए रोड्रिगेज ने कहा कि मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। राहत और बचाव कार्य दिन-रात बिना रुके जारी रहेगा और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राजधानी काराकास के उत्तर में स्थित तटीय राज्य ला गुएरा सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यहां कम से कम 100 इमारतें पूरी तरह ढह गई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पूरे क्षेत्र को ₹आपदा क्षेत्र₹ घोषित कर दिया गया है। प्रभावित इलाकों में सेना की तैनाती की गई है और भोजन, पेयजल, दवाइयों तथा अन्य आवश्यक राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है। सरकार का कहना है कि बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं, जिसके कारण मृतकों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) के अनुमान के अनुसार, इस आपदा से लगभग 67.6 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें करीब 20 लाख लोग अकेले राजधानी काराकास में रहते हैं।

भूकंप के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने सरकारी सहायता पहुंचने से पहले स्वयं राहत कार्य शुरू कर दिया। कई स्थानों पर लोगों ने अपने हाथों से मलबा हटाकर फंसे लोगों को बाहर निकाला। वहीं अनेक परिवार अब भी अपने लापता परिजनों की तलाश में जुटे हुए हैं। दूरसंचार सेवाएं बाधित होने के कारण विदेशों में रह रहे वेनेजुएलावासियों को भी अपने परिवारों से संपर्क करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

नशे से मुक्ती के लिए रूथलेस अप्रोच के साथ आगे बढ़ना पड़ेगा : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में अगले तीन साल बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार ने नशा मुक्त भारत के लिए रोडमैप तैयार कर लिया है। अगले तीन सालों के लिए हमें नशे से मुक्ती के लिए ह्यरूथलेस अप्रोचह्न के साथ आगे बढ़ना होगा। शाह ने राज्यों के पुलिस प्रमुखों और सचिवों के साथ बैठक में सामूहिक और संगठित प्रतिक्रिया तथा आधुनिक खुफिया सूचना आधारित कार्रवाई, प्रौद्योगिकी आधारित रणनीति तथा पूरे नेटवर्क को लक्ष्य बनाकर अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में हाइब्रिड मोड में 44 केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख हितधारकों के साथ-साथ राज्य सरकारों और ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस दौरान गृह मंत्री ने ह्यमादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029)ह्न जारी किया। साथ ही शाह ने एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट -2025 जारी की और जम्मू एवं गुवाहाटी में नवनिर्मित एनसीबी आंचलिक कार्यालयों का उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में शाह ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थतंत्र सुरक्षा और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए नशे के कारोबार पर संपूर्ण विजय जरुरी है। भारत नशे के कारोबार से जुड़े डेथ ट्रायंगल (म्यांमार, थाईलैंड और लाओस) और डेथ क्रिसन (अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान) के बीच स्थित है। इसके अलावा ड्रोन आधारित ड्रॉप्स, समुद्री मार्गों से कंटेनराइज कारगो, डार्क नेट, क्रिप्टो पेमेंट और ऑर्डर टू डिलीवरी मॉडल पार्सलों का उपयोग जैसे तरीकों से ड्रग के कारोबारियों के खिलाफ हमारी लड़ाई कठिन हो गई है।

झारखंड को मिलेंगे 1,042 नये प्राइमरी टीचर, सीएम हेमंत सोरेन 29 को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड के सरकारी प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने की दिशा में राज्य सरकार एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 29 जून को 1,042 नवनियुक्त सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे. नियुक्ति पत्र वितरण समारोह राजधानी रांची के खेलगांव में दोपहर एक बजे आयोजित होगा. इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित अभ्यर्थी शामिल होंगे. नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए सभी जिलों की जिला स्थापना समिति ने अपनी अनुशंसा प्राथमिक शिक्षा निदेशालय को भेज दी है.

इस चरण में कक्षा एक से पांच तक के लिए 274 सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा. वहीं कक्षा छह से आठ तक के लिए 768 शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी. इन नियुक्तियों के बाद कई सरकारी विद्यालयों में लंबे समय से खाली पड़े शिक्षकों के पद भर सकेंगे. सरकार का मानना है कि इससे प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था मजबूत होगी तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी.

कक्षा छह से आठ तक के विद्यालयों में विषयवार नियुक्तियां भी तय कर दी गई हैं. प्रत्येक विद्यालय में भाषा, गणित एवं विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान विषय के लिए स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक नियुक्त किए जाएंगे. इनमें भाषा विषय के 150, गणित एवं विज्ञान के 231 तथा सामाजिक विज्ञान के सर्वाधिक 387 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिलेगा. विषयवार नियुक्ति का उद्देश्य विद्यालयों में सभी प्रमुख विषयों के लिए पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध कराना है, ताकि पढ़ाई प्रभावित न हो.

जिलावार नियुक्तियों पर नजर डालें तो सबसे अधिक 123 शिक्षकों की नियुक्ति पलामू जिले में होगी. इसके बाद गिरिडीह में 92, कोडरमा में 81, साहिबगंज में 63, पश्चिमी सिंहभूम में 61, देवघर में 59, दुमका में 54, गोड्डा में 53 और पाकुड़ में 51 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिलेगा. दूसरी ओर सबसे कम केवल चार शिक्षकों की नियुक्ति रामगढ़ जिले में होगी. रांची में 36, खूंटी में 12, लोहरदगा में 11, गुमला में 27, सिमडेगा में 21, लातेहार में 41, गढ़वा में 34, पूर्वी सिंहभूम में 39, सरायकेला-खरसावां में 34, हजारीबाग में 15, धनबाद में 42, बोकारो में 24 और जामताड़ा में 39 शिक्षकों की नियुक्ति होगी.

राज्य सरकार ने प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में लगभग 26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया वर्ष 2023 में शुरू की थी. चरणबद्ध तरीके से नियुक्तियां लगातार की जा रही हैं. अब तक करीब 12,500 शिक्षकों को नियुक्ति दी जा चुकी है. 29 जून को 1,042 और शिक्षकों को नियुक्ति पत्र मिलने के बाद यह संख्या और बढ़ जाएगी. सरकार का कहना है कि रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी. शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को समाप्त कर शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण बनाया जाए.

आकाशीय बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत, छह घायल

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। कुडू थाना क्षेत्र के सलगी कोलपारा गांव में खेत में काम करने के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से घुरती उरांव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति कर्मा उरांव गंभीर रूप से झुलस गए। इसी घटना में सरस्वती देवी भी घायल हो गईं।

वहीं, किस्को प्रखंड के बगड़ू थाना क्षेत्र के चरहु गांव में बकरी चराने के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से हशीदा खातून की मौत हो गई। इसके अलावा किस्को थाना क्षेत्र के टिसिया नवाटोली में बारिश से बचने के लिए एक घर में रुके सोनमती देवी, नीतू कुमारी, महेंद्र मुंडा और सरस्वती देवी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से घायल हो गये। घटना में एक अल्बेस्टर मकान और सोलर जलमीनार भी क्षतिग्रस्त हो गए।

दोनों घटनाओं के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को आपदा राहत के तहत मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मतदाता सूची के सुदृढ़ीकरण और बूथ मजबूती में जुटें कार्यकर्ताः डॉ. प्रदीप वर्मा

बिभा संवाददाता

सिल्लीः सिल्ली प्रखंड स्थित प्रेम वाटिका में एसआईआर अभियान को लेकर भाजपा सिल्ली विधानसभा के चार मंडल सिल्ली,पतराहातू,रामपुर और जोन्हा मंडल के बीएलए-2 की संयुक्त कार्यशाला जिला अध्यक्ष विनय कुमार महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि बीएलए-2 कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं। बूथ स्तर पर मतदाता सूची की शुद्धता, नए मतदाताओं को जोड़ने, पात्र मतदाताओं का नाम सुनिश्चित करने और जनसंपर्क को मजबूत करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि वे अपने दायित्वों का निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करें तथा घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें। लोकतंत्र की मजबूती के लिए शत-प्रतिशत मतदाता सहभागिता आवश्यक है और इस दिशा में एसआईआर अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भाजपा रांची पूर्वी जिलाध्यक्ष विनय कुमार महतो ने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती और कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका से अभियान को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने कार्यकताओं से जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपील की। कार्यक्रम के उपरांत सिल्ली सीएचसी परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित संदेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अस्पताल के कर्मचारियों एवं कार्यकताओं ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया। इसके साथ ही केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण होने पर क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों को समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सिल्ली के प्रसिद्ध व्यवसायी सुमन अग्रवाल को उनके घर जाकर अंगवस्त्र और पुस्तिका देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सिल्ली मंडल अध्यक्ष अम्बुज रजक एवं पतराहातू मंडल अध्यक्ष भगीरथ महतो एवं धन्यवाद ज्ञापन जोन्हा मंडल अध्यक्ष बसंत सुंडी ने किया। मौके पर रामपुर मंडल अध्यक्ष अमित बेदिया, साधुचरण महतो, वीणा देवी, सृष्टिधर प्रजापति,सुधीर साहू, भेंगराज प्रसाद ,बाबूलाल बड़ाईक, स्नेहलता देवी समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर इनर व्हील क्लब का प्रशिक्षण शुरू

रांची। इनर व्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा, रांची डिस्ट्रिक्ट 325 की ओर से महिलाओं और युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्षा सोमा भादुरी और सचिव अर्चना त्रिवेदी के नेतृत्व में शुरू किए गए इस कार्यक्रम में 20 जरूरतमंद एवं इच्छुक महिलाओं और युवतियों को विभिन्न उपयोगी उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को स्वरोजगार से जोड़ने एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। क्लब की ओर से प्रशिक्षण के लिए आवश्यक कच्ची सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। इसमें चार्ट पेपर, एनवेलप पेपर, पेपर कटर, स्केल, पेंसिल, रबर, गोंद, ईको-फ्रेंडली बैग, सैनिटरी पैड और चॉकलेट सहित अन्य सामग्री का वितरण किया गया।

आजादनगर फायरिंग कांड में पुलिस को बड़ी सफलता, मुख्य आरोपी की निशानदेही पर पिस्तौल और कारतूस बरामद

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः आजादनगर थाना क्षेत्र के रोड नंबर-3 स्थित सिब्तैन मस्जिद के पास 1 जून को हुई फायरिंग की घटना में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले के मुख्य आरोपी मुबारक अंसारी को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 7.65 एमएम की पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस तथा एक फायर किया हुआ खोखा बरामद किया गया।

शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि इस फायरिंग कांड में मुबारक अंसारी, मोहम्मद शफीक, तनवीर उर्फ इमरान उर्फ खेपा, महताब और तनवीर उर्फ समीर के खिलाफ आजादनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू करते हुए 13 जून को आरोपी तनवीर उर्फ इमरान उर्फ खेपा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

मुख्य आरोपी समेत अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के विभिन्न जिलों में लगातार छापेमारी की। पुलिस के बढ़ते दबाव के बीच कपाली के रहमतनगर निवासी 24 वर्षीय मुबारक अंसारी ने 22 जून 2026 को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद उसे 48 घंटे की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान उसने घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार के बारे में जानकारी दी, जिसके आधार पर पुलिस ने पिस्तौल, कारतूस और खोखा बरामद कर लिया।

पुलिस के अनुसार मुबारक अंसारी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ वर्ष 2024 में कपाली ओपी (चांडिल) थाना में मारपीट, घर में घुसकर हमला, महिला से जुड़े अपराध तथा आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

इस कार्रवाई का नेतृत्व पटमदा के पुलिस उपाधीक्षक दयानंद कुमार ने किया। छापेमारी दल में आजादनगर थाना प्रभारी चंदन कुमार, मनीष कुमार रॉय, दीपक ठाकुर, दीपक कुमार रौशन, शैलेंद्र कुमार नायक तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

सेना पर कथित जमीन के अतिक्रमण के खिलाफ रांची के ग्रामीण करेंगे आंदोलन

रांची। एयरपोर्ट विस्थापित मोर्चा के अध्यक्ष और पूर्व पार्षद अजीत उरांव ने कहा है कि हिनू, खोखमा टोली और हुंडरू पोखर टोली के ग्रामीणों ने रैयती जमीन पर कथित अतिक्रमण के प्रयास के खिलाफ आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को ग्रामीणों की बैठक में इस संबंध में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया। अजीत उरांव के अनुसार बैठक में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिना अधिग्रहित रैयती जमीन पर स्थानीय सेना की ओर से अतिक्रमण का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे उनके आवागमन, रास्ते और पेयजल पाइपलाइन प्रभावित हो रही है, जिससे लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने राज्य सरकार और स्थानीय सांसद और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से इस विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए पहल करने की मांग की है। ग्रामीणों का मानना है कि बातचीत के माध्यम से समस्या का समाधान निकाला जाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

प्रेमी से बात नहीं होने पर युवती ने फंदे से लटककर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

जमशेदपुर(बिभा)। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भुइयांडीह कल्याण नगर स्थित एग्रीको कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर एक 20 वर्षीय युवती ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही सीतारामडेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान भुइयांडीह कल्याण नगर निवासी संगीता कुमारी (20) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, घटना से पहले संगीता अपने प्रेमी से फोन पर बात करने की कोशिश कर रही थी। बताया जा रहा है कि उसने कई बार कॉल किया, लेकिन दूसरी ओर से बात नहीं की गई। इससे वह काफी परेशान और आहत हो गई। इसी बीच उसने अपने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को घटना की जानकारी मिलने के बाद संगीता को तत्काल एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सीतारामडेरा थाना प्रभारी आनंद मिश्रा ने बताया कि पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आत्महत्या के पीछे वास्तविक कारण क्या था। फिलहाल मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए सुफल महतो मुम्बई रवाना

सिल्ली(बिभा) : अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अधिवेशन 28-29 जून 2026 मुम्बई के लिए झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो एवं अध्यक्ष - असिम सरकार मुंबई रेलमार्ग से रवाना हो गए। अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य रूप से किसान विरोधी कानूनों, किसान विरोधी भारत - अमेरिका व्यापार समझौता, एम्-एस पी में कटौती, बीज और बिजली विधेयक, पैट्रोलियम, गैस, यूरिया खाद,बीज, मुल्य वृद्धि, जबरन जमीन अधिग्रहण, हाथियों का आतंक सहित किसान मुद्दों पर देशव्यापी आंदोलन की रूप रेखा के लिए मुख्य रूप से चर्चा होगी। किसान आन्दोलन के पश्चात तीनों कृषि कानून रद्द करते हुए 10 दिसम्बर 2021 को मोदी सरकार एवं किसान आन्दोलन के साथ लिखित समझौता, जिसमें तीन माह के अन्दर किसानो के फसलों के लिए एम्-एस पी की कानूनी गारंटी अभी तक लागू नहीं होने तथा किसानो के धान सहित कृषि उपजों की ओने पोने दामों में खरीद के खिलाफ आन्दोलन पर भी चर्चा होगी। अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में देश भर के सभी राज्यों के किसान नेता उपस्थित होंगे।

बगदा घाटी में दर्दनाक हादसाः 100 फीट गहरी खाई में गिरी बाइक, दंपति की मौत, दो बच्चे घायल

ठाकुरगांव/खलारी (बिभा): बगदा घाटी में शुक्रवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुढ़मू थाना क्षेत्र के बाड़े गांव निवासी नारायण सिंह अपनी पत्नी प्रिया कुमारी और दो बच्चों के साथ बाइक से पतरातू थाना क्षेत्र के साकुल गांव स्थित अपनी ससुराल जा रहे थे। बताया जा रहा है कि उनकी सास की तबीयत खराब थी, जिनका हालचाल लेने के लिए पूरा परिवार निकला था। इसी दौरान बगदा घाटी में उनकी पल्सर बाइक अचानक अनियंत्रित होकर करीब 100 फीट गहरी खाई में जा गिरी।हादसा इतना भीषण था कि नारायण सिंह और उनकी पत्नी प्रिया कुमारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से खाई से दोनों शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया। वहीं घायल बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अस्पताल रेफर किया गया है।पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। इस हादसे से मृतकों के परिजनों और गांव में शोक का माहौल है।स्थानीय जानकारी के अनुसार, नारायण सिंह पहले खलारी थाना क्षेत्र के मानकी कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहते थे। उनके पिता सीसीएल (कोल इंडिया की सहायक कंपनी) में कार्यरत थे। इस घटना की खबर मिलते ही मानकी कॉलोनी में भी शोक की लहर दौड़ गई, जहां उन्हें जानने वाले लोग घटना से स्तब्ध हैं।

रिम्स निदेशक के पत्र की निष्पक्ष जांच हो, मुख्यमंत्री हस्तक्षेप करें : सरयू राय

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से रिम्स के पूर्व निदेशक डॉ. राजकुमार द्वारा स्वास्थ्य मंत्री को 8 जून को लिखे गए पत्र की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पत्र में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और रिम्स के प्रशासन से जुड़े कई गंभीर मुद्दे उठाए गए हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

जारी बयान में सरयू राय ने कहा कि डॉ. राजकुमार से सीआईडी द्वारा लगातार आठ घंटे तक पूछताछ की गई, जिससे वे मानसिक रूप से आहत हुए और अंततः उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि इस्तीफे से पहले डॉ. राजकुमार ने स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। पत्र में दावा किया गया है कि शासी परिषद को विश्वास में लिए बिना उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई की गई और लगातार प्रशासनिक दबाव बनाया गया।

सरयू राय के अनुसार, पत्र में यह भी उल्लेख है कि रिम्स की शासी परिषद और निदेशक पर विभिन्न मामलों में दबाव डालने का प्रयास किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यायालय के आदेशों के बावजूद कुछ मामलों में कार्रवाई करने के लिए दबाव बनाया गया तथा उन्हें झूठे मामलों में फंसाकर प्रताड़ित करने की कोशिश की गई। उनका कहना है कि यह पत्र रिम्स और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली में मौजूद गंभीर खामियों की ओर संकेत करता है।

उन्होंने कहा कि डॉ. राजकुमार एक अनुभवी न्यूरोलॉजिस्ट हैं और पूर्व में भी कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। रिम्स में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई जटिल न्यूरो सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इसके बावजूद यदि उन्हें इस तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, तो यह चिंता का विषय है।

सरयू राय ने यह भी कहा कि रिम्स में जितने भी सक्षम और योग्य निदेशक आए, वे किसी न किसी कारण से अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। उनके अनुसार, स्वास्थ्य विभाग की अनावश्यक दखलंदाजी और प्रशासनिक दबाव संस्थान की कार्यसंस्कृति को प्रभावित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि डॉ. राजकुमार ने अपने पत्र में 16 अप्रैल 2025 को आयोजित रिम्स शासी परिषद की 59वीं बैठक का भी उल्लेख किया है। पत्र के अनुसार, पिछली बैठक से जुड़े कुछ कथित अवैध भुगतानों को स्वीकृति नहीं देने पर उन पर दबाव बनाया गया और उन्हें धमकाया गया। सरयू राय ने कहा कि यदि ऐसी स्थिति बनी रही तो भविष्य में भी कोई योग्य चिकित्सक रिम्स के निदेशक पद पर रहकर संस्थान में सुधार नहीं कर पाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराने की मांग की।

नगर निगम ने बरियातू और डोरंडा में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

बिभा संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम ने शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने को लेकर शुक्रवार को बरियातू रोड और डोरंडा क्षेत्र में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया।

अभियान के दौरान सड़क किनारे और नालियों के ऊपर किए गए अतिक्रमण को हटाते हुए कई अस्थायी संरचनाओं को जब्त किया गया। नगर निगम की टीम ने बरियातू रोड क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दो गुमटी, तीन लोहे के काउंटर और चार अवैध गुमटियों को हटाकर जब्त कर लिया। वहीं डोरंडा क्षेत्र में रिलायंस ट्रेंड्स के समीप सड़क किनारे अतिक्रमण कर लगाए गए पांच ठेलों को भी जब्त किया गया। अभियान के दौरान निगम अधिकारियों ने अतिक्रमणकारियों को सार्वजनिक स्थलों और सड़कों पर दोबारा कब्जा नहीं करने की चेतावनी दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में पुनः अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि शहर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए सड़कों और नालियों पर अतिक्रमण हटाना आवश्यक है, ताकि लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके और शहरी व्यवस्थाएं बेहतर बन सकें।

निगम ने कहा कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। जिससे सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कर नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर निगम के कई अधिकारी मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस पर असंगठित मजदूरों को किया गया जागरूक

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर । नालसा एवं झालसा के निर्देश पर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में शुक्रवार को मानगो चौक में असंगठित मजदूरों के बीच अंतराष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस पर जागरूकता अभियान चलाया गया । इस दौरान डालसा पीएलवी नागेन्द्र कुमार, दिलीप जायशवाल, संजय तिवारी एवं मनोज महतो ने असंगठित मजदूरों को मादक पदार्थों के दुरुपयोग के दुष्प्रभाव, नशा मुक्ति, तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित कानूनी प्रावधानों के बारे में जागरूक किया और बताया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करती है तथा परिवार और समाज में अनेक समस्याओं को जन्म देती है। नशे के कारण अपराध, घरेलू हिंसा, सड़क दुर्घटनाएँ, आर्थिक संकट तथा युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ।पीएलवी ने बताया कि मादक पदार्थों का अवैध उत्पादन, क्रय-विक्रय, परिवहन, भंडारण, सेवन एवं तस्करी कानूनन अपराध है, जिसके लिए कठोर कारावास एवं आर्थिक दंड का प्रावधान है। साथ ही लोगों से अपील की गई कि वे नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना प्रशासन को दें और समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करें। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान उपस्थित असंगठित मजदूरों द्वारा उत्साहपूर्वक नारे भी लगाए गए और नशा नहीं करने का संकल्प लिया गया ।

कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने तथा स्वयं एवं अपने परिवार को नशे से दूर रखने का संकल्प लिया। वहीं डालसा सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि आज के दिन पूर्वी सिंहभूम जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पीएलवी के माध्यम से सघन जागरूकता अभियान चलाया गया ।

सौहार्दपूर्ण माहौल में निकला मोहर्रम का तजिया जुलूस

बिभा संवाददाता

सिल्लीः सिल्ली प्रखंड में शुक्रवार के दिन मुस्लिम संप्रदाय के लोगों ने पूरे एकजुटता के साथ मुहर्रम त्यौहार को बड़े ही सौहार्दपूर्ण तरीके से तजिया का जुलूस निकाल कर हुसैन की शहादत की। यादगार में या अली या हुसैन के नारों के साथ निकाला। लोगों ने तजिया को लेकर बड़ा मुरी एवं छोटा मुरी होते हुए जामा मस्जिद पहुंचे, जहां लोगों ने नम आंखों से मातम के साथ जुलूस में शामिल हुए।समुदाय के लोगों ने अखाड़े में एक से बढ़कर एक करतब दिखाया जिसे लोगों ने काफी सराहना की।जुलूस में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।जुलूस में लोगों का आपसी सौहार्द का अद्भुत नजारा दिखा।स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल लगातार मुस्तैद नजर आई साथ ही पूरे क्षेत्र में प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।स्थानीय समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने भी शांति और व्यवस्था को लेकर काफी सक्रिय दिखे।मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बताया कि इस तरह का आयोजन से समाज में आपसी विश्वास और प्रेम को नई मजबूती मिलती है। मोहर्रम का महीना हमें सच्चाई के रास्ते पर चलने एवं अन्याय का विरोध करने का सीख देती है। सुलूमजुडी कमिटी से कलीम राही,मोहम्मद इमाम अंसारी,मोहम्मद सलीम,मोहम्मद हारुन,शब्बीर आलम,मंजूर आलम,मेराज अंसारी, मुस्तफा अंसारी, मुख्तार अंसारी, रिजवान अंसारी,मासूम अंसारी, मुस्तकीम अंसारी,मुस्तफा अंसारी, मुख्तार अंसारी, रिजवान अंसारी, कलवाडीह कमिटी से मोहम्मद चांद, मोहम्मद फारूक, मोहम्मद हारुन,मुजफ्फर अली, जमील अंसारी,मोहम्मद तय्यब,मोहम्मद इजहार जमीर अंसारी, बडा मुरी कमिटी से शेख मुख्तार ,शेखफिरोज, मोहम्मद अजीम अंसारी, नईम अंसारी, छोटा मुरी कमिटी से मस्जिद आलम, उस्मान अंसारी,जसीम अंसारी, मकसूद आलम, मोहम्मद इस्लाम, मोहम्मद इम्तियाज, शहजाद अहमद,मकसूद आलम और भी बहुत सारे लोग कॉमेटी के मौजूद थे '

हिंडालको मुरी में फुटबॉल प्रतिभा चयन ट्रायल आयोजित

बिभा संवाददाता

मुरी : हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सी एस आर विभाग द्वारा शुक्रवार को मुरी में फुटबॉल प्रतिभा चयन ट्रायल का सफल आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में लगभग 400 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कड़े मूल्यांकन के बाद 11 प्रतिभागियों का चयन किया गया है, जिन्हें दिल्ली स्थित सुदेवा फुटबॉल क्लब में अंतिम ट्रायल का अवसर मिलेगा। सुदेवा फुटबॉल क्लब देश के प्रतिष्ठित क्लबों में से एक है, जो युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अवसर प्रदान करता है। चयनित खिलाड़ियों को हिंडालको के एच आर हेड प्रमोद कुल्हर ने बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। ट्रायल का संचालन सुदेवा फुटबॉल क्लब के वरिष्ठ कोच के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर हिंडालको के आई आर हेड कुमार अभीषेक, सी एस आर हेड अनिल सिंह तथा स्थानीय समुदाय के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। हिंडालको सी एस आर विभाग ने पुनः यह सिद्ध किया कि वह समाजिक दायित्वों के निर्वहन में सदैव अग्रणी रहता है। समय-समय पर स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह पहल स्थानीय युवाओं को देश स्तर पर खेलने का अवसर प्रदान करेगी और हिंडालको की सामाजिक प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाएगी।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आशाओं और ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण केंद्र : राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड के राज्यपाल एवं राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि झारखंड के किसानों की आशाओं, आकांक्षाओं और ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के बाद से शिक्षा, अनुसंधान और कृषि प्रसार कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

राज्यपाल शुक्रवार को रांची स्थित बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के 46वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि कृषि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि किसानों की समस्याओं का समाधान, नवाचार को बढ़ावा देना और कृषि को अधिक लाभकारी बनाना भी है।

उन्होंने कहा कि झारखंड अपनी समृद्ध प्राकृतिक संपदा, जैव विविधता और जनजातीय परंपराओं के लिए जाना जाता है। राज्य की बड़ी आबादी आज भी कृषि और उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है। ऐसे में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा जैविक खेती, श्री अन्न (मिलेट्स), बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन और जल संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधानों की सराहना करते हुए कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य में ऐसी तकनीकों का विकास आवश्यक है, जो किसानों के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल भी हों।

संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि वे स्वयं एक कृषक परिवार से आते हैं, इसलिए किसानों की समस्याओं और अपेक्षाओं को निकट से समझते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि किसी भी अनुसंधान की सफलता का वास्तविक मापदंड शोधपत्रों की संख्या नहीं, बल्कि किसानों की आय में वृद्धि, उनकी समस्याओं का समाधान और उनके जीवन में आया सकारात्मक परिवर्तन होना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि कृषि अनुसंधान का अंतिम उद्देश्य प्रयोगशाला तक सीमित उपलब्धि नहीं, बल्कि खेत और किसान की समृद्धि होना चाहिए। ह्यलैब टू लैंडह्ल की अवधारणा को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला में विकसित तकनीक तभी सार्थक होगी, जब उसका लाभ खेत की मेड़ तक पहुंचे। विश्वविद्यालय और किसानों के बीच जितना मजबूत संवाद होगा, कृषि विकास की गति उतनी ही तेज होगी।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड में बागवानी, वानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन और लाख उत्पादन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में अनुसंधान, मूल्य संवर्धन और आधुनिक विपणन व्यवस्था को बढ़ावा देकर किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है।

उन्होंने कृषि को केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि उद्यमिता और समृद्धि का आधार बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि आज कृषि शिक्षा नवाचार, स्टार्टअप, खाद्य प्रसंस्करण और रोजगार सृजन का व्यापक माध्यम बन चुकी है। विद्यार्थियों से उन्होंने आह्वान किया कि वे केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले युवा बनने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का मार्ग समृद्ध किसानों और सशक्त गांवों से होकर गुजरता है।

अपने संबोधन के अंत में राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदाता को देवतुल्य माना गया है। किसान केवल खाद्यान्न उत्पादक नहीं, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भरता के आधार स्तंभ हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय अपनी स्वर्ण जयंती तक देश के अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों में विशिष्ट स्थान स्थापित करेगा और कृषि अनुसंधान, नवाचार तथा किसान कल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

रिम्स निदेशक को प्रताड़ित कर इस्तीफा देने पर मजबूर किया गया : भाजपा

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने आरोप लगाया है कि राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निदेशक डॉ. राजकुमार स्वास्थ्य विभाग में कथित अवैध वसूली की व्यवस्था के सबसे बड़े अवरोध बन गए थे। इसी कारण उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और अंततः इस्तीफा देने के लिए विवश होना पड़ा।

महतो ने शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया कि दलित अधिकारियों का शोषण और उत्पीड़न करना कांग्रेस की पुरानी कार्यशैली रही है। उन्होंने कहा कि डॉ. राजकुमार की नियुक्ति के बाद से ही स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के इशारे पर उन्हें विभिन्न प्रकार की प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। यहां तक कि उन्हें पद से हटाने का आदेश भी जारी किया गया, लेकिन उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद वे अपने पद पर बने रहे। महतो का दावा है कि न्यायालय का यह निर्णय स्वास्थ्य मंत्री को स्वीकार नहीं था।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री ने विभाग को कथित रूप से अवैध उगाही का केंद्र बना दिया है। उनके अनुसार विभाग में मनचाहे अधिकारियों की नियुक्ति कर उनसे वसूली कराई जा रही है, जबकि ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और विशेष रूप से दलित अधिकारियों को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है।

महतो ने कहा कि डॉ. राजकुमार एक अनुभवी चिकित्सक एवं कुशल प्रशासक हैं। उन्होंने रिम्स की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल कीं, लेकिन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा लगातार उनके कार्यों में हस्तक्षेप किया गया। उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया गया तथा बिना समुचित जानकारी दिए सीआईडी जांच का हवाला देकर मानसिक रूप से मानसिक दबाव में रखा गया। इससे उनके स्वाभिमान को गहरी ठेस पहुंची और अंततः उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि वर्तमान में झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था बद से बदतर स्थिति में पहुंच चुकी है। अस्पतालों में संसाधनों की कमी, अव्यवस्था और प्रशासनिक अराजकता चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस स्थिति के लिए स्वास्थ्य मंत्री नैतिक रूप से जिम्मेदार हैं।

संक्षिप्त खबरें

हूल दिवस को भव्य रूप में मनाएगी भाजपा, 9 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन

रांची(बिभा) : झारखंड भाजपा द्वारा 30 जून को अमर शहीद स्थल भोगनाडीह में आयोजित होने वाले 'हूल दिवस' के भव्य आयोजन की योजना बनाई गई है। इसके सफल आयोजन के लिए बकायदा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू द्वारा 9 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। इस आयोजन समिति में पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम, पूर्व सांसद सुनील सोरेन, अमर शहीद के वंशज मंडल मुर्मू, पूर्व प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी, वरिष्ठ नेता गणेश तिवारी, साहेबगंज जिला अध्यक्ष गौतम यादव, पाकुड़ जिला अध्यक्ष सरिता मुर्मू, महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनिता सोरेन एवं अनु. जनजाति मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनिता मुर्मू को शामिल किया गया है। इस संबंध में प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने बताया कि झारखंड के लिए इस तिथि का ऐतिहासिक महत्व है। संताल परगना और झारखंड की भूमि क्रांतिकारियों की वीर गाथाओं से भरी पड़ी हैं। सन 1855 में 30 जून के ही दिन झारखंड के जनजातीय समुदाय द्वारा हूल क्रांति के अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हो के नेतृत्व में अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका गया था। चांद-भैरव, फूलो-झानो ने भी इस आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई। दमन और शोषण को लेकर उलगुलान का आदिवासियों का इतिहास आजादी की लड़ाई से पूर्व का है। 30 जून, 1855 को अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी समाज द्वारा फूंका गया यह बिगुल भारत का पहला स्वाधीनता संग्राम है। भारतीय जनता पार्टी ऐसे तमाम महानायकों की ऋणी है और उनके बहुमूल्य योगदान के लिए समय समय पर उनका स्मरण करती रही है। हूल दिवस को व्यापक रूप से मनाने का निर्णय उसी कड़ी का हिस्सा है।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं पूज्य सदानंद महाराज के रांची आगमन की तैयारियों को लेकर ट्रस्ट की बैठक कल

रांची(बिभा) : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार 28 जून को पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम परिसर में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट के वरिष्ठ पदाधिकारियों के सानिध्य में होगी, जिसमें ट्रस्ट के सभी पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण उपस्थित रहेंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी गुरु पूर्णिमा महोत्सव के भव्य एवं सफल आयोजन की तैयारियों पर विस्तृत विचार-विमर्श करना है। इसके साथ ही 19 जुलाई को पूज्य गुरुजी डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज के रांची आगमन के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाएगी।बैठक में ट्रस्ट के आगामी धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों की भावी योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा होगी। उक्त जानकारी ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने दी।

होचर का झूलन के साथ मंडा पूजन संपन्न

रांची(बिभा): होचर का तीन दिवसीय मंडप पूजन आज झूलन के साथ संपन्न हो गया। झूलन में 76 भोगता थे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कांके विधायक सुरेश बैठा, विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र मंत्री डॉ वीरेंद्र साहू, जिला परिषद सदस्य किरण देवी, समाजसेवी हरिनाथ साहू, समाजसेवी दिलीप साहू थे। इस अवसर पर विधायक सुरेश बैठा ने कहा सनातन संस्कृति का अनुपम संगम मंडा पूजा में देखने को मिलता है। विहिप के क्षेत्र मंत्री डॉ वीरेंद्र साहू ने कहा विगत 21 दिन से मंडा पूजन का अनुष्ठान चल रहा है। भोक्ताओं के कठोरतम आराधना के कारण ही जलती हुई अंगारों में चलकर भगवान शिव से आशीर्वाद प्राप्त करने में सामर्थ हो पाते हैं। पर्व के माध्यम से जहां एक ओर आस्था का संगम होता है वहीं दूसरी और विभिन्न गांव से आए हुए श्रद्धालुओं के कारण एकत्र समाज दिखाई पड़ता है। जिला परिषद किरण देवी, समाजसेवी हरिनाथ साहू व दिलीप साहू ने भी सभी भक्तों का स्वागत करते हुए कहा कि यह हमारी प्राचीन धरोहर है। जिस पर्व को समस्त हिंदू समाज के घटक एक साथ मिलकर मनाते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष निरंजन साहू, सचिव प्रदीप राम, संरक्षक शत्रुघ्न साहू,संजय साहू, अंकित कुमार, सूरज राम, भोला साहू, संजय राम, संतोष साहू, रोहित साहू, अरविंद कुमार, हरि कुमार, लक्ष्मण राम, अनुज लाल, नवीन कुमार, गौतम तिवारी सहित अनेक लोगों की विशेष भूमिका रही।

अकीदत के साथ निकला जुलूस-ए-आशूर, अमन का संदेश

बिभा संवाददाता

रांची। मुहर्रम के अवसर पर अंजुमन जाफरिया के तत्वावधान में हजरत इमाम हुसैन और शोहदाए कर्बला की याद में शुक्रवार को जुलूस-ए-आशूर शांतिपूर्ण और अकीदत के साथ निकाला गया।

इस अवसर पर मस्जिद जाफरिया से निकले जुलूस में हजारों अजादारों ने हिस्सा लिया। जुलूस से पूर्व मस्जिद जाफरिया में नमाज-ए-जुमा अदा की गई। इसके बाद आयोजित मजलिस-ए-आशूर को संबोधित करते हुए मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहा कि इमाम हुसैन की शहादत इंसानियत, हक, न्याय और अमन का पैगाम देती है। उन्होंने कहा कि कर्बला का संदेश अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष और सत्य के लिए बलिदान की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि मुहर्रम हमें भाईचारा, त्याग, देशप्रेम और सामाजिक एकता का संदेश देता है।

देश के प्रति वफादारी भी एक बड़ी इबादत है और सभी को देश की एकता एवं अखंडता के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। मजलिस के बाद ताबूत, अलम और झूला के साथ जुलूस अपने पारंपरिक मार्गों से होकर निकला। विभिन्न स्थानों पर नौहाख्वानी, मातम और सीना-जनी की गई। मार्ग में कई सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठन और जिला प्रशासन की ओर से जुलूस का स्वागत किया गया और अजादारों के लिए पेयजल सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समुदाय के लोग और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

भाजपा झूठ, अफवाह और चरित्र हनन की राजनीति बंद करे : कांग्रेस

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी की ओर से रिम्स के निदेशक डॉ राजकुमार के इस्तीफे को लेकर लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार, मनगढ़ंत और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित हैं।

भाजपा के पास जनता के मुद्दों पर बोलने के लिए कुछ नहीं बचा है, इसलिए वह हर प्रशासनिक विषय को राजनीतिक रंग देकर भ्रम फैलाने का असफल प्रयास कर रही है।

यह बातें प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही।

उन्होंने कहा कि भाजपा पहले यह स्पष्ट करे कि उसके आरोपों का आधार क्या है। यदि पार्टी के पास किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार, अवैध वसूली या उत्पीड़न के प्रमाण है तो उन्हें सार्वजनिक करे या सक्षम जांच एजेंसी को सौंपें। केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर झूठे आरोप लगाना भाजपा की पुरानी आदत बन चुकी है।

कांग्रेस ने कहा कि दलित हितों की बात करने वाली भाजपा को पहले अपने शासनकाल का इतिहास देखना चाहिए।

दलित, आदिवासी, पिछड़े और कमजोर वर्गों के अधिकारों पर सबसे अधिक चोट भाजपा सरकारों के दौरान हुई है। आज राजनीतिक लाभ के लिए दलित अधिकारियों का नाम लेकर मगरमच्छ के आंसू बहाना भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर करता है।

सीसीएल में श्रम संहिताओं पर प्रशिक्षण शुरू

बिभा संवाददाता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के मानव संसाधन विकास विभाग की ओर से चार नई श्रम संहिताओं और उनके तहत बनाए गए नियमों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को एमटीसी, एचआरडी में शुभारंभ हुआ।

26 और 27 जून 2026 तक आयोजित कार्यक्रम में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों एवं मुख्यालय से 105 प्रतिभागी शामिल हुए। भारत सरकार के पूर्व मुख्य श्रम आयुक्त डॉ ओंकार शर्मा ने विशेषज्ञ संकाय के रूप में प्रशिक्षण सत्र का संचालन किया। मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार ने कहा कि भारत सरकार की ओर से लागू नई श्रम संहिताओं के प्रभावी अनुपालन के लिए सभी संबंधित पक्षों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

वहीं निदेशक (तकनीकी-संचालन) चंद्रशेखर तिवारी ने बदलते औद्योगिक परिवेश में ज्ञानवर्धन और अद्यतन जानकारी की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ ओंकार शर्मा ने श्रम संहिताओं के विभिन्न प्रावधानों, अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं और व्यावहारिक क्रियान्वयन पर विस्तृत जानकारी दी। सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए प्रश्न और सुझाव साझा किए।

सीसीएल प्रबंधन के अनुसार यह पहल श्रम कानूनों की बेहतर समझ विकसित करने, अनुपालन व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं औद्योगिक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में सीसीएल के निदेशक (तकनीकी-संचालन) चंद्रशेखर तिवारी, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार, महाप्रबंधक (एचआरडी) एमएफ हक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

सभी 595 मंडलों में मनाया जाएगा हूल दिवस : आदित्य

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड भाजपा 30 जून को हूल दिवस के अवसर पर न केवल अमर शहीद स्थल भोगनाडीह में कार्यक्रम आयोजित करेगी बल्कि इस दिवस को राज्य के सभी 595 मंडलों में मनाने की तैयारी में जुटी हुई है। हूल दिवस को सभी मंडलों में मनाने की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने की है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि इस बार हूल दिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा झारखंड के सभी मंडलों में हूल क्रांति के अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हो, चांद-भैरव, फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। वहीं भोगनाडीह में इस दिवस को भव्य और व्यापक रूप से मनाने के लिए 9 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है।

श्री साहू ने कहा कि आजादी की लड़ाई में झारखंड के जनजातीय समुदाय के महानायकों की महत्ती भूमिका रही है। कई सपूतों ने अपनी कुबार्नी दी है। 30 जून, 1855 के दिन झारखंड के जनजातीय समुदाय द्वारा क्रांति का बिगुल फूंका गया। हूल दिवस, जनजातीय समुदाय के कड़े संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है।

श्री साहू ने कहा कि विपक्षी पार्टियां जनजातीय समुदाय के नाम पर केवल राजनीतिक रोटी सेंकने का काम करती रही हैं। जबकि भारतीय जनता पार्टी ने सही मायनों में आदिवासी गौरव, उनके सम्मान, उनकी अस्मिता, उनके अधिकारों की रक्षा करने का काम किया है। नरेंद्र मोदी सरकार ने उनके हितों, उनके अधिकारों, उनकी संस्कृति, उनकी विरासत को राष्ट्रीय स्वाभिमान के रूप में स्थापित करने का काम किया है।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर केंद्रीय कारा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका, सुधांशु कुमार शशि के आदेशानुसार आज नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के तत्वावधान में केंद्रीय कारा, दुमका में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को नशीली दवाओं एवं मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा नशामुक्त एवं अपराधमुक्त जीवन के प्रति प्रेरित करना था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राधिकार के सचिव, विवेक कुमार ने कहा कि नशीली दवाओं का सेवन व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार और समाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। नशे की लत कई बार व्यक्ति को अपराध की ओर ले जाती है, इसलिए इससे दूर रहना तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करना आवश्यक है।

कार्यक्रम में बंदियों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव, नशा मुक्ति के उपाय, पुनर्वास की आवश्यकता, निःशुल्क विधिक सहायता तथा एनडीपीएस अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सकारात्मक जीवन अपनाना ही उज्ज्वल भविष्य का मार्ग है।

इस अवसर पर पारा विधिक स्वयंसेवकों एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल द्वारा बंदियों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी विधिक समस्याओं की जानकारी ली गई तथा उन्हें उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित बंदियों ने नशे से दूर रहने तथा समाज में सकारात्मक संदेश फैलाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रतिनिधिगण, केंद्रीय कारा के पदाधिकारी एवं कर्मी, पारा विधिक स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में बंदीगण उपस्थित रहे।

अण्डाल और दुर्गापुर स्टेशनों के बीच कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का आंशिक निरस्तीकरण जारी रहेगा

दुर्गापुर स्टेशन के बदले अण्डाल स्टेशन पर निम्नलिखित मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का लोकोमोटिव रिवर्सल 3 महीने की अवधि के लिए अर्थात **दिनांक 01.07.2026 से 30.09.2026 तक** जारी रहेगा। अतएव, ये ट्रेनें अपने मौजूदा मार्ग आसनसोल–अण्डाल–दुर्गापुर–अण्डाल–सांइथिया के बदले आसनसोल–अण्डाल–सांइथिया होकर मार्ग परिवर्तित करेंगी और अण्डाल एवं दुर्गापुर स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेंगी।

● **12551 एसएमवीटी बेंगलुरु–कामाख्या एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 04/07, 11/07, 18/07, 25/07, 01/08, 08/08, 15/08, 22/08, 29/08, 05/09, 12/09, 19/09 और 26/09/26 (शनिवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 20.00 बजे, प्रस्थान 20.01 बजे। ● **12552 कामाख्या–एसएमवीटी बेंगलुरु एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 01/07, 08/07, 15/07, 22/07, 29/07, 05/08, 12/08, 19/08, 26/08, 02/09, 09/09, 16/09, 23/09 और 30/09/26 (बुधवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 06.45 बजे, प्रस्थान 06.47 बजे। ● **13417 दीघा–मालदा टाउन एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 02/07, 09/07, 16/07, 23/07, 30/07, 06/08, 13/08, 20/08, 27/08, 03/09, 10/09, 17/09 और 24/09/26 (बृहस्पतिवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 08.10 बजे, प्रस्थान 08.11 बजे। ● **13418 मालदा टाउन–दीघा एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 02/07, 09/07, 16/07, 23/07, 30/07, 06/08, 13/08, 20/08, 27/08, 03/09, 10/09, 17/09 24/09/26] (बृहस्पतिवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 12.43 बजे, प्रस्थान 12.45 बजे। ● **13425 मालदा टाउन–सूरत एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 04/07, 11/07, 18/07, 25/07, 01/08, 08/08, 15/08, 22/08, 29/08, 05/09, 12/09, 19/09 और 26/09/26 (शनिवार)] । **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 16.41 बजे, प्रस्थान 16.43 बजे। ● **13426 सूरत–मालदा टाउन एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 06/07, 13/07, 20/07, 27/07, 03/08, 10/08, 17/08, 24/08, 31/08, 07/09, 14/09, 21/09 और 28/09/26 (सोमवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 00.02 बजे, प्रस्थान 00.04 बजे। ● **15629 ताम्बरम–सिलघाट टाउन नगांव एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 06/07, 13/07, 20/07, 27/07, 03/08, 10/08, 17/08, 24/08, 31/08, 07/09, 14/09, 21/09 और 28/09/26 (सोमवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 03.41 बजे, प्रस्थान 03.42 बजे। ● **15630 सिलघाट टाउन–ताम्बरम नगांव एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 03/07, 10/07, 17/07, 24/07, 31/07, 07/08, 14/08, 21/08, 28/08, 04/09, 11/09, 18/09 और 25/09/26 (शुक्रवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 08.10 बजे, प्रस्थान 08.11 बजे।● **15640 कामाख्या–पुरी एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 05/07, 12/07, 19/07, 26/07, 02/08, 09/08, 16/08, 23/08, 30/08, 06/09, 13/09, 20/09 एवं 27/09/26 (रविवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 12.20 बजे, प्रस्थान 12.22 बजे।● **15661 रांची–कामाख्या एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 01/07, 08/07, 15/07, 22/07, 29/07, 05/08, 12/08, 19/08, 26/08, 02/09, 09/09, 16/09, 23/09 एवं 30/09/26 (बुधवार)] । **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 02.21 बजे, प्रस्थान 02.23 बजे। ● **15662 कामाख्या–रांची एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 07/07, 14/07, 21/07, 28/07, 04/08, 11/08, 18/08, 25/08, 01/09, 08/09, 15/09, 22/09 एवं 29/09/26 (मंगलवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 06.45 बजे, प्रस्थान 06.47 बजे। ● **15929 ताम्बरम–न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 02/07, 09/07, 16/07, 23/07, 30/07, 06/08, 13/08, 20/08, 27/08, 03/09, 10/09, 17/09 और 24/09/26 (बृहस्पतिवार)। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 03.41 बजे, प्रस्थान 03.42 बजे। ● **15930 न्यू तिनसुकिया–ताम्बरम एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 06/07, 13/07, 20/07, 27/07, 03/08, 10/08, 17/08, 24/08, 31/08, 07/09, 14/09, 21/09 और 28/09/26 (सोमवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 08.10 बजे, प्रस्थान 08.11 बजे। ● **22611 एमजीआर चेन्नई सेंट्रल–न्यू जलपाईगुड़ी सुपरफास्ट एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 01/07, 08/07, 15/07, 22/07, 29/07, 05/08, 12/08, 19/08, 26/08, 02/09, 09/09, 16/09, 23/09 और 30/09/26 (बुधवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 16.55 बजे, प्रस्थान 16.57 बजे। ● **22612 न्यू जलपाईगुड़ी–एमजीआर चेन्नई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस** [यात्रा शुरू दिनांक 03/07, 10/07, 17/07, 24/07, 31/07, 07/08, 14/08, 21/08, 28/08, 04/09, 11/09, 18/09 और 25/09/26 (शुक्रवार)]। **अण्डाल पर ठहरने की समयसूची:** आगमनः 06.45 बजे, प्रस्थान 06.47 बजे।

मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मोहर्रम पर चास में अखाड़ों का दिलकश प्रदर्शन, हजारों की भीड़ उमड़ी

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो) : मोहर्रम पर आयोजित भव्य जुलूस में चास के विभिन्न मोहल्लों के रोजगारों और आस-पास के निवासियों ने अपनी आस्था व पारंपरिक कला का जोरदार प्रदर्शन किया। रविवार को मुस्लिम मोहल्ला से शुरू हुए जुलूस में अंसारी मोहल्ला, सुल्तान नगर और अंसार नगर के निवासी भी शामिल हुए। जुलूस बबनिया गली होते हुए धर्मशाला मोड़ तक पहुंचा, जहाँ भारी संख्या में लोग प्रदर्शन देखने के लिए उमड़ पड़े।

जुलूस में शामिल विभिन्न अखाड़ों के युवा लाठी खेल, तलवारबाजी और पारंपरिक युद्धकौशल के कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे थे। धर्मशाला मोड़ पर अखाड़ों ने अपने-अपने करतब दिखाए, जिनके दौरान दर्शकों में जोश और उत्साह देखने योग्य था। प्रदर्शन के दौरान रास्ते भर भारी भीड़ जुटी रही और कई स्थानों पर लोगों ने कार्यक्रम की शान बढ़ाई।

प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए थे। स्थानीय पुलिस और अन्य संबंधित विभागों की सतत निगरानी के चलते कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। आयोजकों ने कहा कि इस वर्ष भी मोहर्रम के अवसर पर अनुशासन और सामुदायिक सहभागिता ने परंपरा को जीवंत रखा है।

विश्व प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित अजय चक्रवर्ती 21 नवंबर को बोकारो में गायकी से बांधेंगे समां

बोकारो(बिभा) : आईटीसी संगीत रिसर्च अकादमी, कोलकाता एवं भारतीय संगीत कला अकादमी, बोकारो स्टील सिटी के संयुक्त तत्वाधान में 21 नवंबर 2026 को बोकारो में विश्व प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पद्म भूषण पंडित अजय चक्रवर्ती अपने गायन की प्रस्तुति देने आ रहे हैं। यह जानकारी साझा करते हुए बोकारो के प्रसिद्ध तबला वादक एवं भारतीय संगीत कला अकादमी, बोकारो के सचिव डॉ. राकेश रंजन ने कहा कि बोकारो के लिए वह क्षण गौरव का होगा जब पंडित अजय चक्रवर्ती जी का बोकारो आगमन होगा। उल्लेखनीय है कि पंडित अजय चक्रवर्ती भारत के दिग्गज हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक और संगीतकार हैं। उन्होंने देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अनेक संगीत समारोह में अपनी प्रस्तुतियां दी हैं। उन्हें मुख्य रूप से पटियाला-कसूर घराने के अग्रणी प्रतिपादक के रूप में जाना जाता है।

तुपकाडीह, मानगो में निकला ताजिया जुलूस

बिभा संवाददाता

तुपकाडीह (बोकारो)। शुक्रवार को तुपकाडीह , मानगो और कलाल टोला में मुहर्रम का ताजिया जुलूस जुम्मे की नमाज अता करने के बाद निकाला गया। या अली , या हुसैन के गूंज के साथ जामा मस्जिद के प्रांगण में स्तिथ दरगाह से ताजिया लेकर तुपकाडीह चौक तक पहुंचने के बाद वापस मस्जिद के प्रांगण में जाकर अखाड़ा लगा जहां युवकों ने एक से एक खेल दिखाकर वाह वाही बटोरी। इसी प्रकार कलाल टोला और मानगो ताजिया का मिलन कलाली मोड़ में हुआ। शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए जरीडीह और बालीडीह ओपी थाना पुलिस तत्पर रही।

जूनियर नेशनल रग्बी कैंप में बोकारो के 6 खिलाड़ी चयनित

बिभा संवाददाता

बोकारो। जूनियर नेशनल रग्बी चैंपियनशिप का आयोजन 6 जुलाई से लेकर 11 जुलाई तक हैदराबाद में किया जाएगा। इसको लेकर झारखंड रग्बी टीम के गठन को लेकर नेशनल कैंप का आयोजन 27 से 29 जून तक खूंटी में होगा। यह जानकारी देते हुए झारखंड रग्बी एसोसिएशन के सचिव सैयद नसीमुद्दीन ने बताया कि नेशनल रग्बी कैंप के लिए बोकारो जिले के कुल 6 खिलाड़ी का चयन किया गया। तीन दिवसीय कैंप के बाद झारखंड की बालक व बालिका रग्बी टीम हैदराबाद में आयोजित होने वाले जूनियर नेशनल रग्बी चैम्पियनशिप में हिस्सा लेगी। यह जानकारी देते हुए बोकारो टीम के कोच फिरोज अंसारी ने बताया नेशनल रग्बी कैंप में शामिल बोकारो के 6 खिलाड़ी में बालक वर्ग में आदित्य कर्मकार, सूरज यादव, आशिष राय व सूरज कुमार चयनित किए गए हैं। जबकि बालिका वर्ग में बोकारो की दो खिलाड़ी मेहक कुमारी व कुमारी शीतल नाग का चयन किया गया है। बोकारो जिले के चयनित सभी खिलाड़ी डॉ राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राएं हैं। इसको लेकर डॉ राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार ने चयनित सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने बताया अंडर 18 जूनियर नेशनल रग्बी चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने को लेकर खिलाड़ियों का जन्म तिथि वर्ष 2008 व 2009 के बीच होना अनिवार्य है। जूनियर नेशनल रग्बी चैम्पियनशिप अंडर 18 बालिका वर्ग का मैच का आयोजन 6 व 7 जुलाई को होगा। जबकि अंडर 18 बालक वर्ग का जूनियर नेशनल रग्बी चैम्पियनशिप का मैच 10 व 11 जुलाई को हैदराबाद में खेला जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

नशा मुक्ति अभियान: नुक्कड़ नाटक के जरिए आमजनों और युवाओं को किया गया जागरूक

बोकारो(बिभा): निषिद्ध मादक पदार्थों के खिलाफ जारी नशा मुक्ति अभियान के तहत जिला जनसंपर्क कार्यालय, बोकारो के सहयोग से आज बेरमो प्रखंड के तीन प्रमुख स्थानों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सहयोगिनी संस्था के समन्वयक रवि कुमार राय ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्कृत टीम द्वारा नशा मुक्ति के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज बेरमो प्रखंड के करगली बाजार, फुसरो और बेरमो में नुक्कड़ नाटक टीम ने अपनी प्रस्तुति दी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने नशा करने से स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर पड़ने वाले घातक और कुप्रभावों की जीवंत जानकारी दी। साथ ही, आकर्षक गीत-संगीत के जरिए विशेषकर युवा वर्ग और आम लोगों को हर प्रकार के नशे से दूर रहने की अपील की गई। इस जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में नुक्कड़ नाटक टीम के कलाकार अभय कुमार सिंह, रवि कुमार, मंजू देवी , प्रकाश, तनु, राखी, और कुमारी किरण आदि ने अपनी प्रस्तुति से लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम को स्थानीय लोगों की भी काफी सराहना मिली।

बोकारो रेलवे स्टेशन पर प्रभात फेरी के साथ नशा मुक्त भारत अभियान की जागरूकता रैली

बोकारो(बिभा) : शुक्रवार को बोकारो रेलवे स्टेशन पर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत बड़े पैमाने पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्टेशन परिसर में प्रभात फेरी निकाली गई और यात्रियों एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के महत्व के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में बोकारो रेलवे स्टेशन के स्टेशन मैनेजर संतोष कुमार नायक, मुख्य वाणिज्यिक निरीक्षक अभिषेक कुमार, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारी एवं जवान, कमर्शियल विभाग के कर्मचारी तथा रेलवे के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सार्वजनिक अनुशासन और परिवारिक, सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से नशे के खतरों पर विशेष जोर दिया। प्रभात फेरी में भाग लेने वालों ने बड़े बोर्ड व प्लेकार्ड लेकर नशे के खिलाफ नारे लगाए और यात्रियों को अभियान से जुड़ने का आग्रह किया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य नशे के प्रति जागरूकता फैलाकर समाज को सुरक्षित, स्वस्थ एवं नशामुक्त बनाना है। समाप्ति पर सभी उपस्थित लोगों ने शपथ ली कि वे नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने और इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लेकर समाज को नशामुक्त बनाने में योगदान देंगे। रेलवे अधिकारियों ने आगे भी समय-समय पर ऐसे अभियान जारी रखने का आश्वासन दिया।

अलुवारा कर्बला में तजिया मिलन समारोह आयोजित

तलगडिया (बोकारो) (बिभा): चास प्रखण्ड पंचायत चंदाहा व चंदनकियारी प्रखण्ड पंचायत बाटबिनोर का तजिया मिलन आलुवारा कर्बला मैदान में सोहार्दपुर्ण व शांति पुर्बक हुआ। गाँव चंदाहा से हजारों की संख्या में महिला पुरुष व बच्चे तजिया लेकर गाँव अलुवारा पहुंचे जहां पर शान शौकत से गाजावाजा के साथ तजिया मिलन किया। जंगी ने मन्नत पूरी किया। लाठी प्रतियोगिता किया गया। लोग एक दुसरे से गले मिल बधाई दिया। मौके पर पंचायत चंदाहा के मुखिया शबनम खातुन, जितुन अंसारी, पंसस संजय राय, रफिक आलम अंसारी, पुर्व पंसस तारनी मोदक, चंचल महतो, बीणा देवी, भाजपा नेता जहांगीर अंसारी,खुश मोहम्मद अंसारी, बाटबिनोर पंचायत मुखिया रबिन दास वैष्णव, सदर दाउद अंसारी,रति लाल, परमेश्वरदास, सियालजोरी थाना प्रभारी रणजीत प्रसाद, बनगड़िया ओपी शुभम-कुमार व पुलिस वल तथा क्षेत्र के गणमान्य व ग्रामीण उपस्थित थे।

हरिलागोड़ा में पुलिया एवं 300 फीट गार्डवाल निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास,

ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत : उमाकांत रजक

बिभा संवाददाता

चास। बोकारो जिला के चास प्रखंड अंतर्गत कोलबेंदी पंचायत के ग्राम मामरकुदर टोला हरिलागोड़ा में जिला अनाबद्ध निधि से स्वीकृत पीडब्ल्यूडी रोड मामरकुदर से हरिलागोड़ा जाने वाले मार्ग के बीच जोरिया में पुलिया सहित 300 फीट गार्डवाल निर्माण कार्य का शिलान्यास पूर्व मंत्री सह चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं नारियल फोड़कर किया।

इस अवसर पर विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत आधारभूत संरचना का विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह पुलिया एवं गार्डवाल निर्माण कार्य वर्षों से क्षेत्रवासियों की महत्वपूर्ण आवश्यकता थी। इसके निर्माण से बरसात के दिनों में आवागमन की कठिनाइयाँ दूर होंगी तथा मामररकुदर, हरिलागोड़ा एवं आसपास के गांवों के हजारों लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। रजक ने कहा, ₹जनता ने जिस विश्वास के साथ मुझे अपना प्रतिनिधि चुना है, उस विश्वास पर खरा उतरना मेरा कर्तव्य है। चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक विकास की किरण पहुँचाना मेरा संकल्प है। सड़क, पुल, सिंचाई, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार निरंतर किया जा रहा है। विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी और जनता की हर जायज मांग को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।₹

उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं संवेदक को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए, ताकि आमजन को इसका लाभ शीघ्र मिल सके।

शिलान्यास कार्यक्रम में जालू महतो, बाबूलाल महतो, अरुण सिंह देव, शंकर सिंह देव,प्राण महतो, मनोज महतो, प्रकाश शर्मा, दामोदर महतो, संपद महतो,दिनेश महतो,प्रकाश ओझा,माणिक चंद्र गोराई,रमेश महतो,गणेश दास,विकाश दास,आमीन महतो सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, ग्रामीण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विधायक श्री उमाकांत रजक का स्वागत करते हुए क्षेत्र में कराए जा रहे विकास कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

आकलन एवं मूल्यांकन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत

समावेशी शिक्षा के अनुरूप मूल्यांकन प्रक्रिया का करें चयन : राखी बनर्जी

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में शुक्रवार, 26 जून से सीबीएसई द्वारा आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) की शुरूआत हुई। विद्यालय में शिक्षण की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ₹आकलन एवं मूल्यांकन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाना₹ विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें रिसोर्स पर्सन के रूप में श्रीमती राखी बनर्जी और श्री अनिल मोदी शामिल हुए। कार्यशाला में विद्यालय के सचिव श्री महेश त्रिपाठी, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य श्री नरमेंन्द्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे।

कार्यशाला की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद विद्यालय प्राचार्य श्री सूरज शर्मा ने सभी प्रतिभागी शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि इस प्रशिक्षण से शिक्षण एवं मूल्यांकन की गुणवत्ता में और अधिक सुधार होगा तथा विद्यार्थियों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही उन्होंने दोनों मुख्य रिसोर्स पर्सन का कार्यशाला में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर परिणाम के लिए बेहतर मूल्यांकन और उसपर विश्लेषण भी जरूरी है।

कार्यशाला को आगे बढ़ाते हुए दोनों रिसोर्स पर्सन ने शिक्षकों को नई मूल्यांकन पद्धतियों, दक्षता-आधारित शिक्षा, सतत एवं समग्र मूल्यांकन, प्रश्नपत्र निर्माण, विद्यार्थियों को रचनात्मक फीडबैक देने तथा सीखने के परिणामों का प्रभावी विश्लेषण करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, कार्यशाला को इंटरएक्टिव बनाते हुए उन्होंने कई गतिविधियां भी संचालित की। शिक्षकों ने भी इस दौरान बहुत कुछ नया सिखा। रिसोर्स पर्सन ने कहा कि मूल्यांकन का उद्देश्य केवल अंक देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता, कौशल और कमजोरियों की पहचान कर उन्हें बेहतर मार्गदर्शन देना है।

द्वितीय एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट 18 से

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारतीय तीरंदाजी संघ (एए आई) ने द्वितीय एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट की राष्ट्रीय मेजबानी इस बार बोकारो जिला तीरंदाजी संघ को सौंपी है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 18 से 27 अगस्त 2026 तक मोहन कुमार मंगलम खेल स्टेडियम, बोकारो में आयोजित होगी। एएआई के आधिकारिक आदेश के बाद झारखंड तीरंदाजी संघ की देखरेख में आयोजित होने वाले इस आयोजन में देश भर के शीर्ष तीरंदाज, राष्ट्रीय कोच, ओलंपियन और एएआई के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी भाग लेंगे। आयोजकों के अनुमान के अनुसार लगभग 700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय तीरंदाजों तथा तकनीकी पदाधिकारियों की उपस्थिति रहेगी, जिससे बोकारो की खेल विरासत और प्रतिष्ठा में अतिरिक्त इजाफा होगा। बोकारो जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष डॉ. लंबोदर महतो ने कहा कि यह जिले के लिए गर्व और सौभाग्य की बात है कि इतने बड़े राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता का मंच बोकारो को मिला है। उन्होंने बताया कि तैयारी और आयोजन रूपरेखा पर चर्चा के लिए 26 जून 2026 को बोकारो सर्किट हाउस में बैठक की गई। बैठक के बाद संघ के पदाधिकारियों ने आयोजन स्थल मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम का निरीक्षण कर वहीं की विधि-व्यवस्था, सुरक्षा एवं आवश्यक संसाधनों का जायजा लिया। संगठन की सचिव एंजेला सिंह ने कहा कि इस टूर्नामेंट में सब-जूनियर, जूनियर, ओलिंपिक पदक विजेता तथा सीनियर वर्ग के खिलाड़ी एक साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए दर्शकों को तीरंदाजी का भव्य मेला दिखाएंगे। उनका मानना है कि इस प्रकार के आयोजन से बोकारो में खेलों का नया माहौल बनेगा और यहां से राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी उभरकर देश व दुनिया में अपनी प्रतिभा साबित करेंगे। मौके पर बोकारो जिला तीरंदाजी संघ के कोषाध्यक्ष व राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रशिक्षक करण कुमार कर्मकार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय सिंह व शेखर शरदेंदु, उपाध्यक्ष लोकेश दे के अलावा चंडी चटर्जी, राजीव पोद्दार, प्रकाश कुमार पापे, अमित कुमार सिंह, अनिता देवी, बुद्धेश्वर मुर्मू, चीकू लाला, गोविंद पात्रा, दीपक सवैया, हरिचरण सिरका, रामविनोद सिंह, वंकिम चंद्र सिंह, वंकिम चंद्र हेंब्रम सहित कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा है कि टूर्नामेंट की सफलता के लिए व्यापक तैयारियाँ जारी हैं और जल्द ही प्रतियोगिता के कार्यक्रम, भागीदारी सूची तथा अन्य आवश्यक जानकारी सार्वजनिक कर दी जाएगी।

डीपीएस चास, बोकारो के छात्र अनमोल ने राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में लहराया परचम

बिभा संवाददाता

चास/बोकारो। शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए डीपीएस चास, बोकारो के कक्षा-दसवीं के छात्र अनमोल कुमार ने राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और जिले का नाम गौरवान्वित किया है। अनमोल ने 15 से 20 जून तक झारखंड के के.के पॉलिटेक्निक कॉलेज ग्राउंड धनबाद में आयोजित 26वीं यूथ झारखंड राज्य बास्केटबॉल प्रतियोगिता में बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों की मजबूत टीमों ने हिस्सा लिया, जहां खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। पूरे टूनार्मेंट के दौरान अनमोल और उनकी टीम ने उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन तथा दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। टीम ने दुमका, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, जमशेदपुर और अन्य मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ मुकाबला किया। कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच टीम ने पांच में से तीन मैच जीतकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। अनमोल के बेहतरीन प्रदर्शन ने न केवल टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया, बल्कि विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना। उनकी मेहनत, समर्पण और खेल के प्रति जुनून ने यह साबित कर दिया कि निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास से बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय की निदेशिका / प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने अनमोल और उनकी टीम के सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियाँ विद्यालय के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अनमोल भविष्य में भी खेल जगत में नई ऊंचाइयों को छूते हुए विद्यालय, जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, अभिभावकों एवं सहपाठियों ने भी अनमोल की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और उनके उज्ज्वल खेल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

बीएसएल की मोबाइल मेडिकल यूनिट ने सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बीएसएल के सीएसआर के तहत संचालित बोकारो इस्पात संजीवनी - मोबाइल मेडिकल यूनिट टाउनशिप के आस-पास के सीमावर्ती गांवों में ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध करा रही है। इस पहल के तहत, चिकित्सकों और पैरामेडिक्स की टीम से लैस मोबाइल मेडिकल यूनिट हर महीने लगभग 45 सीमावर्ती गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को मुफ्त प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रही है।

इस क्रम में टांड बालीडीह में 43 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, झोपड़ो एवं नरकरा में क्रमशः 29 एवं 06 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ तथा कुण्डौरी एवं महेशपुर गांवों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में कुल 46 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। इसी प्रकार शिबूटांड़ एवं मोहनपुर गांवों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में क्रमशः 24 एवं 16 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और परसाडीह एवं कनारी गांवों में क्रमशः 35 एवं 10 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई।

शिविरों के दौरान मरीजों की ईसीजी सहित विभिन्न पैथोलॉजिकल परीक्षण किए गए। इसके अलावा आवश्यकता अनुसार मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाएं उपलब्ध कराई गई तथा टीबी से प्रभावित मरीजों को एंटी-टीबी किट वितरित की गई।

जनसेवा ही मेरा संकल्प है, हर नागरिक की समस्या का समाधान हमारा दायित्व है : मनीष

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जनसरोकारों को प्राथमिकता देते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल शुक्रवार को हजारीबाग शहर स्थित अपने सांसद सेवा कार्यालय में पूरे दिन जनता के बीच मौजूद रहे। सुबह से लेकर देर शाम तक उन्होंने लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे सैकड़ों लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान की दिशा में त्वरित पहल की। जनसुनवाई के दौरान सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेंशन, राजस्व सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं लोगों ने सांसद के समक्ष रखीं। कई मामलों का समाधान तत्काल कराया गया, जबकि अन्य मामलों में सांसद ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से दूरभाष पर संपर्क कर आवश्यक निर्देश दिए तथा शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। सांसद सेवा कार्यालय में पूरे दिन लोगों का तांता लगा रहा। सांसद ने बिना किसी औपचारिकता के एक-एक फरियादी की बात गंभीरता से सुनी और हर समस्या के समाधान के लिए सकारात्मक पहल की। जनसुनवाई के दौरान आए लोगों ने भी अपनी बात सीधे सांसद तक पहुंचने और त्वरित पहल किए जाने पर संतोष व्यक्त किया। इस मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ मुझे अपना प्रतिनिधि चुना है, उस विश्वास पर खरा उतरना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लोकसभा क्षेत्र का कोई भी नागरिक अपनी समस्या को लेकर निराश न लौटे, यही मेरा प्रयास रहता है। जनसेवा केवल दायित्व नहीं, बल्कि मेरा संकल्प है। संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर हर समस्या के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। देर शाम तक सांसद सेवा कार्यालय में जनसुनवाई का सिलसिला जारी रहा और सांसद लगातार लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल करते रहे।

मोहर्रम की दसवीं पर उमड़ा आस्था का सैलाब, छड़वा मैदान में लाखों मुस्लिम श्रद्धालुओं की भीड़

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : मोहर्रम की दसवीं के अवसर पर हजारीबाग के ऐतिहासिक छड़वा मैदान में आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही विभिन्न क्षेत्रों से 22 गांव का ताजिया और अखाड़ा जुलूस मैदान पहुंचने लगे, जिससे पूरा क्षेत्र श्रद्धालुओं और दर्शकों से खचाखच भर गया। अनुमान के अनुसार मेले में लाखों लोगों की भीड़ उमड़ी।अखाड़ा समितियों द्वारा पारंपरिक युद्धकला, लाठी, तलवार एवं अन्य हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। युवाओं के जोश और बुजुर्गों की सहभागिता ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया। महिलाओं और बच्चों ने भी मेले का भरपूर आनंद लिया।मेले में विभिन्न प्रकार की दुकानों, झूलों और खान-पान के स्टॉलों पर दिनभर लोगों की भीड़ लगी रही। सामाजिक संगठनों की ओर से जगह-जगह लंगर, शर्बत और पेयजल की व्यवस्था की गई, जहां हजारों लोगों ने प्रसाद और जलपान ग्रहण किया।

मोहर्रम के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही मौके पर हजारीबाग उपायुक्त एसपी के साथ सभी आला अधिकारी मौजूद रहे पूरे मेला क्षेत्र और जुलूस मार्ग पर पुलिस बल, दंडाधिकारी तथा सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मोहर्रम का यह ऐतिहासिक मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द का भी संदेश देता नजर आया। देर शाम तक लोगों की भारी भीड़ मैदान में बनी रही।

संक्षिप्त खबरें

जीतो लेडीज विंग का उड़ान ट्रेड फेयर 11-12 जुलाई को

हजारीबाग(बिभा) : महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑगेर्नाइजेशन (जीतो) हजारीबाग लेडीज विंग द्वारा उड़ान लाइफ स्टाइल एग्जीबिशन 4.0 का आयोजन किया जा रहा है। यह दो दिवसीय आयोजन 11 एवं 12 जुलाई को रिबन एंड बेल्स हजारीबाग में सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक होगा। इस ट्रेड फेयर में महिला उद्यमियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों, लाइफ स्टाइल आइटम्स, फैशन, घरेलू उपयोग की सामग्री और आकर्षक ब्रांड्स के स्टॉल लगाए जाएंगे। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को अपने हुनर और व्यवसाय को प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराना है।जीतो हजारीबाग लेडीज विंग की चेयरपर्सन अंतिमा जैन ने कहा कि उड़ान महिलाओं के सपनों को नई दिशा देने की पहल है। इसके माध्यम से महिला उद्यमियों को ग्राहकों से जुड़ने, बाजार की नई संभावनाओं को समझने और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा।उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में लोगों को खरीदारी के साथ-साथ नए उत्पादों और रचनात्मक कार्यों को देखने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम की सफलता को लेकर जीतो लेडीज विंग की चीफ सेक्रेटरी रजनी जैन, कन्वेनर उड़ान प्रीति (लिम्का) जैन सहित पूरी टीम तैयारी में जुटी हुई है।आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महिला उद्यमियों का उत्साह बढ़ाएं और इस विशेष आयोजन का हिस्सा बनें।

डीडीसी ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

धनबाद (बिभा): उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना और मरीजों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं में मौजूद कमियों की पहचान करना था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने काम में तेजी लाने तथा कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने आपातकालीन सेवाओं, ओपीडी, पेयजल, स्वच्छता और बिजली की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि अस्पताल आने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। दवाओं की उपलब्धता और डॉक्टरों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल को जिले का सबसे सुलभ और आधुनिक चिकित्सा केंद्र बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। वर्तमान में जारी इंफ्रास्ट्रक्चर के काम को समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा। मौके पर सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

जैक ने प्रमाण पत्रों में त्रुटि सुधार की तिथि को बढाकर किया 30 सितंबर

रांची(बिभा)। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए मैट्रिक, इंटरमीडिएट और अन्य बोर्ड प्रमाणपत्रों में त्रुटि सुधार के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दी है। परिषद के इस फैसले से उन हजारों छात्रों को लाभ मिलेगा, जो निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन नहीं कर पाए थे। यह जानकारी शुक्रवार को जैक की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी गई। जैक के अनुसार, छात्र अपने प्रमाणपत्रों में नाम, माता-पिता के नाम, जन्मतिथि, फोटो सहित अन्य स्वीकृत विवरणों में सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए संबंधित विद्यालय या कॉलेज के माध्यम से आवेदन जमा करना होगा। जैक ने स्पष्ट किया है कि आवेदन के साथ सभी आवश्यक प्रमाण-पत्र और दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। अधूरे आवेदन या गलत दस्तावेजों के साथ भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसलिए विद्यार्थी आवेदन करने से पहले सभी अभिलेखों की अच्छी तरह जांच कर लें। बोर्ड का यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि प्रमाणपत्रों में छोटी-सी त्रुटि भी भविष्य में उच्च शिक्षा में नामांकन, प्रतियोगी परीक्षाओं, सरकारी और निजी नौकरियों, छात्रवृत्ति, पासपोर्ट और अन्य आधिकारिक प्रक्रियाओं के दौरान परेशानी का कारण बन सकती है। जैक ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि जिनके प्रमाणपत्रों में किसी भी प्रकार की गलती है, वे 30 सितंबर 2026 की अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द आवेदन की प्रक्रिया पूरी करें। इससे भविष्य में किसी भी शैक्षणिक या प्रशासनिक कठिनाई से बचा जा सकेगा। इस संबंध में जैक के अध्यक्ष नटवा हांसदा ने कहा कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए प्रमाणपत्रों में त्रुटि सुधार के लिए आवेदन की समय-सीमा 30 सितंबर 2026 तक बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि जिन छात्रों के प्रमाणपत्रों में किसी भी प्रकार की गलती है, वे सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर आवेदन कर इसका लाभ उठाएं।

जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : प्रदीप प्रसाद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने विधायक जन सेवा कार्यालय में क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी इलाकों से आए नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग सड़क, बिजली, पेयजल, राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य जनसुविधाओं से संबंधित समस्याओं को लेकर कार्यालय पहुंचे।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने प्रत्येक मामले का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों से दूरभाष एवं अन्य माध्यमों से संपर्क कर समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि आमजन से जुड़े मामलों का समयबद्ध एवं संवेदनशीलता के साथ निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि जनता की सेवा ही उनके सार्वजनिक जीवन का मूल उद्देश्य है। जनप्रतिनिधि होने के नाते क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान कर उन्हें न्याय एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आमजन का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है और इसी विश्वास को बनाए रखते हुए वे निरंतर क्षेत्र के विकास, सुशासन एवं जनकल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विधायक जन सेवा कार्यालय आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव खुला है तथा प्रत्येक व्यक्ति की बात पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनी जाएगी। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास एवं जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनका संकल्प है।

विधायक ने कहा कि जनसेवा ही हमारा संकल्प है, और जनता की हर समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बाइक से टक्कर में युवक की मौत, आरोपित फरार

बिभा संवाददाता

धनबाद। धनबाद के गोविंदपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को गोविंदपुर-साहिबगंज रोड पर स्थित अपना नर्सिंग होम के समीप तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान पथुरिया निवासी रियाज अंसारी के पुत्र शाहबाज अंसारी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि शाहबाज ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद टक्कर मारने वाला बाइक चालक अपनी बाइक लेकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि हादसे की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। हालांकि फुटेज साफ नहीं होने के कारण अब तक आरोपित बाइक चालक की पहचान नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार बाइक सवार की तलाश में जुट गई है और मामले की जांच की जा रही है।

आनंद साईं दरबार का 16वां स्थापना दिवस समारोह भव्य भंडारे के साथ संपन्न

बिभा संवाददाता

रामगढ़: राधा कृष्ण कॉलोनी स्थित आनंद साईं दरबार का 16वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार को भव्य भंडारे के साथ संपन्न हो गया। भंडारे मे जिला के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और साईं बाबा का आशीर्वाद लेने के उपरांत प्रसाद ग्रहण किया।

आनंद साईं दरबार के 16वें स्थापना दिवस समारोह के तीसरे दिन भंडारे से पूर्व मंदिर परिसर में पूजन और आरती का आयोजन किया गया। जिसमें पुजारी राजेश कुमार पांडे की देखरेख में यजमान अनूप कुमार सिन्हा, रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू एवं अजीत जायसवाल ने विधि पूर्वक साई बाबा की पूजा अर्चना कर जिले के खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की।

आनंद साईं दरबार के 16वें स्थापना दिवस के तीसरे दिन आयोजित भंडारे का थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे, अरूण कुमार सिन्हा, रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू एवं बलजी ने विधिवत रूप से नारियल फोड़कर और फीता काटकर उदघाटन किया। मौके पर थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने कहा कि साईं बाबा भक्त वत्सल हैं जो श्रद्धालुओं की सभी मनोकामनाएं शीघ्र पूर्ण करते हैं। जबकि अरूण कुमार सिन्हा ने कहा कि यह साईं बाबा की कृपा है जिसके कारण यहां आनंद साईं दरबार के स्थापना दिवस समारोह में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं।

भंडारे में खोगेंद्र साव, डॉ जितेंद्र प्रसाद, मोहनलाल साव, विरेंद्र यादव, गोविंद मेवाड़, विजय मेवाड़, मंदिर समिति के अध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा, कृति गौरव, धर्मेंद्र साव भोपाली, अरूण कुमार महतो, अजीत जायसवाल, किशोर महतो, राजेश साव, संजय साव, अशोक कुमार महतो, मनोज मंडल, रंजन फौजी, राजेश साव, नवनीत कुमार, धर्मेन्द्र पटेल, रवि साह, सुमित कुमार सहित हजारों की संख्या में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

राज्य में महागठबंधन अटूट, 2029 तक करेंगे जनता की सेवा : सुप्रियो

बिभा संवाददाता

देवघर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने शुक्रवार को बाबा बैद्यनाथ धाम में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्य के विभिन्न राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड में महागठबंधन पूरी तरह अटूट है और वर्ष 2029 तक जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार विकास और जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। राज्य में प्रस्तावित परिसीमन को लेकर उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केंद्र सरकार के अधीन है, लेकिन राज्य सरकार इस पर पूरी निगरानी रखे हुए है।

उन्होंने कहा कि परिसीमन क्षेत्रीय आधार पर होना चाहिए, न कि जातीय आधार पर। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में उन्होंने कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल के अनुभवों से सबक लेते हुए झारखंड में पूरी सतर्कता बरती जा रही है। पार्टी कार्यकताओं को निर्देश दिया गया है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो।

उन्होंने कहा कि पार्टी पूरे अभियान पर पैनी नजर बनाए हुए है और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसका मजबूती से सामना किया जाएगा। परिसीमन के मुद्दे पर उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक रणनीति के तहत आदिवासी, मूलवासी, दलित और अल्पसंख्यक समुदायों को विभाजित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन झामुमो ऐसा नहीं होने देगा। इस अवसर पर देवघर जिला झामुमो के वरिष्ठ नेता सुरेश शाह सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने बाबा बैद्यनाथ धाम में किया दर्शन-पूजन

देवघर। बाबा बैद्यनाथ मंदिर में केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह(ललन सिंह) ने मत्था टेककर पूजा-अर्चना की। मंदिर प्रांगण में उनके तीर्थ पुरोहित ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से संकल्प कराकर भगवान शिव की विशेष पूजा संपन्न कराई। वहीं केंद्रीय मंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दर्शन-पूजन के बाद ललन सिंह ने भगवान बाबा बैद्यनाथ से बिहार की सुख-समृद्धि, देश की उन्नति और विश्व शांति एवं मानव कल्याण की कामना की। उनके आगमन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और प्रशासनिक अधिकारियों की भी मौजूदगी रही।

मोहर्रम पर्व को लेकर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने शहर का भ्रमण कर विधि-व्यवस्था का लिया जायजा

बिभा संवाददाता

पलामू : मोहर्रम पर्व के अवसर पर जिले में विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने हेतु जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत एवं पुलिस अधीक्षक श्री कपील चौधरी ने शुक्रवार को मेदिनीनगर शहर का भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान दोनों पदाधिकारी शहर थाना परिसर पहुंचे, जहां मोहर्रम इंतजामिया कमेटी एवं रामनवमी समिति के सदस्यों द्वारा उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर दोनों पदाधिकारियों ने समिति के प्रतिनिधियों से बातचीत कर अबतक शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया तथा आगे भी सामाजिक समरसता बनाए रखने की अपील की।

इसके पश्चात उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने शहर के विभिन्न चौक-चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों का भ्रमण कर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने तैनात दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए पूरी सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करने को कहा।

भ्रमण के दौरान दोनों पदाधिकारियों ने जिला नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) पहुंचकर पूरे जिले में संचालित मोहर्रम जुलूसों एवं अन्य गतिविधियों की मॉनिटरिंग भी की। नियंत्रण कक्ष से विभिन्न क्षेत्रों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में मोहर्रम पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी नागरिकों से आपसी भाईचारा, सामाजिक सद्भाव एवं शांति बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।

नियमावली बनाने की मांग पर एआईजीडब्ल्यूयू ने जताई चिंता

बिभा संवाददाता

रांची। ऑल इंडिया गिग वर्कर्स यूनियन (एआईजीडब्ल्यूयू) की राज्य समिति ने गिग वर्कर्स अधिनियम की नियमावली बनाने में हो रही देरी पर चिंता जताई है। यूनियन ने शुक्रवार को रांची में आयोजित बैठक में कहा कि झारखंड गिग वर्कर्स कल्याण बोर्ड की 25 जून को हुई बैठक में नियमावली तैयार करने के बजाय अधिनियम में संशोधन पर चर्चा की गई, जो चिंताजनक है। यूनियन के महासचिव प्रतीक मिश्रा ने कहा कि झारखंड प्लेटफॉर्म आधारित गिग वर्कर्स (पंजीकरण एवं कल्याण) अधिनियम पारित होने के काफी समय बाद भी इसकी नियमावली नहीं बनाई गई है। इसके कारण अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं हो पा रहे हैं और गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिक अपने अधिकारों से वंचित हैं। यूनियन ने कहा कि यदि केंद्र सरकार के श्रम संहिताओं के कारण कुछ कानूनी संशोधन आवश्यक हों तो उस पर विचार किया जा सकता है, लेकिन श्रमिक हितों से जुड़े प्रावधानों को कमजोर करने का किसी भी स्तर पर विरोध किया जाएगा। न्यूनतम कमाई सुनिश्चित करने और शिकायत निवारण तंत्र जैसे प्रावधानों को समाप्त करने का प्रयास स्वीकार नहीं होगा। एआईजीडब्ल्यूयू ने यह भी कहा कि राज्य में लेबर कोड के नियम बनाने के दौरान ट्रेड यूनियनों से पर्याप्त परामर्श नहीं किया गया है। यूनियन ने राज्य सरकार से गिग वर्कर्स अधिनियम की नियमावली शीघ्र बनाकर उसे तत्काल प्रभाव से लागू करने की मांग की है।

बड़ा मिशन लेकर सेशेल्स जा रहे हैं मोदी, हिंद महासागर में भारत का मास्टरस्ट्रोक देखेगी दुनिया

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 27 से 29 जून तक होने वाली सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक सक्रियता और वैश्विक भूमिका को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल मानी जा रही है। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती में मुख्य अतिथि के रूप में मोदी की भागीदारी यह संकेत देती है कि भारत अब हिंद महासागर में अपने मित्र देशों के साथ सुरक्षा, विकास और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसी कारण अमेरिका, चीन और यूरोपीय शक्तियां भी इस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे समय में भारत का सेशेल्स के साथ संबंध मजबूत करना हिंद महासागर में शक्ति संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण भारत द्वारा सेशेल्स तटरक्षक बल को एक तीव्र गश्ती पोत सौंपना है। इससे पहले भारत दो डोर्नियर विमान, कई गश्ती नौकाएं तथा तटीय निगरानी राडार प्रणाली भी सेशेल्स को प्रदान कर चुका है। भारतीय रक्षा कर्मियों की तैनाती और संयुक्त सैन्य अभ्यासों ने दोनों देशों के रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई दी है। समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने में सेशेल्स भारत पर भरोसा करता है। यही कारण है कि यह यात्रा हिंद महासागर में सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही है।

हम आपको बता दें कि भारत की महासागर दृष्टि के अंतर्गत सेशेल्स को विशेष स्थान प्राप्त है। भारत अब केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में एक भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार की भूमिका निभा रहा है। सेशेल्स का कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन में पूर्ण सदस्य बनने का संकेत भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इस समूह में भारत, मालदीव, मॉरीशस और श्रीलंका पहले से शामिल हैं। यदि सेशेल्स भी पूर्ण सदस्य बनता है, तो हिंद महासागर में भारत के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना और मजबूत होगी।

हम आपको बता दें कि मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हरमिनी के बीच होने वाली वार्ता में रक्षा सहयोग के साथ ऊर्जा, स्वास्थ्य, डिजिटल शासन, समुद्री निगरानी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। फरवरी 2026 में भारत ने सेशेल्स के लिए 175 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें ऋण सहायता और अनुदान दोनों शामिल हैं। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, सौर ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और आधारभूत ढांचे से जुड़ी अनेक परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। यह दशार्ता है कि भारत केवल सामरिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकास साझेदारी के माध्यम से भी अपने मित्र देशों के साथ दीर्घकालिक संबंध बना रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत और सेशेल्स के संबंध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत गहरे हैं। वर्ष 1770 में भारतीयों का पहला समूह वहां पहुंचा था। आज लगभग 15 हजार भारतीय मूल के लोग वहां रहते हैं, जो कुल जनसंख्या का बड़ा हिस्सा हैं। गुजराती और तमिल समुदाय व्यापार, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मोदी का भारतीय समुदाय से संवाद दोनों देशों के सामाजिक संबंधों को और मजबूत करेगा।

यह यात्रा वैश्विक राजनीति के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपने प्रभाव का तेजी से विस्तार किया है। चीन की समुद्री परियोजनाएं, बंदरगाह निवेश और सामरिक उपस्थिति भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। ऐसे में सेशेल्स जैसे देशों के साथ भारत का गहरा सहयोग यह स्पष्ट संदेश देता है कि हिंद महासागर में भारत अपनी पारंपरिक भूमिका को और सशक्त बना रहा है। भारत की नीति अब केवल ह्लपड़ोसी प्रथमह्व तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह ह्लग्लोबल साउथह्व के नेतृत्वकर्ता के रूप में भी उभरना चाहता है। सेशेल्स यात्रा इसी व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा है।

इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की राष्ट्रीय सभा के विशेष अधिवेशन को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। यह दोनों देशों के राजनीतिक विश्वास और घनिष्ठता का प्रतीक माना जा रहा है। भारतीय नौसेना के युद्धपोतों और रक्षा दल की भागीदारी भी यह दिखाती है कि दोनों देशों के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर में भारत की बढ़ती सामरिक शक्ति, समुद्री सुरक्षा नीति और वैश्विक प्रभाव का महत्वपूर्ण संकेत है। यह यात्रा भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना के केंद्र में स्थापित करने के साथ-साथ चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच संतुलन बनाने में भी सहायक होगी। विकास सहायता, रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक संबंध और समुद्री साझेदारी के माध्यम से भारत यह संदेश दे रहा है कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और साझा समृद्धि का सबसे भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है।

संपादकीय

भरोसे के रिश्ते का कत्ल

आम भारतीय की स्मृति से एक साल पहले मेघालय में इंदौर की सोनम रघुवंशी द्वारा अपने हनीमून के दौरान पति राजा रघुवंशी की हत्या की घटना अभी मिटी नहीं है। सोनम ने पहाड़ी से अपने पति को धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया था। साजिश में उसका प्रेमी राज सिंह भी शामिल था। अब ऐसा ही मामला पुणे में सामने आया है जब सिया गोयल नामक युवती ने अपने मंगेतर केतन अग्रवाल को लौहगढ़ स्थित ऊंची पहाड़ी से धक्का देकर मौत की नींद सुला दिया। दोनों धनाढ्य परिवारों से थे। इस साल की शुरूआत में सगाई हुई थी और इसी साल के अंत में उनकी शादी होने जा रही थी। हत्या की दोनों ही घटनाओं में प्रेम का दूसरा कोण मौजूद रहा। पहली घटना में खलनायक प्रेमी राज सिंह तो दूसरी घटना में चेतन चौधरी। दोनों ही घटनाओं में पति व मंगेतर को कांटा मानकर जीवन से हटाना और प्रेमी के दिखाए सब्जबाग संग जीने की उत्कट चाह थी। लेकिन ये कोई सामान्य दुर्घटनाएं नहीं हैं, एक सुनियोजित साजिश हैं,भरोसे के रिश्तों के कत्ल की। भारतीय समाज में ये घटनाएं अस्वाभाविक हैं और परिवार संस्था में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति को उद्वेलित करती हैं। यह समाज विज्ञानियों के लिये मंथन का विषय है कि कोई स्त्री कैसे अपने पति या होने वाली पति की हत्या करने की सोच बना लेती है? सोच बनाती ही नहीं है बल्कि उसे साजिश रचकर अंजाम भी देती है। यहां सवाल उठता है कि यदि सोनम व सिया परिवार द्वारा तय किए गए रिश्ते में नहीं बंधना चाहती तो ना कहने का साहस तो कर ही सकती थीं? निश्चय ही हत्या करने से ना कहना ज्यादा आसान है। धनाढ्य परिवार के केतन की तो अभी सगाई ही हुई थी, जिसे टाला भी जा सकता था। सिया के न चाहने पर परिवार के लोग केतन को खोने के बजाय रिश्ते को मन मारकर तोड़ देते। निश्चय ही केतन व राजा रघुवंशी की सुनियोजित हत्याएं हमें परेशान करती हैं। भले ही ये घटनाएं इक्का-दुक्का हों, लेकिन समाज के विश्वास को गहरे तक खंडित करती हैं। कोई सोच भी नहीं सकता कि किसी मधुर रिश्ते का ऐसा खौफनाक अंत हो सकता है। जिस सिया के साथ सुनहरे जीवन के सपने केतन ने देखे होंगे, उस पर तब क्या बीती होगी, जब उसने सिया को उसे पहाड़ी से धक्का देते हुए देखा होगा? उसके मां-बाप पर क्या बीत रही होगी, जिन्होंने उसकी शादी के लिये शाही तैयारियां शुरू कर दी थीं। हमारे समाज में वैवाहिक रिश्तों में पैदा होने वाली हिंसा, टकराव, अलगाव और कोर्ट-कचहरी का ट्रेंड गंभीर स्थिति की ओर इशारा करता है। सवाल यह है कि नौ महीने कोख में रखने वाली मां और खून-पसीने से लालन-पालन करने वाले पिता के सोचे-विचारे फैसलों को नई पीढ़ी द्वारा क्यों खारिज किया जा रहा है?

चिंतन-मनन

प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ। बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था। महात्मा बुद्ध के शिष्य यह देख रहे थे। बुद्ध ने उन्हें सलाह दी, कभी उस रूप में बदला न लो जिस रूप में सलूक आपके साथ हुआ हो। घृणा कभी घृणा से खत्म नहीं होती। कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है जो हमें बुरा-भला कहते हैं। उनके स्तर पर उतरने की जगह हमें उनके उपहारों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। तब उनका प्रोध उनके साथ ही रहेगा। जब हम घटना स्थल से हट जाएंगे तो वे अपने आपको, अपने प्रोध के साथ अकेला पाएंगे। वे चकित होंगे कि उनके प्रोध के बावजूद हम प्रेममय बने रहे। वे हमें आदर देने के लिए हमारे पास आ सकते हैं। जैसे दिन गुजरे और हमारा सामना ऐसे लोगों से हो जो हमारे प्रति प्रोध और आलोचना से भरे हों तो हम उनके वचनों को शांति से सुनें। हमें यह देखना चाहिए कि उनके वचनों में क्या कोई सच्चाई है। अगर ऐसा है तो हम उनके वचनों से कुछ सीखें और अपने आपको सुधारें। अगर उनके वचनों में कुछ भी सत्य नहीं है, तब हम उनके प्रोध के उपहार को स्वीकार न करें। हम उनके स्तर पर न उतर आएं। हम उनके प्रतिकूल वातावरण में शांति डालें। हमें प्रोध के उपहार को उनके पास छोड़ देना चाहिए और अपने शांत, खुशहाल रास्ते पर चल देना चाहिए।

ब्रह्मांड की व्यवस्था में ईश्वर का अस्तित्व

लेखक

डॉ मयंक मुरारी

मानव सभ्यता के आरम्भ से ही यह प्रश्न विचारकों, दार्शनिकों और धमार्चार्यों के सामने उपस्थित रहा है कि इस विशाल ब्रह्मांड का मूल कारण क्या है? क्या यह संसार केवल संयोग का परिणाम है, अथवा इसके पीछे कोई बुद्धिमान सत्ता कार्यरत है? जब मनुष्य प्रकृति की अद्भुत व्यवस्था, ग्रहों-नक्षत्रों की नियमित गति, जीव-जगत की जटिल संरचना तथा जीवन के सूक्ष्म संतुलन को देखता है, तब उसके मन में स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि क्या यह सब बिना किसी उद्देश्य और योजना के संभव है?यह तर्क मानता है कि संसार में व्याप्त व्यवस्था, सामंजस्य और उद्देश्य किसी बुद्धिमान रचयिता की ओर संकेत करते हैं। वह सर्वोच्च बुद्धि ही ईश्वर है।

रचना का तर्क इस सरल अवलोकन से प्रारम्भ होता है कि संसार में अराजकता नहीं, बल्कि व्यवस्था दिखाई देती है। सूर्य प्रतिदिन निश्चित समय पर उदित और अस्त होता है। पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है तथा सूर्य की परिक्रमा करती है। ऋतुओं का चक्र नियमित रूप से चलता है। बीज से वृक्ष बनता है और वृक्ष पुनः बीज उत्पन्न करता है। मानव शरीर के विभिन्न अंग आश्चर्यजनक समन्वय के साथ कार्य करते हैं। इन सभी घटनाओं में एक प्रकार का क्रम, नियम और उद्देश्य दिखाई देता है। यदि किसी वस्तु में व्यवस्था दिखाई देती है, तो सामान्यतः हम उसके पीछे किसी बुद्धिमान नियोजक की कल्पना करते हैं। यही रचना के तर्क का मूल आधार है।

प्रकृति का प्रत्येक क्षेत्र व्यवस्था का उदाहरण प्रस्तुत करता है। खगोल विज्ञान हमें बताता है कि ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएँ हैं, फिर भी वे निश्चित नियमों के अनुसार संचालित होती हैं। यदि गुरुत्वाकर्षण का नियम थोड़ा भी भिन्न होता, तो ग्रह अपनी कक्षाओं में स्थिर नहीं रह पाते। जीव विज्ञान में भी यही स्थिति है। मानव शरीर की एक कोशिका में उपस्थित डीएनए इतना जटिल है कि उसमें संपूर्ण शरीर की संरचना का खाका सुरक्षित रहता है। हृदय, मस्तिष्क, फेफड़े, तंत्रिकाएँ और रक्त संचार प्रणाली एक-दूसरे के साथ अद्भुत सामंजस्य में कार्य करते हैं।

यह व्यवस्था केवल बाह्य जगत में ही नहीं, बल्कि सूक्ष्म जगत में भी दिखाई देती है। परमाणुओं के भीतर इलेक्ट्रॉन निश्चित नियमों का पालन करते हैं। प्राकृतिक नियमों की यह सार्वभौमिकता इस विचार को बल देती है कि संसार केवल आकस्मिक घटनाओं का समूह नहीं है। रचना के तर्क को समझाने के लिए प्रसिद्ध दार्शनिक विलियम पैली ने घड़ी का उदाहरण दिया। यदि कोई व्यक्ति जंगल में चलते हुए एक पत्थर पाए, तो वह उसे प्राकृतिक वस्तु मान सकता है। लेकिन यदि उसे एक घड़ी मिले, जिसमें अनेक पुर्जे अत्यंत सूक्ष्मता से जुड़े हों और जो समय बताती हो,

तो वह तुरंत निष्कर्ष निकालेगा कि इसे किसी घड़ीसाज ने बनाया है। यदि एक छोटी-सी घड़ी का अस्तित्व किसी निमार्ता की ओर संकेत करता है, तो यह विशाल और अत्यंत जटिल ब्रह्मांड कितनी अधिक शक्ति और बुद्धि वाले रचयिता की ओर संकेत करेगा। संसार स्वयं एक महान घड़ी की भाँति है और उसका निमार्ता ईश्वर है।

यूनानी दार्शनिक अरस्तू ने संसार को केवल पदार्थों का समूह नहीं माना, बल्कि उसे उद्देश्यपूर्ण व्यवस्था के रूप में देखा। उसके अनुसार प्रत्येक वस्तु किसी न किसी लक्ष्य की ओर अग्रसर होती है। बीज का लक्ष्य वृक्ष बनना है, बालक का लक्ष्य परिपक्व मनुष्य बनना है। अरस्तू ने इस उद्देश्यपरकता को ब्रह्मांड की मूल विशेषता माना। उसके विचार में एक ह्लअचल प्रेरकह्व है, जो समस्त गति और विकास का अंतिम कारण है। बाद में ईसाई और इस्लामी दार्शनिकों ने इसी विचार को ईश्वर की अवधारणा से जोड़ा। एक्विनास के अनुसार संसार की अनेक वस्तुएँ बुद्धिहीन होते हुए भी किसी निश्चित लक्ष्य की ओर कार्य करती हैं। पौधे, पशु, प्राकृतिक शक्तियाँ और भौतिक नियम अपने-अपने उद्देश्य की पूर्ति करते हैं। चूँकि इनमें स्वयं बुद्धि नहीं होती, इसलिए इन्हें किसी उच्च बुद्धि द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए। जिस प्रकार तीर स्वयं लक्ष्य तक नहीं पहुँच सकता, बल्कि उसे धनुर्धर द्वारा लक्ष्य की ओर निर्देशित किया जाता है, उसी प्रकार संसार की व्यवस्था भी किसी सर्वोच्च बुद्धि की ओर संकेत करती है। यही सर्वोच्च बुद्धि ईश्वर है।

भारतीय दार्शनिक परंपरा में भी संसार की व्यवस्था को ईश्वर के अस्तित्व का प्रमाण माना गया है। न्याय दर्शन के आचार्यों ने तर्क दिया कि जिस प्रकार मिट्टी से बने घड़े का कोई कुम्हार होता है, उसी प्रकार इस सुव्यवस्थित संसार का भी कोई निमार्ता होना चाहिए। न्याय दर्शन संसार को कार्य मानता है और प्रत्येक कार्य का कोई कारण होता है। इसलिए यह जगत भी किसी बुद्धिमान कारण का परिणाम है। उस कारण को ईश्वर कहा गया है। वेदांत में भी ब्रह्म को समस्त सृष्टि का आधार माना गया है। उपनिषदों में कहा गया है कि जिस सत्ता से यह जगत उत्पन्न होता है, जिसमें स्थित रहता है और जिसमें अंततः विलीन हो जाता है, वही ब्रह्म है।

आधुनिक विज्ञान के विकास के बाद कुछ लोगों ने यह मान लिया कि अब ईश्वर की आवश्यकता नहीं रही। किन्तु विज्ञान के अनेक निष्कर्ष रचना के तर्क को नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। भौतिकी के अनुसार ब्रह्मांड के मूलभूत स्थिरांक अत्यंत सूक्ष्म संतुलन में हैं। यदि इनमें थोड़ा भी परिवर्तन होता, तो जीवन का अस्तित्व असंभव हो जाता। इसे ह्लफाइन-ट्यूनिंगह्व कहा जाता है। उदाहरण के लिए, गुरुत्वाकर्षण बल, विद्युत-चुंबकीय बल और परमाणु बलों का अनुपात ऐसा है कि तारे, ग्रह और जीवन संभव हो सके। यह सूक्ष्म संतुलन अनेक विचारकों को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि इसके पीछे कोई उद्देश्यपूर्ण योजना हो सकती है।

दार्शनिक डेविड ह्यूम ने कहा कि संसार और मानव निर्मित वस्तुओं की तुलना पूर्णतः उचित नहीं है। घड़ी और ब्रह्मांड में बहुत अंतर है, इसलिए घड़ी के आधार पर ब्रह्मांड के निमार्ता का निष्कर्ष निकालना आवश्यक नहीं। चार्ल्स डार्विन के विकासवाद ने भी जीव-जगत की जटिलता को प्राकृतिक चयन के माध्यम से समझाने का प्रयास किया। इसके अनुसार जीवन की अनेक जटिल संरचनाएँ क्रमिक विकास का परिणाम हैं, न कि सीधे किसी योजना का।फिर भी रचना के तर्क के समर्थक यह कहते हैं कि विकासवाद स्वयं प्राकृतिक नियमों पर आधारित है, और प्रश्न यह है कि वे नियम कहाँ से आए। इसलिए यह बहस आज भी जारी है। रचना का तर्क केवल ईश्वर के अस्तित्व का प्रमाण प्रस्तुत करने का प्रयास नहीं है। इसका गहरा दार्शनिक महत्त्व है। यह मनुष्य को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या जीवन और ब्रह्मांड का कोई उद्देश्य है। यदि संसार के पीछे कोई बुद्धिमान योजना है, तो मानव जीवन भी अर्थपूर्ण है। तब नैतिकता, सौंदर्य, सत्य और धर्म केवल मानवीय कल्पनाएँ नहीं रह जाते, बल्कि वे ब्रह्मांडीय व्यवस्था के अंग बन जाते हैं। रचना का तर्क मनुष्य को यह अनुभव कराता है कि वह किसी अराजक और निरर्थक जगत में नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित और उद्देश्यपूर्ण सृष्टि में निवास कर रहा है।

रचना का तर्क मानव बुद्धि के सबसे प्राचीन और प्रभावशाली तर्कों में से एक है। यह संसार में विद्यमान व्यवस्था, सामंजस्य और उद्देश्य को देखकर इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि इनके पीछे कोई सर्वोच्च बुद्धि अवश्य है। ग्रहों की गति से लेकर मानव शरीर की संरचना तक, प्रकृति का प्रत्येक पक्ष एक अद्भुत नियोजन का आभास कराता है। यद्यपि इस तर्क की आलोचनाएँ भी की गई हैं, फिर भी यह आज तक दर्शन और धर्मशास्त्र की चचार्ओं का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। अंततः रचना का तर्क हमें यह विचार करने के लिए प्रेरित करता है कि यह ब्रह्मांड केवल पदार्थों का संयोग नहीं, बल्कि किसी महान चेतना और दिव्य बुद्धि की अभिव्यक्ति हो सकता है। उस सर्वोच्च चेतना को विभिन्न परंपराएँ ईश्वर, ब्रह्म, परमात्मा या परम सत्य के नाम से संबोधित करती हैं।

आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में नागरिकता को लेकर एक बार फिर राष्ट्रीय बहस तेज हो गई है। विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि पासपोर्ट अपने-आप में नागरिकता का अंतिम और निर्णायक प्रमाण नहीं है, विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए हैं, जबकि सरकार का कहना है कि नागरिकता का निर्धारण केवल किसी एक दस्तावेज से नहीं, बल्कि कानून और उपलब्ध साक्ष्यों के समग्र परीक्षण के आधार पर होता है। यह विवाद केवल कानूनी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिकों के भरोसे से भी जुड़ा है। आम नागरिक का सबसे बड़ा सवाल यही है–यदि आधार, वोटर आईडी, पैन कार्ड और यहां तक कि पासपोर्ट भी अंतिम प्रमाण नहीं हैं, तो आखिर भारतीय नागरिकता सिद्ध कैसे होगी? लोकतंत्र में सबसे बड़ी शक्ति नागरिक का विश्वास होता है। यदि नागरिक को अपने ही अधिकारों के प्रमाण को लेकर असमंजस रहे, तो यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती। इसलिए समय की मांग है कि नागरिकता प्रमाणन की प्रक्रिया स्पष्ट, सर्वसुलभ और विवाद-मुक्त बनाई जाए, ताकि किसी भी भारतीय को अपनी नागरिकता साबित करने के प्रश्न पर अनिश्चितता का सामना न करना पड़े।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि पहचान और नागरिकता एक जैसी नहीं हैं। आधार कार्ड आपकी पहचान और निवास का प्रमाण है। वोटर आईडी मतदान के अधिकार का प्रमाण है। पैन कार्ड आयकर संबंधी पहचान है। ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने की अनुमति देता है। पासपोर्ट विदेश यात्रा और अंतरराष्ट्रीय पहचान का दस्तावेज है। लेकिन इनमें से कोई भी दस्तावेज अकेले नागरिकता का अंतिम कानूनी प्रमाण नहीं माना जाता।

आखिर नागरिकता कैसे तय होती है? भारत में नागरिकता का आधार नागरिकता अधिनियम, 1955 है। इस कानून के अनुसार नागरिकता प्राप्त करने के प्रमुख आधार हैं¬जन्म के आधार पर, वंश के आधार पर, पंजीकरण द्वारा, प्राकृतिककरण द्वारा, किसी क्षेत्र के भारत में विलय के आधार पर। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता पर प्रश्न उठता है तो संबंधित प्राधिकारी उपलब्ध दस्तावेजों, जन्म संबंधी अभिलेखों, माता-पिता की नागरिकता, सरकारी रिकॉर्ड तथा अन्य कानूनी साक्ष्यों का समग्र मूल्यांकन करता है। कोई एक दस्तावेज हर परिस्थिति में निर्णायक नहीं होता।

हाल के वर्षों में जन्म प्रमाण पत्र को सबसे महत्वपूर्ण आधार दस्तावेजों में माना जाने लगा है, क्योंकि इससे जन्म तिथि और जन्म स्थान दोनों का रिकॉर्ड उपलब्ध होता है। लेकिन जिन लोगों का जन्म दशकों पहले हुआ और जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं है, उनके लिए स्कूल प्रमाणपत्र, भूमि अभिलेख, पारिवारिक रिकॉर्ड, सरकारी सेवा अभिलेख तथा अन्य आधिकारिक दस्तावेज भी परिस्थितियों के अनुसार महत्वपूर्ण साक्ष्य बन सकते हैं।

विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद विपक्ष ने प्रश्न उठाया कि यदि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो आम नागरिक किस दस्तावेज पर भरोसा करे। दूसरी ओर सत्तापक्ष का तर्क है कि दुनिया के अनेक देशों में भी पासपोर्ट नागरिकता निर्धारण का एकमात्र कानूनी आधार नहीं होता और विवाद की स्थिति में मूल नागरिकता रिकॉर्ड ही निर्णायक होते हैं। यह बहस संसद से लेकर राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों तक फैल चुकी है।

इस पूरे विवाद की सबसे बड़ी वजह यह है कि भारत में आज तक ऐसा कोई एकल राष्ट्रीय नागरिकता प्रमाण-पत्र नहीं है जिसे हर स्थिति में अंतिम माना जाए। परिणामस्वरूप लोग आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड और पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों को ही नागरिकता का प्रमाण समझ लेते हैं, जबकि कानून की दृष्टि से इनकी भूमिका अलग-अलग है।

लोकतंत्र में केवल कानून होना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसका स्पष्ट और सरल संप्रेषण भी आवश्यक है। यदि नागरिकों में यह भ्रम बना रहे कि कौन-सा दस्तावेज वैध है और कौन-सा नहीं, तो इससे अनावश्यक भय और अफवाहें फैल सकती हैं।

सरकार को चाहिए कि नागरिकता प्रमाणन संबंधी एक स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करे, जिसमें बताया जाए कि विभिन्न परिस्थितियों में कौन-कौन से दस्तावेज स्वीकार्य होंगे। इससे प्रशासनिक विवाद भी कम होंगे और नागरिकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

हर नागरिक को अपने जन्म, शिक्षा, परिवार और संपत्ति से जुड़े मूल सरकारी दस्तावेज सुरक्षित रखने चाहिए। दस्तावेजों का डिजिटलीकरण और समय-समय पर उनका अद्यतन कराना भी आवश्यक है। भविष्य में किसी भी कानूनी प्रक्रिया के दौरान यही रिकॉर्ड सबसे अधिक उपयोगी साबित हो सकते हैं।

नागरिकता केवल एक कानूनी स्थिति नहीं, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और कर्तव्यों का आधार है। इसलिए इस विषय पर राजनीति से अधिक स्पष्टता और पारदर्शिता की आवश्यकता है। नागरिकों को भ्रमित करने के बजाय सरकार को एक सरल, एकीकृत और पारदर्शी नागरिकता प्रमाणन व्यवस्था विकसित करनी चाहिए।

अब केंद्र सरकार को सोचना चाहिए कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन-सा दस्तावेज वैध है जिसे नागरिक प्रस्तुत कर अपनी नागरिकता सिद्ध कर सके। इस सबका एक ही निराकरण है कि केंद्र सरकार को सर्वप्रथम एक पत्रकार वार्ता आयोजित कर इस नागरिकता पर स्पष्टता करनी चाहिए। ताकि देश में इसको लेकर किसी के मन में भ्रम न हो।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

उद्यम से सशक्तिकरण तकः एमएसएमई की कहानी

बदलती अर्थव्यवस्था में विकास का इंजन

बिहान भारत

शिल्प-कर्मियों और ग्रामीण उद्यमों से लेकर नवोन्मेषी निर्माणकताओं तक, एमएसएमई भारत की विकास कहानी को आगे बढ़ाते रहे हैं। अपने सतत सुधारों, डिजिटलीकरण और लक्षित समर्थन के माध्यम से, लाखों उद्यमों को वित्त, प्रौद्योगिकी, कौशल और बाजारों तक बेहतर पहुँच मिल रही है। रोजगार, विनिर्माण और निर्यात में इस क्षेत्र का बढ़ता योगदान इसकी बढ़ती महत्ता को रेखांकित करता है। जैसे-जैसे भारत विकासित भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, यह क्षेत्र रोजगार, उद्यमिता और सतत आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भारत के एमएसएमई : समावेशी आर्थिक विकास का बल

संयुक्त राष्ट्र ने 27 जून को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) दिवस नियत किया है। यह आयोजन एमएसएमई के उन महत्वपूर्ण योगदानों के प्रति जागरूकता बढ़ाता है जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को हासिल करने में सहायक हैं।

आर्थिक विकास के प्रमुख प्रचालक के रूप में, एमएसएमई लचीली और समावेशी अर्थव्यवस्थाएँ बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, एमएसएमई दिवस 2026 का विषय है – नवाचार और सतत औद्योगिक विकास के माध्यम से एमएसएमई का सशक्तिकरण।

भारत के हर कोने में उद्यम विभिन्न रूप लेते हैं। यह एक बुनकर हो सकता है जो पीढ़ियों पुरानी कारीगरी को बचा रहा है, एक छोटा निमार्ता जो वैश्विक बाजारों को सेवा दे रहा है, एक महिला उद्यमी जो अपना व्यवसाय बना रही है, या एक युवा नवप्रवर्तनकारी जो स्टार्टअप खड़ा कर रहा है। आकार और क्षेत्र में विविध होते हुए भी, ये करोड़ों उद्यम भारत की एमएसएमई पारिस्थितिकी का आधार हैं।

आज एमएसएमई केवल व्यापार उद्यम नहीं रहे। वे रोजगार, नवाचार और समावेशी विकास के इंजन हैं, जो ग्रामीणऔर शहरी दोनों क्षेत्रों में अवसर पैदा कर रहे हैं। औपचारिकीकरण, डिजिटल परिवर्तन और सतत नीतिगत हस्तक्षेपों से संचालित, यह क्षेत्र लगातार विस्तारित हो रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत और विकासित भारत 2047 के विजन को सशक्त करते हुए अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। उद्यम से सशक्तिकरण तक, एमएसएमई की कहानी तेजी से भारत की विकास यात्रा और रूपांतरण की कहानी बनती जा रही है।

भारत ने ब्रिक्स के माध्यम से वैश्विक एमएसएमई सहयोग मजबूत किया

जून 2026 में, भारत ने अपनी ब्रिक्स चैयरशिप के तहत प्रथम ब्रिक्स एमएसएमई फोरम और तीसरी एसएमइ वर्किंग ग्रुप की बैठक आयोजित की। एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र का निमार्णः वैश्विक मार्गों के लिए सतत जड़ें विषय के तहत सदस्य देशों ने एमएसएमई विकास के लिए सर्वोत्तम प्रथाएँ और नीतिगत पहल साझा कीं। चचाएँ एमएसएमई के लिए वित्त तक पहुँच, प्रौद्योगिकी अपनाने और सतत विकास को बेहतर बनाने पर केन्द्रित रहीं।

भारत का एमएसएमई परिदृश्यः पैमाना, विविधता और प्रभाव

एमएसएमई आज भारत की आर्थिक वृद्धि और औद्योगिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अर्थव्यवस्था में उनके विस्तारित रोल को दशार्ते हुए, सरकार ने 1 अप्रैल, 2025 से एमएसएमई की परिभाषा संशोधित की। निवेश और वार्षिक टर्नओवर पर आधारित नई परिभाषा उद्यमों को वृद्धि के लिए अधिक जगह देती है, जबकि इसके लिए नीतिगत समर्थन जारी रहता है।

क्या आप जानते हैं?

क्रेडिट असेसमेंट मॉडल (सीएएम) एक डिजिटल लोन एप्रेजल प्रणाली है जो सत्यापित डेटा का उपयोग करके एमएसएमई ऋण आवेदनों का तेज और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन सक्षम बनाती है।

1 अप्रैल से 31 दिसंबर, 2025 के बीच, पब्लिक सेक्टर बैंकों ने एक नए डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट सिस्टम का उपयोग करते हुए 3.96 लाख से अधिक एमएसएमई ऋण आवेदनों को अनुमोदित किया। इन अनुमोदनियों का कुल मूल्य ?52,300 करोड़ से अधिक रहा।

जनवरी 2026 के आंकड़ों के अनुसार, यह क्षेत्र लगभग 31.1% जीडीपी, 35.4% विनिर्माण उत्पादन और 48.58% निर्यात में योगदान देता है। 38.9 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देते हुए, एमएसएमई कृषि के बाद रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत हैं।

आर्थिक संकेतकों से परे, एमएसएमई देशभर में एक जीवंत उद्यमी संस्कृति का पोषण कर रहे हैं। यह क्षेत्र पहले पीढ़ी के उद्यमियों, महिला-प्रमुख उद्यमों और युवा-नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए प्रवेश द्वार बनकर उभरा है, खासकर अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में। इस परिवर्तन को सक्षम सुधारों की एक श्रृंखला द्वारा सुदृढ़ किया जा रहा है। डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल और रक्र्इकको बढ़ाया गया इक्विटी समर्थन जैसी पहलों से उनके औपचारिक वित्त तक पहुंच में विस्तार हो रहा है।

परिवर्तन के एक साल

वित्तीय वर्ष 2025-26 भारत के एमएसएमई विकास की कहानी में एक महत्वपूर्ण अध्याय रहा। इस दौरान औपचारिकीकरण, क्रेडिट पहुंच, प्रौद्योगिकी अपनाने, शिकायत निवारण और बाजार विकास के क्षेत्रों में कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हुईं, जिन्होंने एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

औपचारिकीकरण ने नई ऊँचाइयाँ छुईं

उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल और उद्यम सहायता प्लेटफॉर्म के अंतर्गत जून 2026 तक 8.7 करोड़ से अधिक पंजीकरण हो गए।

औपचारिक उद्यम आधार के विस्तार ने लाखों सूक्ष्म और छोटे व्यवसायों के लिए संस्थागत वित्त, सरकारी योजनाएँ और बाजार अवसरों तक पहुँच में सुधार किया।

सामान्य औपचारिक उद्यमों का आधार लाखों छोटे और लघु उद्यमियों के लिए संस्थागत वित्त की समुचित पहुंच होने, सरकारी योजनाओं के फायदे, बाजार के अवसर से काफी बेहतर हुआ है

क्रेडिट तक पहुंच का विस्तार (सीजीटीएमएसई) क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइज ने अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाई।

1 जनवरी से 30 नवम्बर, 2025 की अवधि में 29.03 लाख गारंटी अनुमोदित की गईं, जिनकी राशि ?3.77 लाख करोड़ थी।

क्रेडिट उपलब्धता सुधारने हेतु गारंटी कवरेज सीमा को ?5 करोड़ से बढ़ाकर ?10 करोड़ कर दिया गया, जिससे एमएसएमई को बड़े बिना जमानत के समर्थन का लाभ मिला।

खादी व ग्रामोद्योग व कोयर क्षेत्र ने नई ऊँचाइयाँ छुईं

खादी व ग्रामोद्योग की बिक्री वर्ष भर में 1.27 लाख करोड़ को पार कर गई। इस सतत वृद्धि से स्थानीय उत्पादों की बढ़ती मांग और ग्रामीण उद्यमों की बढ़ती भूमिका का संकेत मिलता है। कोयर क्षेत्र ने भी मजबूत निर्यात वृद्धि और प्रौद्योगिकी अपनाने का अनुभव किया। 2025-26 में कोयर निर्यात 6614.40 करोड़ हुए।

जिम्मेवार और प्रौद्योगिकी-संचालित शासन

एमएसएमई समाधान पोर्टल ने माइक्रो और छोटे उद्यमों को होने वाले विलंबित भुगतान संबंधी विवादों का निवारण करना जारी रखा। जून 2026 तक पोर्टल पर 2,56,892 आवेदन प्राप्त हुए जिनका दावा ?55,244.29 करोड़ का था। इनमें से 58,148 मामलों का एमएसई फैसिलिटेशन काउंसिल द्वारा सफलतापूर्वक निपटान किया गया।

चैंपियन पोर्टल ने उद्यमों के लिए शिकायत निवारण को मजबूत किया। 2025-26 में इसे 39,494 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 39,387 का समाधान किया गया, यानी 99.72% निपटान दर।

सरकार ने ऑनलाइन डिस्प्यूट रिजोल्यूशन (ODR) पोर्टल भी लॉन्च किया। इसका उद्देश्य लघु उद्यमियों के लिए विलंबित भुगतान की घटनाओं को कम करना और प्रौद्योगिकी-समर्थित ओ डी आर तंत्र तक पहुँच बढ़ाना है।

बाजार पहुँच में सुधार

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की उद्यमों और सरकारी संस्थाओं द्वारा किये गए खरीद को एमएसएमई संबंध पोर्टल के माध्यम से मॉनिटर किया जाता है। जून 2026 तक, 118 केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों ने ऋ 2026-27 के दौरान 31,443.32 करोड़ के सामान और सेवाएँ खरीदीं। इसमें से 54.51% खरीद लघु उद्यमियों से हुई, जिससे देशभर के 29,769 से अधिक उद्यमों को लाभ हुआ।

एमएसएमई, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग हब (एनएसएसएच), और क्वॉयर पवेलियन ने 44वें भारत व्यापार प्राधिकरण मेला (आईआईटीएफ) 2025 में वाइब्रेंट एमएसएमई, विकसित भारतश् थीम का प्रदर्शन किया। उनके प्रयासों को भारत सशक्तिकरण श्रेणी में सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया।

कुल 292 स्टॉल एमएसएमई और विश्वकर्मा को 29 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से आवंटित किए गए। इनमें से 67% से अधिक स्टॉल महिलाओं के लिए, 34% से अधिक अनुसूचित जाति और जनजाति उद्यमियों के लिए, और 15 स्टॉल दिव्यांग उद्यमियों को दिए गए।

कुल मिलाकर ये उपलब्धियाँ एक अधिक प्रतिस्पर्धी, नवोन्मेषी और भविष्य-तयारी वाले एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के निरंतर प्रयत्नों को दशार्ती हैं।

उद्यमी को नीतियों और पहल से सशक्त बनाना

भारत की एमएसएमई सफलता की कहानी के केंद्र में मजबूत नीतिगत समर्थन और संस्थागत हस्तक्षेप का एक पारिस्थितिकी तंत्र है। उद्यमिता और उद्यम विकास पर केंद्रित पहलों के माध्यम से सरकार लाखों व्यवसायों को नए अवसर खोलने और आर्थिक वृद्धि में योगदान देने में सक्षम बना रही है।

पीएम विश्वकर्मा

पीएम विश्वकर्मा 18 पारंपरिक ट्रेडों में लगे कारीगरों और शिल्पकारों को अंत-देखि-अंत समर्थन प्रदान करता है। यह योजना कौशल प्रशिक्षण, उपकरण सहायता, डिजिटल लेनदेन और विपणन सहायता के जरिए कारीगरों के सशक्तिकरण के लिए एक बड़ा उत्प्रेरक बनकर उभरी है। चार वर्षों में लक्षित 30 लाख लाभार्थी पंजीकरण का लक्ष्य मात्र दो वर्षों में ही पूरा कर लिया गया।

योजना के बहुआयामी परिवर्तनकारी प्रभावः

कौशल उन्नयनः 24 लाख से अधिक लाभार्थियों ने बेसिक कौशल प्रशिक्षण पूरा किया।

क्रेडिट समर्थनः (?5,133 करोड़) से अधिक की राशि 5.98 लाख से अधिक लाभार्थियों को बिना जमानत के ऋण के रूप में स्वीकृत की गई।

डिजिटल प्रोत्साहनः 7.91 लाख से अधिक लाभार्थियों को डिजिटल रूप से सक्षम किया गया।

पीएम विश्वकर्मा : नागालैंड के कारीगरों का रूपांतरण

श्रीमती विली, जुनहेबोटो, नागालैंड की एक टोकरी बनाने वाली कारीगर, ने पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से अपनी पारंपरिक कला को सुदृढ़ किया। उन्होंने कच्चे माल खरीदने और अपने उद्यम का विस्तार करने के लिए 1 लाख का बिना जमानत ऋण लिया। परिणामस्वरूप उनकी मासिक आय लगभग 40% बढ़कर करीब 15,000 हो गई। उनकी यात्रा दशार्ती है कि पीएम विश्वकर्मा पारंपरिक हस्तशिल्पों को संरक्षित करते हुए कारीगरों के कौशल, व्यवसाय और जीवनयापन को कैसे सशक्त बना रहा है।

(नवाचार, ग्रामीण उद्योग और उद्यमिता के संवर्धन के लिए एक योजना) एस्पायर

एस्पायर योजना ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल विकास, इनक्यूबेशन और सूक्ष्म-उद्यमों के समर्थन के माध्यम से उद्यमिता और आजीविका सृजन को बढ़ावा देती है। जून 2026 तक 109 अनुमोदित आजीविका व्यवसाय इनक्यूबेटरस (LBIs) के साथ, यह योजना ग्रामीण उद्यमिता और समावेशी विकास को सुदृढ़ कर रही हैः

1.23+ लाख लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया,

32,085 लाभार्थियों को उपयुक्त रोजगार मिला, और,

1,000 से अधिक सूक्ष्म-उद्यम स्थापित किए गए।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी)

.यह प्रमुख क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी योजना गैर-कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म-उद्यमों की स्थापना द्वारा स्वरोजगार को बढ़ावा देती है। योजना के तहत बैंकों से ऋण लेने वाले लाभार्थियों को मार्जिन मनी (सब्सिडी) प्रदान की जाती है।

जून 2025 से, आवेदन प्रक्रियाएँ अंग्रेजी और हिंदी के अतिरिक्त 19 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराई गईं। आरंभ से अब तक (मई 2026 तक), योजना ने समर्थन किया हैः 10.84 लाख से अधिक सूक्ष्म-उद्यमों का 29,623 करोड़ मार्जिन मनी सब्सिडी, और 97 लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार सृजन।

एमएसएमई चैंपियन स्कीम

एमएसएमई चैंपियन योजना उद्यमों को अधिक नवोन्मेषी, टिकाऊ और वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनने में मदद करती है। यह एमएसएमई को उत्पादकता सुधारने, वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने और घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी स्थिति मजबूत करने में सक्षम बनाती है।

योजना का प्रभाव इसके तीन स्तंभों में परिलक्षित हैः

एमएएसएम पहलः इसमें इंक्यूबेशन , बौद्धिक संपदा कानून, डिजाइन –इन तीन घटकों के तहत कार्य होते हैं। इंक्यूबेशन घटक के तहत 833 आयोजक संस्थाओं को नए विचारों और स्टार्टअप्स को पोषित करने के लिए अनुमोदित किया गया है। डिजाइन घटक के तहत 21 समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये गए और 69 पेशेवर डिजाइन/स्टूडेंट्स प्रोजेक्ट्स को अनुमोदन मिला। आईपीआर घटक के तहत भी बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (IPFCs) द्वारा 191 पेटेंट, 807 ट्रेडमार्क, 99 डिजाइन और 6 GI पंजीकरण स्वीकृत किए गए।

एमएएसएम सस्टेनेबल जेड (ZED): जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट (ZED) एक प्रमाणन फ्रेमवर्क है जो न्यूनतम पारिस्थितिक प्रभाव के साथ गुणवत्ता वाले विनिर्माण को बढ़ावा देता है। मई 2026 तक 93.61 लाख से अधिक एमएसएमई पंजीकृत हुए और 6.68 लाख से अधिक उद्यम सफलतापूर्वक प्रमाणित किए गए।

एमएसएमई कॉम्पिटिटिव लीन (एलईएएन): लीन मैन्युफैक्चरिंग योजना वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त लीन प्रथाओं को अपनाने को बढ़ावा देती है ताकि परिचालन कुशलता बढ़े और अपव्यय कम हो। मई 2026 तक 65,647 से अधिक एमएसएमई पंजीकृत हुए और लगभग 18,961 उद्यमों को प्रमाणित किया गया।

आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड

कई एमएसएमई के पास वृद्धि की क्षमता होने के बावजूद, इक्विटी पूँजी तक पहुँच अक्सर चुनौतीपूर्ण रहती है।

आत्मनिर्भर भारत (एसआरआई) फंड पैकेज के तहत लॉन्च किया गया एसआरआई फड एक फंड ऑफ फंड (एफओएफ) पहल है जो आशाजनक एमएसएमई को इक्विटी समर्थन प्रदान करने के उद्देश्य से है। यह उन्हें फंडिंग बाधाओं को पार करने, संचालन का विस्तार करने और आगे के निवेश आकर्षित करने में मदद कर रहा है। बजट 2026झ27 में आत्म निर्भर भारत कोष को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त ?2,000 करोड़ आवंटित किए गए। इससे सूक्ष्म और छोटे उद्यमों के लिए जोखिम पूँजी की निरंतर पहुँच सुनिश्चित होती है। उल्लेखनीय रूप से, एसआरआई फंड ने 761 एमएसएमई में (मई 2026) तक कुल ?2,851 करोड़ के निवेश के द्वारा मदद की है ।

उत्तर पूर्वी क्षेत्र और सिक्किम में एमएसएमई का प्रोत्साहन

उत्तर पूर्व और सिक्किम में एमएसएमई के प्रचार के लिए योजना ने उत्तर-पूर्व में एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दिसंबर 2025 तक विनिर्माण, परीक्षण, पैकेजिंग, कौशल और नवोन्मेषण अवसंरचना बढ़ाने के लिए 73 परियोजनाएँ अनुमोदित की गईं। 2025 में असम और मेघालय में आठ नई बुनियादी ढांचा परियोजनाएँ मंजूर हुईं। इन परियोजनाओं की कुल लागत ?114.3 करोड़ है, ?89.6जिसमें सरकार की सहायता ? करोड़ है। ये निवेश औद्योगिक स्थानों और पर्यटन अवसंरचना में उद्यम-आधारित वृद्धि के लिए मजबूत आधार बनाने में मदद कर रहे हैं।

राष्ट्रीय एससी एसटी (एनएसएसएच) हब

13.NSSH अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के उद्यमियों को बाजारों तक पहुँचने, क्षमताएँ बनाने और सार्वजनिक खरीद में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने में मदद कर रहा है।

योजना का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिख रहा हैः

(जनवरी से अक्टूबर, 2025)

19,000 + एसटी/एससी उद्यमियों का समर्थन

111 विशेष वेंडर विकास कार्यक्रम और ओडिशा व बिहार में 3 प्रमुख सम्मेलनों का आयोजन,

SC/ST-स्वामित्व वाली MSEs से सार्वजनिक खरीद 2015-16 के लगभग 99 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 3,731 करोड़ से अधिक हुई,

2025-26 में 230 उम्मीदवारों को हॉस्पिटैलिटी कौशल में प्रशिक्षित किया गया,

SC/ST-स्वामित्व वाली MSEs ने दिसंबर 2025 तक कुल सार्वजनिक खरीद का 1.93% हिस्सा दर्ज किया।

रिगटेक इन्फ्रा का उदयः नवाचार, समर्थन और वृद्धि की कहानी

राष्ट्रीय एससी एसटी हब के समर्थन से रांची स्थित रिगटेक इन्फ्रा Rigtech Infra (OPC) Pvt. Ltd. ने 2023 में अपनी उत्पादन क्षमता उन्नत करने हेतु 25 लाख की सब्सिडी प्राप्त की। इस निवेश ने उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ाने में मदद की, जिससे 2025 में कंपनी ने रेल विकास निगम लिमिटेड से 15.75 लाख के सरकारी टेंडर जीते। आज कंपनी का वार्षिक कारोबार 4-5 करोड़ है और यह 16 रोजगारों का समर्थन करती है।

माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइज क्लस्टर विकास कार्यक्रम

यह योजना साझा सुविधाओं (Common Facility Centres) की स्थापना और औद्योगिक इलाकों व क्लस्टरों में अवसंरचना उन्नयन के लिए सरकारी अनुदान प्रदान करके MSEs की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने का लक्ष्य रखती है।

क्लस्टर-आधारित विकास में योजना ने महत्वपूर्ण प्रगति दी हैः

औद्योगिक क्लस्टरों का सुदृढ़ीकरणः जून 2026 तक योजना ने 612 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जो एमएसएमई के लिए उत्पादकता, प्रौद्योगिकी पहुँच और अवसंरचना बढ़ाने के लक्ष्य रखती हैं।

साझा अवसंरचना का निर्माणः अनुमोदित परियोजनाओं में से 364 परियोजनाएँ पूर्ण हो चुकी हैं, जिससे उद्यमों को CFCs और औद्योगिक इलाकों तक पहुँच मिली है।

2025-26 में निरंतर विस्तारः 20 नवम्बर 2025 तक 2025-26 के दौरान 11 परियोजनाएँ कुल लागत 253.23 करोड़ के साथ अनुमोदित

परंपरागत उद्योगों के पुनरुत्थान हेतु धन कोष योजना (एसएफयूआरटीआई)

भारत की पारंपरिक उद्योगों में गहन सांस्कृतिक और आर्थिक मूल्य हैं। फिर भी कारीगरों को आधुनिक उपकरणों तक सीमित पहुँच, कमजोर बाजार लिंक और आय वृद्धि व स्केलेबिलिटी की चुनौतियाँ हैं।

SFURTI इन संरचनात्मक खामियों का उत्तर देते हुए कारीगरों को बेहतर प्रतिस्पर्धात्मकता, उत्पाद विकास और सतत आय सृजन के लिए क्लस्टरों में संगठित करता है।

समय के साथ यह योजना राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत उपस्थिति बनाने में सफल रही हैः देशभर में 513 क्लस्टरों को मंजूरी मिली है, जिससे 3.03 लाख पारंपरिक कारीगर लाभान्वित हुए हैं। जून 2026 तक 376 क्लस्टर कार्यरत हैं। केवल 2023-24 में 18 नए क्लस्टर चालू हुए, जिनके कारण 11 राज्यों में 11,810 कारीगरों को लाभ मिला।

एमएसएमई प्रदर्शन को बढ़ाने और तेजी लाने की योजना (आरएएमपी)

विश्व बैंक के समर्थन से RAMP योजना का उद्देश्य एमएसएमई की बाजार, वित्त और प्रौद्योगिकी तक पहुँच में सुधार करना है। यह योजना सुधारों, संस्थागत क्षमता निर्माण और केन्द्र-राज्य सहयोग के माध्यम से एमएसएमई पारिस्थितिकी को मजबूत कर रही हैः

राज्य-स्तरीय सुधारों को बढ़ावाः 36 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों द्वारा प्रस्तुत Systematic Investment Plans (SIPs) का मूल्यांकन किया गया, जिसके आधार पर 3,211.75 करोड़ मूल्य की 398 प्रस्तावों को मंजूरी मिली।

एमएसएमई पहुँच का विस्तारः जून 2026 तक, इस योजना के तहत उठाए गए उपायों का प्रभाव 55 लाख से अधिक एमएसएमई पर पड़ा है।

कार्यान्वयन में प्रगतिः सरकारी क्लेम के संदर्भ में लक्ष्य का 50% पूरा किया गया है, जो डिलिवरेबल्स के पूर्ण होने पर आधारित है।

तकनीकी केंद्र

टेक्नोलॉजी सेंटर्स कौशल विकास, प्रौद्योगिकी समर्थन और नवाचार के हब के रूप में कार्य करते हैं। टूल रूम , तकनीकी केंद्र, और विस्तार केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से वे उद्योग-तैयार प्रतिभा को पोषित करते हैं। उद्देश्य है उभरती उद्योग आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यबल का अपस्किल और रिस्किल करना।

18 तकनीकी केंद्र विभिन्न विनिर्माण और प्रौद्योगिकी-गहन क्षेत्रों में एमएसएमई का समर्थन कर रहे हैं।

19 इस पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने के लिए तकनीकी केंद्र और विस्तार केंद्र (ळउएउ) योजना के तहत 20 नए ळ्रीूल्लङ्क’ङ्कॅ८ डील्ल३ी१२ और 100 विस्तार केंद्र विकसित किए जा रहे हैं।

20 नवम्बर 2025 तक 25 विस्तार केंद्र परिचालित हैं, जिन्होंने 53,963 युवाओं को प्रशिक्षण दिया और 1,357 एमएसएमई को समर्थन प्रदान किया।

21 विश्व बैंक समर्थित तकनीकी केंद्र सिस्टम प्रोग्राम (ळउरढ) के तहत नौ नए केंद्र भी स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों ने जनवरीझ्रनवम्बर 2025 में 59,357 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया और 1,520 एमएसएमई को सहायता दी।

22 प्रौद्योगिकी, कौशल और उद्योग समर्थन को मिलाकर, तकनीकी केंद्र नेटवर्क एमएसएमई को नवाचार, आधुनिकीकरण और प्रतियोगिता में सक्षम बना रहा है।

भविष्य को आकार देना

एमएसएमई क्षेत्र की प्रगति एक बड़े राष्ट्रीय परिवर्तन को दशार्ती है। वित्त, प्रौद्योगिकी, कौशल, अवसंरचना और बाजारों तक पहुँच का विस्तार उद्यमों को अधिक उत्पादक, प्रतिस्पर्धी और लचीला बना रहा है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र विकसित होगा, रोजगार, नवाचार और आर्थिक वृद्धि में इसका बढ़ता योगदान भारत की विकास यात्रा को और भी मजबूत करेगा। यह एक अधिक समावेशी, आत्मनिर्भर और विकासशील भारत के आधार भी तय करेगा।

वाराणसी से स्पाइसजेट की सभी उड़ानें बंद : महंगे एटीएफ से परिचालन ठप

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी हवाई अड्डे से स्पाइसजेट की सभी नियमित उड़ानें अनिश्चितकाल के लिए बंद हो गई हैं। एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की लगातार बढ़ती कीमतों और परिचालन लागत में वृद्धि के कारण एयरलाइन ने फैसला लिया है। मुंबई जाने वाली स्पाइसजेट की अंतिम उड़ान के रवाना होने के साथ ही बनारस से कंपनी की सेवाएं समाप्त हुई। कंपनी ने पहले 25 जून को अंतिम उड़ान संचालित करने की घोषणा की थी। स्पाइसजेट, जो अब तक वाराणसी से करीब 14-15 उड़ानें संचालित कर रही थी, ने अपने सभी विमानों को दिल्ली और मुंबई के हैंगर पर लगा दिया है। महंगी हवाई यात्रा के कारण यात्रियों की संख्या में भी गिरावट देखी जा रही है, जिसने फैसले में भी भूमिका निभाई। इससे पहले स्पाइसजेट दिल्ली, मुंबई और पुणे जैसे कई प्रमुख शहरों के लिए सेवाएं दे रही थी। फिलहाल वाराणसी हवाई अड्डे से इंडिगो, एयर इंडिया और आकासा एयर अपनी उड़ानें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद सहित अन्य प्रमुख शहरों के लिए संचालित कर रही हैं। हालांकि, पिछले दो महीनों में एटीएफ की कीमतों में हुई तेज बढ़ोतरी ने सभी एयरलाइंस की परिचालन लागत को काफी बढ़ा दिया है, जिसका असर पूरे विमानन क्षेत्र पर पड़ रहा है। अब अन्य विमान कंपनियों के आगामी फैसलों और उनकी सेवाओं पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

ईडी की जांच तेज, पूर्व सीएम विजयन की बेटी को तीसरी बार समन की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मासप्पड़ी (मासिक भुगतान) मामले में जांच तेज की है। एजेंसी जांच रही है कि क्या कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) को 2017-2020 के दौरान एलडीएफ सरकार से विशेष लाभ मिला, इसके बदले मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी वीणा विजयन की आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को भुगतान हुआ। ईडी इस क्विड प्रो क्वो (लेन-देन के बदले लाभ) मान रहा है। वीणा विजयन से हाल ही में कोच्चि ईडी कार्यालय में 10 घंटे से अधिक पूछताछ हुई, यह उनकी दूसरी पेशी थी। सूत्रों के अनुसार, उन्हें जल्द ही तीसरी बार बुलाया जा सकता है। केरल हाईकोर्ट की अनुमति से नया समन जारी हुआ। वह अपने पति, मंत्री पी.ए. मोहम्मद रियास के साथ ईडी कार्यालय पहुंची थीं। यह पूछताछ तब हुई, जब ईडी को कोच्चि कंपनी कोर्ट से गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) की चार्जशीट के 134 संलग्न दस्तावेज मिले। सीएमआरएल के विरोध के बावजूद अदालत ने आपत्ति खारिज की, और ईडी अब इन्हीं दस्तावेजों पर जांच बढ़ा रहा है। ईडी ने वीणा विजयन से एक्सालॉजिक-सीएमआरएल वित्तीय लेन-देन और सीएमआरएल को मिले कथित विशेष लाभों पर सवाल किए। वीणा विजयन ने कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट को वैध बताया, पर ईडी उनके स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं है। यह मामला आयकर निपटान आयोग की उन टिप्पणियों से उपजा है, जिनमें कहा गया था कि सीएमआरएल ने 2017-2020 के बीच एक्सालॉजिक को कंसल्टेंसी शुल्क के नाम पर 1.72 करोड़ रुपये दिए, बिना किसी कथित सेवा के। इन्हीं निष्कर्षों पर एसएफआईओ की जांच के बाद, ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया।

शंकराचार्य की कालजयी सीख : स्वयं को जानकर पाएं आंतरिक शांति

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी तकदीर बदलने का रास्ता ढूंढ रहे हैं? आदि शंकराचार्य की एक कालजयी सीख हमें स्वयं को जानने की अहमियत बताती है। उन्होंने कहा था, स्वयं को जानना ही जीवन का सबसे बड़ा सत्य है, इसके बिना सब कुछ व्यर्थ है। इसका सीधा अर्थ है कि बाहरी वस्तुओं और पहचानों (जैसे नाम, काम, या सुख-सुविधाएं) के पीछे भागने के बजाय, हमें अपने भीतर मौजूद असली शक्ति को पहचानना होगा। हम केवल एक शरीर नहीं, बल्कि विचारों और भावनाओं को महसूस करने वाली उससे कहीं बड़ी सत्ता हैं। अक्सर हम बाहरी, क्षणभंगुर चीजों में खुशी तलाशते हैं, जो स्थायी नहीं होतीं। इसी कारण भय और चिंता बनी रहती है। शंकराचार्य का दर्शन सिखाता है कि जब तक हम स्वयं को नहीं पहचानते, तब तक बाहरी दुनिया से सच्ची और स्थायी शांति नहीं मिल सकती। स्वयं को जानने से मन शांत और स्थिर होता है। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना, दूसरों से तुलना करना या भविष्य का डर सताना कम हो जाता है। यह समझ विकसित होती है कि सच्ची खुशी और संतोष कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे अपने भीतर ही विद्यमान है। यह सीख हमें आंतरिक शांति और एक बेहतर जीवन की ओर ले जाती है, जहाँ हम अपने असली स्वरूप को पहचानकर वास्तविक प्रसन्नता प्राप्त कर सकते हैं।

हेमा मालिनी का अद्वितीय घर : धर्मेंद्र की यादों से सजा सपनों का आशियाना

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी का मुंबई में स्थित 54 साल पुराना भव्य बंगला उनके जीवन की यात्रा का प्रतीक है, इस उन्होंने अपने पति धर्मेंद्र की अनमोल यादों से सजाया है। हाल ही में उनकी बेटी ईशा देओल ने इस घर का टूर दिया, जिससे इसके हर कोने की खासियत उजागर हुई। यह घर सिर्फ एक निवास स्थान नहीं, बल्कि हेमा मालिनी के मायानगरी में सपनों की शुरुआत, उनके नृत्य, स्टारडम और धर्मेंद्र संग उनकी प्रेम कहानी का साक्षी रहा है।

यह तीन मंजिला बंगला संस्कृति, कला और धर्मेंद्र की खूबसूरत यादों का संगम है। घर में क्लासिकल डांस की मुद्राओं को दर्शाती पेंटिंग्स हैं, साथ ही हेमा, ईशा और अहाना की परफॉर्मेंस की तस्वीरें दीवारों पर सजी हैं। नृत्य पर आधारित किताबें और नटराज की मूर्ति भी रखी है। एक विशेष डांस रिहर्सल रूम है जहां करीब 30 लोग एक साथ नृत्य कर सकते हैं और ध्यान भी कर सकते हैं। इस रूम में धर्मेंद्र की मुस्कुराती हुई एक बड़ी तस्वीर लगी है, जिसे देखकर ईशा भावुक हो जाती हैं। ऑफिस रूम हेमा मालिनी की पति और बच्चों संग पारिवारिक तस्वीरों से भरा है, जिसमें धर्मेंद्र-हेमा की एक थ्रेड आर्ट पेंटिंग भी खास है। बंगले में दो किचन हैं क्योंकि हेमा मालिनी मांसाहारी भोजन नहीं करतीं, इसलिए उनका किचन और कुक अलग हैं। सोफे पर प्रशंसकों द्वारा दिए गए पर्सनलाइज्ड कुशन रखे हैं, जिन पर हेमा और धर्मेंद्र की तस्वीरें हैं। ईशा ने बताया कि इस बंगले का सालों तक कोई नाम नहीं था, जिसे आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने अद्वितीय नाम दिया। घर के हर फ्लोर पर सदस्यों की अलग जगहें हैं, जिसमें ईशा और अहाना के फ्लोर का इंटीरियर भी अलग है।

टीएमसी से भाजपा में आए त्रिवेदी ने संभाला बांग्लादेश के उच्चायुक्त का पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व कद्दावर नेता और बाद में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर के रूप में अपना पदभार संभाला। पद संभालते ही उन्होंने बांग्लादेश की जनता के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात की घोषणा की है - लंबे समय से निलंबित सामान्य यात्रा वीजा (ट्रैवल वीजा) को फिर से शुरू किया जाएगा। यह घोषणा ढाका में भारतीय वीजा केंद्र में उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति के दौरान की गई, जहां उन्होंने बांग्लादेशी नागरिकों को भारत आने के लिए फिर से यात्रा वीजा के लिए आवेदन करने की अनुमति मिलने की जानकारी दी।

76 वर्षीय दिनेश त्रिवेदी को 27 अप्रैल को बांग्लादेश में नियुक्त किया गया था, और वह इस प्रतिष्ठित राजनयिक पद पर कार्यभार संभालने वाले पहले राजनेता बन गए हैं। उनके पदभार ग्रहण करने से एक दिन पहले, नई दिल्ली में उन्हें गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक ज्ञापन के माध्यम से औपचारिक कार्यों के लिए केंद्रीय मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया था, जो उनके महत्व को दर्शाता है। गुरुवार को, त्रिवेदी ने बंगभवन प्रेसिडेंशियल पैलेस में बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपने क्रेडेंशियल्स सौंपे, जिसके बाद उनके राजनयिक कार्यों की औपचारिक शुरुआत हुई। इस अवसर पर प्रेसिडेंट गार्ड रेजिमेंट की एक टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया।

लगभग दो साल पहले, मोहम्मद यूनुस के अंतरिम शासन के दौरान बांग्लादेश में बिगड़ती सुरक्षा स्थितियों और नई दिल्ली के साथ संबंधों में आई खटास के कारण ट्रैवल वीजा रोक दिए गए थे। दिनेश त्रिवेदी की घोषणा से बांग्लादेशी नागरिकों में काफी खुशी है, क्योंकि अब वे पर्यटन, चिकित्सा उपचार, सरकारी और व्यावसायिक कार्यों, और तीसरे देशों की यात्रा के लिए भारत आ सकेंगे। उन्होंने बताया कि वीजा आवेदन 28 जून से जमा किए जा सकते हैं और ये ढाका, राजशाही, चटगांव, सिलहट और खुलना सहित सभी पांच केंद्रों से जारी किए जाएंगे। त्रिवेदी ने यह भी आश्वासन दिया कि भविष्य में इस प्रक्रिया को और बढ़ाया जाएगा और मानवीय कारणों से जारी किए जाने वाले तत्काल चिकित्सा वीजा पहले की तरह जारी रहेंगे। दिनेश त्रिवेदी ने करियर राजनयिक प्रणय कुमार वर्मा का स्थान लिया है। वह 12 जून को बांग्लादेश के पश्चिमी बेनापोल-पेट्रापोल लैंड बॉर्डर के रास्ते ढाका पहुंचे थे। उनका यह कदम दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने और जनता के स्तर पर संपर्क को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच मजबूत सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं, और यात्रा वीजा की बहाली से दोनों देशों के लोगों के बीच आवाजाही फिर से सुगम होगी, जिससे व्यापार, पर्यटन और व्यक्तिगत संबंधों को फिर से बढ़ावा मिलेगा।

अयोध्या पहुंचे पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा- चढ़ावा चोरी महापाप

-एफआईआर के बाद छोटे कर्मचारियों को किया गिरफ्तार

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में चंदा चोरी का मामला अभी तूल पकड़ा हुआ है, इसी बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार सुबह अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन और पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने राम दरबार के दर्शन किए

और लगभग 15 मिनट तक मंदिर परिसर में रहे। मंदिर दर्शन के बाद केजरीवाल हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि चढ़ावे की चोरी अत्यंत गंभीर मामला है। रामलला के दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'चढ़ावा चोरी महापाप है। एफआईआर के बाद छोटे-छोटे कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। शाम चार बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस विषय पर विस्तार से बात करूंगा।' केजरीवाल के इस बयान के बाद मामले को राजनीतिक रंग मिलने की भी संभावना जताई जा रही है। उनकी प्रस्तावित प्रेस कॉन्फ्रेंस पर अब राजनीतिक दलों और श्रद्धालुओं की नजरें टिकी हुई हैं। उधर, पुलिस का कहना है कि जांच निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ाई जा रही है और सभी तथ्यों की गहन पड़ताल की जा रही है। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है।

कोर्ट ने पुलिस को दी नसीहत कहा- एग्जाम पेपर और प्राइवेट पार्ट में फर्क करें

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने एक ऐसे मामले की सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत प्राइवेसी उल्लंघन के आरोपों के दायरे पर सवाल खड़े कर दिए। हाईकोर्ट ने एक कैंडिडेट पर लगे प्राइवेसी उल्लंघन के आरोप को खारिज कर दिया, जिसे गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी) की परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र की तस्वीर खींचकर व्हाट्सएप पर भेजने का दोषी ठहराया गया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी परीक्षा के पेपर की फोटो खींचना और उसे साझा करना आईटी अधिनियम की उस धारा के तहत नहीं आता, जो किसी व्यक्ति के निजी अंगों से जुड़ी निजता के उल्लंघन के लिए बनाई गई है।

जस्टिस पी एम रावल की सिंगल बेंच ने 16 जून को हार्दिक पुरोहित और राहुल पुरोहित नाम के दो भाइयों की याचिका पर यह अहम आदेश सुनाया। इन दोनों भाइयों ने वर्ष 2018 में अपने खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने न केवल आईटी एक्ट की धारा हटाई, बल्कि सरकारी आदेश की अवहेलना करने वाली धारा को भी खारिज कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने पुलिस को अन्य संभावित अपराधों के लिए अपनी जांच जारी रखने की छूट दी है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि न्याय का मार्ग बाधित न हो। यह विवाद वर्ष 2018 का है। एफआईआर के अनुसार, जीपीएससी परीक्षा के दौरान कैंडिडेट हार्दिक पुरोहित ने कथित तौर पर चालाकी से एग्जाम हॉल के अंदर प्रश्नपत्र की फोटो खींच ली थी। इसके बाद, उसने ये तस्वीरें अपने भाई राहुल पुरोहित को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज दी थीं। जब यह मामला सामने आया, तो पुलिस ने दोनों भाइयों के खिलाफ आपराधिक साजिश (आईपीसी 120-बी), सरकारी कर्मचारी के कानूनी आदेश की नाफरमानी (आईपीसी 188) और आईटी एक्ट की धारा 66-ई के तहत मामला दर्ज कर लिया। इसी एफआईआर के खिलाफ दोनों भाई न्याय के लिए हाईकोर्ट पहुंचे थे। सुनवाई के दौरान, गुजरात हाईकोर्ट ने पुलिस द्वारा लगाई गई आईटी एक्ट की धारा 66-ई पर कड़ा रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण कानूनी व्याख्या की। कोर्ट ने कानून की बारीकियों को समझाते हुए कहा कि यह धारा मुख्य रूप से किसी व्यक्ति की सहमति के बिना उसके प्राइवेट पार्ट्स (निजी अंगों) की तस्वीरें खींचने, उन्हें प्रकाशित करने या ट्रांसफर करने के अपराध से निपटने के लिए बनाई गई है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि व्हाट्सएप के जरिए भाई को क्वेश्चन पेपर की फोटो भेजना, किसी व्यक्ति के प्राइवेट एरिया की फोटो खींचने या उसे वायरल करने के दायरे में नहीं आता। इसलिए इस मामले में आईटी एक्ट की धारा 66-ई लागू ही नहीं होती। इस टिप्पणी ने कानून के सही अनुप्रयोग पर जोर दिया।

पुलिस ने इस केस में आईपीसी की धारा 188 भी लगाई थी, जो किसी लोक सेवक के कानूनी आदेश का पालन न करने पर लागू होती है। पुलिस का तर्क था कि एग्जाम हॉल में मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित था, फिर भी आरोपी मोबाइल अंदर ले गया। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जीपीएससी द्वारा उम्मीदवारों को मोबाइल न लाने के जो निर्देश दिए जाते हैं, उन्हें किसी सरकारी अफसर की तरफ से जारी किया गया आधिकारिक कानूनी आदेश नहीं माना जा सकता। परीक्षा के नियम अलग बात हैं और कानूनन सरकारी आदेश अलग। इस स्पष्टीकरण के साथ, कोर्ट ने धारा 188 भी खारिज कर दी। इन बड़ी धाराओं से दोनों भाइयों को राहत मिल गई है, लेकिन उनकी मुश्किलें पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। गुजरात हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वह केवल इन दो धाराओं (आईपीसी 188 और आईटी एक्ट 66-ई) को हटा रहे हैं।

देश के 20 राज्यों में मॉनसून सक्रिय, झमाझम बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी,एमपी,बिहार जैसे करीब 20 राज्यों में झमाझम बारिश होने का अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन से चार दिन में ही दक्षिण पश्चिम मॉनसून पश्चिम बंगाल, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार के बाकी हिस्सों को कवर करता हुआ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को तर करने लगेगा। फिलहाल मौसम विभाग ने 20 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई राज्यो में 40 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है।वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश को अभी राहत मिलती नहीं दिख रही है। अगले तीन से चार दिन लू का प्रकोप देखने को मिलेगा। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस सप्ताह पूर्वोत्तर के सभी राज्यों, पश्चिमी तट और उप हिमालयी पश्चिम बंगाल में भारी बारिश हो सकती है। 27 से 29 जून के बीच सिक्किम में मूसलाधार बारिश होगी। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, झारखंड, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

यूपी, बिहार, झारखंड और राजस्थान का मौसम

उत्तर प्रदेश में लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, हरदोई, रायबरेली, बाराबंकी, गोंडा, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़ फतेहपुर, झांसी, जालौन, हमीरपुर, बांदा, आगरा मथुरा, अलीगढ़ , मेरठ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं 27 और 28 जून को बारिश के आसार नहीं हैं। पूर्वी यूपी में कुछ जगहों पर बौछार पड़ सकती है। हालांकि इससे तापमान से ज्यादा राहत मिलने वाली नहीं है। 30 जून के बाद यूपी में बारिश की तेज गतिविधियां शुरू हो सकती हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक बिहार में 26 जून को कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। वहीं ज्यादातर हिस्से में तेज धूप खुली रहेगी। दक्षिण पूर्व और दक्षिण मध्य बिहार में आंधी के साथ हल्की बारिश हो सकती है। वहीं झारखंड में अगले दो दिन लू का प्रकोप जारी रहेगा। 29 जून से यहां बारिश शुरू हो सकती है। पूर्वी राजस्थान और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में अगले 5 से 7 दिन के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने और अधिक सक्रिय होने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 से 5 दिन के दौरान राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान है। इस अवधि में राज्य के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की भी संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 26 जून से नौ जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि आगामी सप्ताह के दौरान राजस्थान के पश्चिमी और पूर्वी दोनों हिस्सों में वर्षा गतिविधियां सामान्य से कम रहने की संभावना है।

दिल्ली में तेज सतही हवाएं चलेंगी

राष्ट्रीय राजधानी में मॉनसून-पूर्व बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है, हालांकि गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, दिल्ली में आने वाले सात दिनों में दोपहर या शाम को तेज सतही हवाओं के साथ बहुत हल्की या हल्की बारिश जारी रहेगी। रविवार को बारिश नहीं होगी। हल्की बारिश के बावजूद दिल्ली में तापमान गर्म ही रहेगा। आगामी तीन दिनों में राजधानी का सर्वाधिक तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और 41 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। सोमवार को तापमान में हल्की गिरावट आएगी और यह 37-39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

पहाड़ी राज्यों का मौसम

जम्मू-कश्मीर में 26 जून से लेकर 30 जून तक कई जगहों पर आंधी के साथ बारिश हो सकती है। वहीं 1 जून से ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। हिमाचल प्रदेश में 26 से 29 जून तक हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। 1 जुलाई को राज्य में व्यापक स्तर पर बारिश की उम्मीद है।उत्तराखंड के देहरादून, नैनीताल, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर, टिहरी गढ़वाल, अल्मोड़ा, चमोली, रूद्रपर्याग और पिथौरागढ़ में 26 जून को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

असम सरकार नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी: सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के मौके पर राज्य में नशे के खिलाफ अभियान तेज करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए ड्रग्स के खिलाफ लगातार और सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि उनकी सरकार इस विषय पर गंभीरता से काम कर रही है और नशे के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चला रही है, क्योंकि यह समाज के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि सरकार उन ड्रग्स नेटवर्क को खत्म करने में जुटी है, जो असम में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं, और युवाओं को सामाजिक बुराई से बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में, असम सरकार ने नशे के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाया है। असम पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर सैकड़ों ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान बड़ी मात्रा में हेरोइन, मेथामफेटामाइन की गोलियां और गांजा सहित अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। राज्य सरकार का मानना है कि असम की संवेदनशील भौगोलिक स्थिति, जिसकी सीमाएं भूटान और बांग्लादेश से लगती हैं और यह पूर्वोत्तर भारत का प्रवेश द्वार है, इस ड्रग तस्करों के लिए एक प्रमुख मार्ग बनाती है। कुख्यात गोल्डन ट्रायंगल क्षेत्र से संचालित होने वाले ड्रग तस्करी नेटवर्क का असर यहां दिखाता है। इस कारण सरमा सरकार ने मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपना रखी है, जिसमें सख्त कानूनी कार्रवाई, जनजागरूकता अभियान और नशा मुक्ति एवं पुनर्वास कार्यक्रम भी शामिल हैं। हर साल 26 जून को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाकर दुनिया को नशामुक्त करना, लोगों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और रोकथाम, उपचार तथा पुनर्वास के प्रयासों को मजबूत करना है।

केंद्रीय कैबिनेट और भाजपा संगठन में बड़े बदलाव की आहट : नितिन नवीन की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में पहली बार कैबिनेट में बड़े फेरबदल और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठनात्मक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव की अटकलें तेज हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, इन दोनों प्रक्रियाओं को एक साथ अंजाम दिया जा रहा है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपनी नई टीम के गठन को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

वहीं बीजेपी हलकों से पहले ही संकेत मिल रहे थे कि जून के अंत तक संगठन में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं, जो केंद्रीय मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल से सीधे तौर पर जुड़े हो सकते है। गुरुवार को नितिन नवीन की कुछ राज्य मंत्रियों के साथ हुई बैठकों ने इन अटकलों को पुख्ता किया है। पार्टी के भीतर माना जा रहा है कि उत्तरप्रदेश बीजेपी की नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद अब राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन में फेरबदल की बारी है। यूपी की नई टीम के गठन में युवाओं और विभिन्न पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जातियों के प्रतिनिधित्व पर विशेष जोर दिया गया है। इस नई टीम के गठन को समाजवादी पार्टी के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण की प्रभावी काट के तौर पर देखा जा रहा है। इसी तर्ज पर, राष्ट्रीय संगठन में भी युवाओं, महिलाओं और विभिन्न महत्वपूर्ण जाति समूहों को अधिक प्रतिनिधित्व देने की संभावना है। पार्टी का लक्ष्य इन प्रमुख सामाजिक वर्गों में अपनी पकड़ मजबूत करना है। इधर, केंद्रीयद मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तब तेज हो गईं, जब बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ ताबड़तोड़ बैठकें कीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार में बदलाव की प्रक्रिया को आखिरी समय तक गोपनीय रखने के लिए जाने जाते हैं, इसकारण इस मुद्दे पर आधिकारिक चुप्पी साधी गई है।

भारतीय पुरुषों और महिलाओं में बढ रही नशे की आदत: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुषों में शराब के सेवन की दर में वृद्धि देखी गई है, वहीं महिलाओं में तंबाकू के उपयोग का चलन कई राज्यों में बढ़ता जा रहा है। हालिया नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-6) रिपोर्ट ने भारत में नशे की आदतों को लेकर एक नया और चिंताजनक बदलाव उजागर किया है।

हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर कुछ राहत के संकेत भी हैं। कुल मिलाकर महिलाओं में तंबाकू सेवन थोड़ा घटकर 8.9 प्रतिशत से 8.4प्रतिशत हुआ है, लेकिन इस राष्ट्रीय औसत के पीछे एक विपरीत रुझान छिपा है- 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिलाओं में तंबाकू उपयोग बढ़ा है। इनमें उत्तर प्रदेश और तेलंगाना जैसे बड़े राज्य शामिल हैं, जहां ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि विशेष रूप से देखी गई है। पुरुषों की बात करें तो तंबाकू सेवन में हल्की गिरावट आई है, जो 38प्रतिशत से घटकर 36.3प्रतिशत हो गया है। इसके बावजूद कुछ राज्यों में यह दर अभी भी बहुत अधिक बनी हुई है, जिससे समस्या की गंभीरता बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में पुरुषों के बीच शराब पीने की आदत में भी हल्की बढ़ोतरी हुई है। यह दर 18.7प्रतिशत से बढ़कर 18.9प्रतिशत हो गई है। कई राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना में यह वृद्धि अधिक देखी गई है, जो इन क्षेत्रों में शराब की खपत में उल्लेखनीय इजाफा दर्शाती है।

वहीं, महिलाओं में शराब सेवन में राष्ट्रीय स्तर पर मामूली गिरावट आई है, लेकिन यहां भी कुछ राज्यों में इसका उपयोग फिर भी बढ़ रहा है, जो दर्शाता है कि क्षेत्रीय स्तर पर स्थिति राष्ट्रीय औसत से काफी अलग हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि केवल राष्ट्रीय औसत देखकर नशे की समस्या की पूरी तस्वीर नहीं समझी जा सकती। उनका मानना है कि कई राज्यों और जिलों में स्थिति काफी गंभीर है और वहां नशे की प्रवृत्ति में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसलिए, स्थानीय स्तर पर अलग-अलग, सूक्ष्म और प्रभावी रणनीति की जरूरत है ताकि इन विशिष्ट क्षेत्रों की चुनौतियों का समाधान किया जा सके। उन्हें डर है कि अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह प्रवृत्ति बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। रिपोर्ट में तंबाकू से होने वाले नुकसान पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया है, जिससे पता चलता है कि यह कितनी जानलेवा हो सकती है। तंबाकू से होने वाली मौतों में लगभग 48प्रतिशत मौतें दिल की बीमारियों (जैसे हार्ट डिजीज और स्ट्रोक) की वजह से होती हैं, जो भारत में हृदय रोगों के बढ़ते बोझ को दर्शाता है। इसके अलावा, भारत में मुंह का कैंसर बहुत अधिक आम है और तंबाकू का उपयोग इसका एक प्रमुख कारण है।

रिपोर्ट के अनुसार, तंबाकू से जुड़े कैंसर कुल कैंसर मामलों का लगभग 27-30प्रतिशत हैं, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में तंबाकू नियंत्रण के महत्व को रेखांकित करता है। सांस की बीमारियां भी तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों और बीमारियों की एक बड़ी वजह हैं, जिससे फेफड़ों की गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। एनएफएचएस-6 की यह रिपोर्ट साफ करती है कि भारत में नशे की आदतों में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहे हैं। पुरुषों में शराब की आदत बढ़ रही है और महिलाओं में तंबाकू का उपयोग,

खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, बढ़ रहा है। कुछ राज्यों में स्थिति राष्ट्रीय औसत से ज्यादा खराब है, जिससे नीति निर्माताओं को इन क्षेत्रीय विषमताओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

शांतिपूर्ण व आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया मुहर्रम पर्व, सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में शुक्रवार को मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण व आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। जानकारी के अनुसार प्रखंड के विभिन्न पंचायत पतौड़ा, उधवा दियारा, पूर्वी उधवा, पियारपुर, प्राणपुर, पलाशगाछी, उत्तर एवं दक्षिण पलाशगाछी, कटहलबाड़ी, बेगमगंज, चांदशहर आदि पंचायतों में लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से मुहर्रम पर्व मनाया। वहीं कई मुहर्रम कमिटियों ने सैकड़ों लोगों के साथ ताजिया, ढोल- नगाड़े बजाते हुए जुलूस निकाला। जुलूस विभिन्न गांवों का भ्रमण करते हुए निर्धारित अखाड़ा स्थल पहुंचकर अपना करतब प्रस्तुत किया। इस वर्ष इंग्लिश खेल मैदान, फुदकीपुर, बेगमगंज, दरगाडांगा आदि में अखाड़ा व मेला का आयोजन किया गया। वहीं कई कमिटियों ने ताजिया जुलूस के साथ पहुंचकर लोगों ने लाठी व तलवार भांजकर करतब पेश किया। इस दौरान मुहर्रम कमिटीयों के द्वारा ताजिया जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से निकाली गई। लोगों ने पारंपरिक हथियार के साथ कर्तव्य प्रस्तुत किया। जुलूस में शामिल लोगों ने या अली,या हुसैन के नारों के साथ अली और हुसैन की शहादत की याद को ताजा किया। ग्रामीण क्षेत्रों में ताजिया जुलूस व अखाड़ा देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ दोपहर से जमी रही। अखाड़ा स्थलों में देर शाम तक लोगों की चहल पहल रही। इधर विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी,उधवा सीओ आशीष कुमार,बीडीओ जयंत कुमार तिवारी,राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,एसआई पंकज दुबे सहित अन्य मौजूद थे। इसके अलावा विभिन्न चौक चौराहों एवं अखाड़ा स्थलों में दंडाधिकारी व पर्याप्त बल तैनात रहें। वहीं दरगाडांगा अखाड़ा मैदान में शांति और सौहार्द माहौल में संपन्न कराए जाने हेतु पुलिस प्रशासन के अलावा पतौड़ा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि फिरोज शेख, खबीर शेख, सरफराज अहमद, जमीरुल हक, इस्माइल शेख, बबलू शेख, असराउल शेख सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

राजमहल विधायक ने मुहर्रम पर लाठी खेले, कमेटी ने किया भव्य स्वागत

राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने मुहर्रम के अवसर पर उधवा प्रखंड क्षेत्र के फुदकीपुर इंग्लिश मैदान में मुहर्रम कमेटी के माध्यम से आयोजित अखाड़ा जुलूस में शामिल हुए। मुहर्रम कमेटी की ओर से विधायक एमटी राजा एवं विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू,एसडीओ सदानंद महतो,एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी,सीओ उधवा आशीष मंडल,थाना प्रभारी अमर मिंज का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस दौरान विधायक एमटी राजा ने सभी को शांतिपूर्ण तरीके से मुहर्रम पर्व मनाने की अपील की। वहीं इंग्लिश मैदान में भव्य मेला का आयोजन था। जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल थे। वहीं विधायक एमटी राजा ने लाठी खेलकर अखाड़ा में लाठी खेल रहे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन की। इसके उपरांत फुदकीपुर हटिया परिसर व बेगमगंज में आयोजित अखाडा में भी शामिल हुए। मौके पर कांग्रेस के जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी, झामुमो प्रखंड सचिव विश्वजीत मंडल, फिटू पठान, जहांगीर अली सहित अन्य मौजूद थे।

शोहदाए कर्बला की याद में आंख में आसू लिए निकला मोहर्रम का जुलूस

बिभा संवाददाता

तालझारी । इस्लाम के पहले महिना मोहर्रम की दसवीं तारीख को योमे आशूरा कहते हैं।इस दिन इराक के राजधानी बगदाद से एक सौ किलोमीटर दूर कर्बला में यह यजीद के जुल्मों का सामना करते हुए इस्लाम के आखिरी नबी मोहम्मद के प्यारे नाती हजरत इमाम हुसैन और सभी 72 साथियों को तीन दिन तक भूखे प्यास के साथ शहीद कर दिया गया था। इस दिन अकीदतमंदों के इलाके में लब्बैक या हुसैन से फिजा गुंज उठती है। दिलों में गम लिए इमाम हुसैन की याद में लोगों के आंखों में आंसू लेकर कई लोग दो दिन का रोजा रखते हुए खास इबादत भी करते हैं। तालझारी थाना क्षेत्र के महराजपुर, डाकबंगला, मोतीझरना, भट्टा, सकरीगली में मुहर्रम त्यौहार को शांतिपूर्वक पूरे अच्छे विधि व्यवस्था के साथ संपन्न कराने में तालझारी थाना पुलिस एवं गांव के बुद्धिजीवी मोहर्रम कमेटी के लोगों द्वारा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया था। इस दौरान मोहर्रम के पारंपरिक हथियार खेलने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। जहां इमाम हजरत हुसैन की चाहने वाले दिल में गम लिए या हुसैन के नारा लगाते हुए शुक्रवार की देर शाम ईदगाह में पहलाम कर त्यौहार को संपन्न करा दिया गया। जुलूस के सुरक्षा व्यवस्था में सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद, तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय के अलावे थाना के पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल सहित सैकड़ो लोग शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

नशे के खिलाफ साहेबगंज में जागरूकता की मुहिम, स्कूलों से जेल तक चला विधिक सेवा प्राधिकार का अभियान

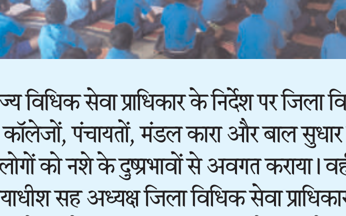

साहेबगंज(बिभा)। अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति एवं अवैध तस्करी निषेध दिवस के अवसर पर साहेबगंज जिले में नशे के खिलाफ व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों, मंडल कारा और बाल सुधार गृह समेत विभिन्न स्थानों पर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। वहीं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। अभियान के तहत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की 'डॉन योजना के बारे में भी लोगों को जानकारी दी गई। वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि अभियान में लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ताओं और पैरा लीगल वॉलंटियर्स ने सक्रिय भागीदारी निभाई। जागरूकता सत्रों में नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और कानूनी दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा लोगों को खेल, शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का संदेश दिया गया। वहीं अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर नशा मुक्ति विषयक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। वहीं, नालसा का जिंगल ३तुम मत गिरना३ और अभियान का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर हैशटैग के माध्यम से लोगों को नशामुक्त भारत अभियान से जुड़ने की अपील की गई। वहीं सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि नशे के विरुद्ध यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा। समाज में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार भविष्य में भी नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम चलाता रहेगा, ताकि साहेबगंज को नशामुक्त, सुरक्षित और स्वस्थ जिला बनाया जा सके।

सड़क पर दर्दनाक हादसाः ममेरे रिश्ते की एक सवारी बनी आखिरी सफर, दो युवकों की मौत

साहेबगंज(बिभा) । बरहेट-बोरियो मुख्य सड़क पर हरिश्चंद्रपुर गांव के समीप गुरुवार को हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले दोनों बाइक सवार युवकों की पहचान हो गई है। मृतकों में बोरियो थाना क्षेत्र के कुम्हरिया निवासी 26 वर्षीय बाबूधन टुडू और शहरपुर निवासी 18 वर्षीय सिद सोरेन शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, सिद सोरेन अपने मामा के घर संजोरी में रहकर काम करता था। वहीं बाबूधन टुडू अपनी ससुराल संजोरी से अपने घर कुम्हरिया लौट रहा था। रास्ते में सिद ने शहरपुर तक छोड़ देने का अनुरोध किया, जिस पर बाबूधन उसे अपनी बाइक पर बैठाकर निकल पड़ा। लेकिन दोनों को क्या पता था कि यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर साबित होगा। हरिश्चंद्रपुर गांव के समीप बोरियो से बरहेट की ओर आ रहे ट्रक (जेएच 10 सीजी 5056) और बाइक (जेएच 17 डब्ल्यू 0261) के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

'कोई भी पात्र मतदाता सूची से न छूटे', एसआईआर प्रशिक्षण में कांग्रेस ने बूथ स्तर तक अभियान तेज करने का दिया संदेश

बिभा संवाददाता

बरहरवा । विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने और यह सुनिश्चित करने कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे, इसी उद्देश्य के साथ शुक्रवार को बरहरवा के निशा मैरेज हॉल, बिन्दुधाम पथ में कांग्रेस का एसआईआर प्रशिक्षण सह संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकतुल्लाह खान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संथाल परगना एसआईआर प्रभारी एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू मुख्य अतिथि तथा प्रदेश प्रवक्ता अवधेश कुमार प्रजापति विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में जिला, प्रखंड, पंचायत और बूथ स्तर के पदाधिकारियों के साथ बीएलए-2 एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकताओं ने भाग लिया। वहीं बैठक में साहेबगंज जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की विस्तार से समीक्षा की गई। डॉ. बलमुचू ने कार्यकताओं से कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ किया जाए। उन्होंने प्रत्येक बूथ पर यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। उन्होंने ग्रामीणों को आवश्यक सहयोग देने और अभियान को घर-घर तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने दायित्व का ईमानदारी से निर्वहन करेगा, तो मतदाता सूची अधिक सटीक और समावेशी बनेगी। इस दौरान बीएलए -2 और कार्यकताओं को अभियान के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। वहीं कार्यक्रम के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू ने एसआईआर अभियान की आवश्यकता, संगठन की रणनीति और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी तथा पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। वहीं प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अवधेश कुमार प्रजापति ने भर्ती परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही पेपर लीक की घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि बार-बार परीक्षाएं रद्द होने से युवाओं और उनके अभिभावकों की मेहनत तथा उम्मीदों को गहरा आघात पहुंच रहा है। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी युवाओं के अधिकारों और न्याय की लड़ाई में उनके साथ मजबूती से खड़ी है। मौके पर अनीकुल मिश्रा, कमल कुमार आर्य, मो. नसीरुद्दीन, अशोक कुमार दास, मोहम्मद कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव, सरफराज आलम, नित्यानंद गुप्ता, मोरसलीन खान, हीरालाल शाह, रंजीत टुडू, विमल देव भगत, भोलानाथ महतो, नाबीद अंजुम, निहाल अख्तर, थॉमस रॉबर्ट, मिथुन मंडल, अनंत लाल भगत, निताई सरकार, सारिक रब्बानी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुहर्रम पर जिले भर में निकला ताजिया व जुलूस

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। मुहर्रम की 10वीं तारीख पर शुक्रवार की देर शाम शहर के विभिन्न मुहर्रम कमेटियों ने ताजिया व सिप्प्ल के साथ अखाड़ा-जुलूस निकाला। अखाड़ा जुलूस में लोग जगह-जगह लाठी-डंडा व परंपरागत हथियार से करतब दिखाते चल रहे थे। जुलूस रात तक शहर का भ्रमण कर अपने-अपने मुहल्ले के इमामबाड़ा पर वापस लौट गया। मौके पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे। 11वीं पर शनिवार को भी विभिन्न मुहर्रम कमेटी की ओर से अखाड़ा के साथ पहलाम जुलूस निकाला जाएगा। राजमहल में मुहर्रम के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जगहों से ताजिया जुलूस निकाला गया। जिसने काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए। अलग-अलग हिस्सों से पारंपरिक हथियार व लाठी लेकर निकले जुलूस में अनोखा करतब एंव तरह-तरह के लाठी खेल का प्रदर्शन किया गया। सुरक्षा व विधि व्यवस्था को बनाए रखने के लिए सशस्त्र पुलिस बल की टीम तैनात थी। मंडरो प्रखंड अंतर्गत मिजाचौकी तेतरिया, शाहाबाद एवं मंडरो धनवासा बुधूवाचक एवं बिशनपुर में मोहर्रम के अवसर पर ताजिया के साथ जुलूस निकाला। तीनपहाड़ में आकषर्क ताजिया निकाल कर लोगों ने पारंपरिक हथियार के साथ अखाड़ा जुलूस निकाला। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे।

बिजली बहाल होने से सिमडा मोमिन टोला में खुशी, ग्रामीणों ने जताया आभार

बिभा संवाददाता

बरहेट। बरहेट प्रखंड क्षेत्र के सिमडा मोमिन टोला में लंबे समय से बिजली संकट झेल रहे ग्रामीणों को आखिरकार राहत मिल गई। जले हुए ट्रांसफार्मर की जगह नया 63 केवीए ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया गया, जिससे क्षेत्र में फिर से बिजली आपूर्ति बहाल होने का रास्ता साफ हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि पुराना ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पूरा मोहल्ला अंधेरे में रहने को मजबूर था। समस्या को लेकर ग्रामीणों ने झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी और प्रखंड सचिव मुजीबुर रहमान को लिखित आवेदन सौंपा था। शिकायत मिलने के बाद दोनों नेताओं ने विद्युत विभाग से समन्वय कर ट्रांसफार्मर लगाने की पहल की। इसके बाद सिमडा मोमिन टोला में नया 63 केवीए ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया।

ट्रांसफार्मर का उद्घाटन पंचायत सचिव सिकंदर मोमिन, मुजीबुर रहमान, जियाउर अंसारी, अब्दुल कलाम तथा अन्य ग्रामीणों ने फीता काटकर किया। वहीं ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तथा झामुमो के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर पहल होने से गांव के लोगों को बिजली संकट से राहत मिली है।

मोहर्रम पर सादगी का संदेश : मदनशाही मुस्लिम पंचायत ने ताजिया और जुलूस नहीं निकालने का लिया निर्णय

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । बोरियो प्रखंड के जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र स्थित मदनशाही मुस्लिम पंचायत ने इस वर्ष मोहर्रम के अवसर पर ताजिया, जुलूस, ढोल-नगाड़ा और अन्य बाजे नहीं निकालने का सामूहिक निर्णय लिया है। पंचायत का कहना है कि यह फैसला सामाजिक सौहार्द, सादगी और जनसुविधा को ध्यान में रखकर लिया गया है। वहीं पंचायत के सरदार मोहम्मद सफाजुद्दीन ने बताया कि ताजिया या जुलूस निकालना इस्लाम का अनिवार्य धार्मिक कर्तव्य नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्म का मूल संदेश शांति, अनुशासन और दूसरों को कष्ट न पहुंचाने का है। इसी सोच के साथ पंचायत ने सर्वसम्मति से तय किया कि इस बार मोहर्रम के दौरान गांव में किसी प्रकार का ताजिया, जुलूस, ढोल-नगाड़ा या अन्य वाद्ययंत्र का उपयोग नहीं किया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि मदनशाही मुस्लिम पंचायत पहले भी सामाजिक सुधार की दिशा में कई निर्णय ले चुकी है। इससे पहले पंचायत ने शादी-विवाह समारोहों में डीजे, ढोल-नगाड़ा और तेज ध्वनि वाले वाद्ययंत्रों के उपयोग पर रोक लगाने का निर्णय लिया था, जिसका ग्रामीणों ने पालन भी किया। वहीं पंचायत के इस फैसले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। कई स्थानीय लोगों ने इसे सामाजिक सौहार्द और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने की दिशा में सकारात्मक पहल बताया। उनका कहना है कि बड़े जुलूस और तेज आवाज वाले आयोजनों से आम लोगों को असुविधा होती है तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में भी प्रशासन पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। वहीं पंचायत का मानना है कि धार्मिक परंपराओं का पालन सादगी, अनुशासन और आपसी सम्मान के साथ किया जाए तो इससे समाज में सौहार्द और भाईचारा और अधिक मजबूत होता है।

मोहर्रम का 10 वां दिन अशूरा होता है, जिसे यौम-ए-अशूरा भी कहते हैं अशुरा के दिन इमाम हुसैन की शहादत को याद किया जाता है

बिभा संवाददाता

तालझारी । मुहर्रम हिजरी कैलेंडर का पहला महीना होता है। इस महीने की 9 वीं और 10वीं तिथि को सबसे अहम माना जाता है। मुहर्रम का 10वां दिन आशूरा के नाम से जाना जाता है, जिसे यौम-ए-आशूरा भी कहते हैं। इस बार आशूरा 26 जुन को है। हालांकि, चांद का दीदार होने के बाद तारीख का ऐलान किया जाता है। आशूरा का दिन तमाम मुसलमान अपने-अपने तरीकों से मनाते हैं। शिया मुसलमान इस दिन मातम मनाते हैं, तो सुन्नी मुसलमान रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है आशूरा के दिन क्या हुआ था? अगर नहीं, तो चलिए इस लेख में आपको बताते हैं। आशूरा अरबी शब्द ह्यअशराह्य से लिया गया है, जिसका मतलब है दसवां। इस्लाम में आशूरा मुहर्रम की 10 वीं तारीख को कहा जाता है, जो हिजरी कैलेंडर का पहला महीना है। आशूरा के दिन को ह्ययौम अल-आशूराह्य भी कहा जाता है।

आशूरा के दिन क्या हुआ था?

यौम-ए-आशूरा के दिन कई अहम चीजें हुई, जो इस दिन को बहुत खास बनाती हैं। अल्लाह ने पैगंबर मूसा अलैहिस्सलाम और उनके लोगों को जालिम बादशाह फिरौन के जुल्म से बचाया था, जिसके लिए लाल सागर को हिस्सों में अलग कर दिया था। साथ ही, इसी दिन इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की शहादत हुई थी।

4 पाक महीनों में से एक

इस्लाम धर्म से जुड़ी मान्यताओं के मुताबिक, मुहर्रम के महीने को अल्लाह का महीना कहा जाता है। इस्लाम में चार महीने सबसे पाक बताए गए हैं जो कि जुल-कादा, जुल-हिज्जा, मुहर्रम, और रजब का महीना है। लेकिन मुहर्रम में मातम क्यों मनाया जाता है, यह जानने के लिए सबसे अहम है कि आपको पता होनी चाहिए कौन थे इमाम हुसैन, जिनकी याद में मुहर्रम मनाया जाता है।

इमाम हुसैन कौन थे?

इमाम हुसैन, इस्लाम के आखिरी पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे और हजरत अली के बेटे थे। इमाम हुसैन इस्लामी इतिहास की एक जंग में शहीद हो गए थे, जो कि 680 ईस्वी में हुई थी। ये जंग कर्बला नाम की एक जगह पर, जो आज इराक में है। मुहर्रम की 10 तारीख यानी यौम-ए-आशूरा के दिन, इस जंग में इमाम हुसैन ने अपने 72 वफादारों और परिवार के साथ अपनी जान कुर्बान कर दी। उनकी ये जंग थी यजीद नाम के एक जालिम बादशाह से, जिसने कर्बला में मासूम बच्चों की जान भी नहीं बख्शी थी।

शिया मुहर्रम में मातम क्यों करते हैं?

उसी जुल्म की दास्तान को याद करते हुए मुहर्रम के महीने में दुनिया भर के मुसलमान अलग-अलग तरीकों से अपने गम का इजहार करते हैं और मातम मनाते हैं शिया मुसलमान खुद को जख्मी कर अपना लहू बहाते हैं, धधकते हुए अंगारों पर नंगे पैर चलते हैं और ताजिये भी निकलते हैं। हालांकि, सुन्नी मुसलमान मुहर्रम में न तो मातम मनाते हैं और न ही काले कपड़े पहनते हैं। सुन्नी मुस्लिम आशूरा के दिन रोजा रखते हैं और अल्लाह की इबादत करते है। मुहर्रम की 10वीं तारीख यानी आशूरा पर रोजा रखना फर्ज नहीं होता, बल्कि सुन्नत है। इस दिन रोजा रखने से बेहद सवाब मिलता है।

पूर्व मध्य रेल

ई–खुली निविदा सूचना

ई–खुली निविदा सूचना सं0–एस–टी /सोन/ ई–खुली निविदा/26–27/15 दिनांक: 24.06.2026

मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूर संचार)/ सोनपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई–निविदा' आमंत्रित करते हैं। ई–निविदा की अंतिम **तिथि 20.07.2026 को 12.00 बजे** तक निर्धारित है। ई–निविदा संबंधी एवं निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाईट www.ireps.gov.in पर किया जा सकता हैं।

क्रम सं0–1, ई–निविदा सं0–एस & टी/ सोन./ ई–खुली निविदा/26–27/15, **कार्य का नाम (मद सं0 सहित) :** उमेश नगर –उमेश नगर स्टेशन पर CSL लाइनों के विस्तार के लिए यार्ड रीमॉडलिंग का काम। **अनुमानित लागत (रू. में) :** 4,84,85,285.58, **बयाने की राशि (रू. में) :** 9,69,800.00, **निविदा प्रपत्र की कीमत अप्रतिदेय (रू. में):** 0.00, **समापन अवधि :** एल.ओ.ए. जारी होने की तिथि से 09 (नौ) माह तक।

उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। दिनांक 24.06.2026 को अपलोड कर दिया गया है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार–किसी भी निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदादाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा। निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, सोनपुर
पीआर/0462/एसईई/एस एण्ड टी/टी/26–27/40

शिवम की कहानी: ऐसी की वापसी और बन गए दो बार के विश्व चैंपियन

ओवरवेट होने के कारण छोड़ा था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक ऑलराउंडर शिवम दुबे आज उन खिलाड़ियों में गिने जाते हैं, जिन पर टीम मुश्किल परिस्थितियों में भरोसा करती है। बड़े-बड़े छक्के लगाने की उनकी क्षमता और जरूरत पड़ने पर उपयोगी गेंदबाजी ने उन्हें सीमित ओवरों की टीम का अहम सदस्य बना दिया है। लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा।

26 जून 1993 को मुंबई में जन्मे शिवम दुबे का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के भदोही का रहने वाला है। बचपन से ही क्रिकेट के प्रति उनका जुनून था और उन्होंने कम उम्र में ही इस खेल को अपना लक्ष्य बना लिया था। हालांकि, 14 साल की उम्र में उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उनके क्रिकेट करियर पर लगभग विराम लगा दिया।

आर्थिक तंगी के कारण नियमित प्रशिक्षण और फिटनेस पर ध्यान देना मुश्किल हो गया। धीरे-धीरे उनका वजन काफी बढ़ गया और उन्हें क्रिकेट छोड़ना पड़ा। कई खिलाड़ियों के लिए ऐसी स्थिति करियर का अंत साबित होती है, लेकिन शिवम ने हार मानने के बजाय वापसी की तैयारी शुरू कर दी।

पांच साल बाद मैदान पर लौटे और बदल दी किस्मत

करीब पांच साल तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद शिवम दुबे ने जब वापसी की तो उनका लक्ष्य सिर्फ टीम में जगह बनाना नहीं, बल्कि खुद को साबित करना था। उन्होंने कड़ी मेहनत कर फिटनेस हासिल की और मुंबई की अंडर-23 टीम में जगह बनाई।इसके बाद उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। जनवरी 2016 में उन्होंने मुंबई के लिए टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया। 2017 में प्रथम श्रेणी और लिस्ट-ए क्रिकेट में भी डेब्यू किया। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद उभरते ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया।

आईपीएल ने बदली जिंदगी

शिवम दुबे को आईपीएल 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मौका दिया, लेकिन उनके करियर में असली बदलाव 2022 में आया, जब वह चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े। महेंद्र सिंह धोनी की टीम में उन्हें अपनी भूमिका स्पष्ट मिली। मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने मैच फिनिश करने की कला विकसित की। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सीएसके के लिए उन्होंने लगातार शानदार प्रदर्शन किया। 2022 में 289 रन, 2023 में 418 रन, 2024 में 396 रन, 2025 में 357 रन और 2026 में 270 रन बनाकर टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाई। आईपीएल में वह अब तक 92 मैचों में 2129 रन और 10 अर्धशतक अपने नाम कर चुके हैं।

रोहित शर्मा का भरोसा, सूर्यकुमार की टीम के भी बने हीरो

घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद शिवम दुबे को भारतीय टीम में लगातार मौके मिलने लगे। कप्तान रोहित शर्मा ने उनकी ताकत को पहचाना और उन्हें मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाज की भूमिका सौंपी। शिवम ने इस भरोसे को सही साबित किया। उन्होंने बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाकर कई मैचों का रुख बदला। गेंदबाजी में भी जरूरत पड़ने पर महत्वपूर्ण विकेट निकालकर टीम को संतुलन दिया। वह 2024 में रोहित शर्मा और 2026 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे।

विश्व कप के बड़े मुकाबलों में निभाई अहम भूमिका

बड़े खिलाड़ियों की पहचान बड़े मैचों से होती है और शिवम दुबे ने यह कई बार साबित किया। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में उन्होंने सिर्फ 16 गेंदों में 27 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बाद 2026 विश्व कप के सेमीफाइनल में उन्होंने 25 गेंदों पर 43 रन की तेजतर्रार पारी खेली। फाइनल में भी उन्होंने महज आठ गेंदों पर 26 रन बनाकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। इन पारियों ने साबित किया कि दबाव वाले मुकाबलों में भी वह टीम के लिए मैच विनर बन सकते हैं।शिवम दुबे ने तीन नवंबर 2019 को भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 64 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 48 पारियों में 16 बार नाबाद रहते हुए 991 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 154.12 रहा है। इसके अलावा उन्होंने 31 विकेट भी अपने नाम किए हैं। वनडे क्रिकेट में उन्होंने चार मैच खेलते हुए 43 रन बनाए हैं और एक विकेट भी लिया है।

महिला टी-20 विश्वकप

ब्रिट्स का शतक, दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड्स को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 24वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की। काउंटी ग्राउंड पर खेले गए मैच में प्रोटियाज टीम से मिले 209 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी।

दक्षिण अफ्रीका ने 88 रनों की बड़ी जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका, दोनों के छह-छह अंक हैं। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने अपने नेट रन रेट में भी काफी सुधार किया है। भारत की टेंशन इसलिए बढ़ी है क्योंकि उसका अगला मुकाबला यानी ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश से भिड़ना है। भारत को हर हाल में ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। साथ ही यह मनाना होगा कि या तो दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश से हार जाए या फिर नेट रन रेट भारत से बेहतर नहीं कर पाए।

नीदरलैंड्स की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की टीम को फेबे मोलकेनबोअर और सान्या खुराना ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। सान्या ने 30 गेंदों का सामना करते हुए छह चौकों की मदद से 36 रन बनाए। वहीं, फेबे ने 41 रनों का योगदान दिया। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरीं स्टेरे कालिस ने 26 रन बनाए, जबकि बैबेट डी लीडे 11 रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

इसके बाद नीदरलैंड्स ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम मुश्किल से 100 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। नीदरलैंड्स की छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक पार करने में नाकाम रहीं। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं, क्लोई ट्रायोन ने चार ओवर के स्पेल में 16 रन देकर दो विकेट निकाले।

दक्षिण अफ्रीका की पारी

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में एक विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 208 रन लगाए। टीम को कप्तान एल वोल्वार्ट और ताजमिन ब्रिट्स ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 13.3 ओवर में 121 रन जोड़े। वोल्वार्ट ने 36 गेंदों में छह चौकों की मदद से 45 रन बनाए।वहीं, ब्रिट्स ने लाजवाब बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। ब्रिट्स ने 69 गेंदों में 114 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 15 चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं, अंत के ओवरों में एनेरी डेर्कसेन ने महज 16 गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 37 रन बनाए। गेंदबाजी में नीदरलैंड्स की तरफ से एकमात्र विकेट हन्ना लैंडहीर ने चटकाया।

हम तेजी से लक्ष्य हासिल करना चाहते थे

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि कहां है सुधार की जरूरत

मैनचेस्टर, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भारतीय टीम ने जिंदा रखा है। ग्रुप ए के मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई है, लेकिन उन्होंने माना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

बांग्लादेश को आसानी से हराया

ओल्ड टैफर्ड के मैदान पर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 136 रन लगाए। हालांकि, भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बूते 137 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। शेफाली ने 34 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में राधा यादव ने तीन विकेट चटकाए।

मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम का लक्ष्य मैच को जल्दी खत्म करना था ताकि नेट रन रेट में भी सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत ने जीत तो हासिल कर ली, लेकिन अगर टीम थोड़ा और जल्दी लक्ष्य हासिल कर लेती तो और बेहतर होता। फिर भी दो-तीन ओवर पहले मैच खत्म करना टीम के लिए सकारात्मक बात रही। जीत के बावजूद भारतीय कप्तान अपनी टीम की फील्डिंग से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखीं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार फील्डिंग पर मेहनत कर रही है, लेकिन इस मैच में भी कई आसान कैच छूट गए। इन गलतियों की वजह से बांग्लादेश की बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी बनाने का मौका मिला और टीम उम्मीद से ज्यादा रन बनाने में सफल रही।

हरमनप्रीत ने कहा कि फील्डिंग ऐसी चीज है, जिसमें टीम को जल्द सुधार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और ऐसी गलतियां नहीं दोहराएंगी। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़ियों से कैच छूटे, वे टीम के सबसे अच्छे फील्डरों में शामिल हैं। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी को दोष देना सही नहीं होगा। कप्तान ने कहा कि कभी-कभी मैदान पर ऐसे हालात बन जाते हैं, जिन्हें पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। जरूरी बात यह है कि खिलाड़ी लगातार अभ्यास करें और अपनी गलतियों से सीख लें।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर है ध्यान

हरमनप्रीत ने बताया कि टीम का पूरा ध्यान अब अगले मुकाबले पर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर अधिक समय बिताकर कैच पकड़ने और फील्डिंग में सुधार करने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े मुकाबलों में कोई आसान मौका हाथ से न निकल जाए। भारतीय कप्तान ने टीम चयन को लेकर भी अपनी रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट किसी एक तय प्लेइंग इलेवन पर निर्भर नहीं है। हर मुकाबले में विरोधी टीम की ताकत, कमजोरियों और पिच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अंतिम एकादश का चयन किया जाता है।

सेमीफाइनल के लिए हर हाल में चाहिए होगी जीत

भारतीय टीम को ग्रुप स्टेज के अपने अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। हरमनप्रीत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन भारतीय टीम ऐसे मुकाबलों का इंतजार करती है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को भारत की पसंदीदा विपक्षी टीम बताया।हरमनप्रीत ने कहा, हम जानते हैं कि हर मैच जीतना जरूरी है, और कभी-कभी जब चीजें आपके हिसाब से नहीं होतीं, तो आपको अपना बेस्ट देना होता है। ऐसे में मेरे हिसाब से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। अगर हम इस मैच को जीतने में सफल रहते हैं, तो इससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली पिछली जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उस जीत ने खिलाड़ियों का भरोसा मजबूत किया और कई मानसिक बाधाएं भी दूर कीं।

जर्मनी को हरा इतिहास रच गया इक्वाडोर पूरे देश में जश्न, अवकाश घोषित किया

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 से एक बेहद चौंकाने वाली और ऐतिहासिक खबर सामने आ रही है। ग्रुप-ई के अपने आखिरी मुकाबले में अंडरडॉग मानी जा रही इक्वाडोर की टीम ने बड़ा उलटफेर करते हुए चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को 2-1 से धूल चटा दी है। स्थानीय समयानुसार गुरुवार (25 जून) को न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच में जीत दर्ज कर इक्वाडोर ने विश्व कप के नॉकआउट स्टेज में जगह पक्की कर ली है। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने देश में राष्ट्रीय अवकाश की घोषणा कर दी है।

इस महाविजय के बाद राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक और गर्व से भरी पोस्ट साझा की। उन्होंने टीम की आलोचना करने वालों को करारा जवाब देते हुए खिलाड़ियों और मुख्य कोच सेबेस्टियन बेकासेसे का आभार जताया।

राष्ट्रपति नोबोआ ने लिखा 'खिलाड़ियों और कोच को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने तमाम आलोचनाओं, अपमान और कठिन दौर से गुजरने के बावजूद शानदार वापसी की और पूरे देश को यह असीम खुशी दी। कल (शुक्रवार) देश में छुट्टी रहेगी! इक्वाडोर अमर रहे। '

ऐसे पलटा मैच का पासा

इक्वाडोर के लिए यह राह आसान नहीं थी। टीम को अपने पहले मैच में आइवरी कोस्ट से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि कुराकाओ के खिलाफ दूसरा मैच गोलरहित ड्रा रहा था। वहीं दूसरी तरफ जर्मनी की टीम पहले ही नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुकी थी और मैच में जीत की प्रबल दावेदार थी।

मैच की शुरुआत में जर्मनी ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया। फ्लोरियन विर्ट्ज़ के पास पर लेरॉय साने ने मैच का पहला शॉट सीधे गोल पोस्ट के भीतर दागकर जर्मनी को शुरुआती बढ़त दिला दी। साने ने बड़ी ही आसानी से गेंद को इक्वाडोर के गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज को छकाते हुए निचले बाएं कोने में डाल दिया। इस गोल के तुरंत बाद इक्वाडोर के खिलाड़ियों ने फाउल की अपील की। रीप्ले में भी यह देखा गया कि गोल से ठीक पहले जर्मनी के अलेक्सांद्र पाव्लोविच का पैर इक्वाडोर के मिडफील्डर प्रेडो विटे के सिर पर लगा था, लेकिन अंपायर ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

निल्सन एंगुलो का जादुई गोल

शुरुआती झटका लगने के बावजूद इक्वाडोर ने हिम्मत नहीं हारी। टीम ने पूरे दमखम और आक्रामकता के साथ वापसी की। मैच के 9वें मिनट में ही निल्सन एंगुलो ने मिडफील्ड से मिले एक ढीले पास को लपका और मैनुअल न्युएर जैसे दिग्गज गोलकीपर को छकाते हुए एक बेहद दमदार लॉन्ग-रेंज शॉट लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद पहले हाफ तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं।

मैच का सबसे निर्णायक क्षण 77वें मिनट में आया। दाएं छोर से मिले एक कॉर्नर पर केविन रोड्रिगेज ने हवा में उछलकर गेंद को गोल पोस्ट की तरफ फ्लिक किया, जहां खड़े गोंजालो प्लाटा ने बिना कोई गलती किए फुर्ती से गेंद को नेट के अंदर धकेल दिया। इस गोल के होते ही स्टेडियम में मौजूद इक्वाडोर के फैंस और डगआउट में बैठे खिलाड़ी खुशी से झूम उठे।

सांस रोक देने वाला रोमांच

2-1 की बढ़त लेने के बाद इक्वाडोर की टीम पूरी तरह से डिफेंसिव मोड में आ गई। मैच के अंतिम क्षणों और 7 मिनट के इंजरी टाइम में जर्मनी ने बराबरी का गोल दागने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन इक्वाडोर के डिफेंस ने चट्टान की तरह डटकर जर्मनी के हर वार को नाकाम कर दिया। आखिरकार, अंतिम सीटी बजने के साथ ही इक्वाडोर ने 2-1 से मैच अपने नाम कर लिया।

सिंधुश्री ने पोल वॉल्ट में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, अनिमेष-उन्नथी ने किया क्वालिफाई

नई दिल्ली। 65वीं नेशनल सीनियर इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गुरुवार को कई भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2026 एशियन गेम्स के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की। प्रतियोगिता के दौरान सिंधुश्री ने महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जबकि स्प्रिंटर्स अनिमेष कुजूर और उन्नथी बोल्लांडा ने एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मानक हासिल कर लिया।

महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में सिंधुश्री ने 4.25 मीटर की ऊंचाई पार कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने रोजी मीना पॉलराज के 4.21 मीटर के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह रिकॉर्ड अक्तूबर 2022 में बेंगलुरु में आयोजित इंडियन चैंपियनशिप के दौरान बनाया गया था। इसी स्पर्धा में बरानिका फ्लैंगोवन ने 4.20 मीटर की छलांग लगाकर एशियन गेम्स 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया।पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अनिमेष कुजूर ने सेमीफाइनल में 20.87 सेकंड का समय निकालकर एशियन गेम्स का क्वालिफिकेशन मानक हासिल किया। इसके बाद फाइनल में उन्होंने 20.74 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में उन्नथी बोल्लांडा ने 23.658 सेकंड का समय निकालते हुए एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया। वहीं हरिता ने 23.55 सेकंड का समय लेकर क्वालिफिकेशन मानक पार किया और जापान में होने वाले महाद्वीपीय खेलों का टिकट हासिल किया।

वापसी के लिए तैयार सेरेना विलियम्स, पहले दौर में जॉइंट से सामना; जोकोविच को मिली सातवीं वरीयता

सात बार की विंबलडन एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से भिड़ेंगी। यह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी।

सेरेना की टेनिस में वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से हुई थी, लेकिन रविवार को ऑल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी को नई गति मिल गई। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहां उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने संन्यास शब्द का इस्तेमाल करने से इनकार करते हुए कहा था कि वह टेनिस से दूर होकर अपने जीवन के नए चरण की ओर बढ़ रही हैं। साल 2023 में उनकी दूसरी बेटी का जन्म हुआ था। विम्बलडन में सेरेना पिछला मुकाबला 2022 में खेली थी। उन्हें तब पहले दौर में ही तत्कालीन विश्व नंबर 115 हार्मनी टैन ने पराजित किया था।पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जबकि महिला वर्ग में एरीना सबालेंका को शीर्ष वरीयता मिली है। विंबलडन की वरीयताएं एटीपी और डब्ल्यूटीए रैंकिंग के आधार पर निर्धारित की जाती हैं।

जिलेभर में मुस्लिम समुदाय ने मनाया शहादत का पर्व मोहर्रम

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिलेभर में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने शहादत का पर्व मोहर्रम शुक्रवार को पूरे नियम से मनाया। जहां कुछ लोग रोजा भी रखा और सुबह नमाज अदा की और मुहर्रम पर हुसैन की शहादत को याद किया। इस दौरान अनेक जिलों व गाँवों में ताजिया निकाल कर कर्बला तक पहुँचे । जिसमें मातमी जुलूस में काफी संख्या में लोग शामिल हुए।

लेकिन खूँटी शहर में जुलूस नहीं निकाला गया और अपने अपने घरों में ही मुहर्रम सादगी के साथ मनाया। लेकिन शहर के सभी मस्जिदों में नमाज अदा किया गया। जहां इमाम द्वारा कर्बला के मैदान में हुसैन की शहादत की यादों को बतलाया गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिनभर सड़कों पर मुस्तैद रहे। मुहल्लों और कार्यक्रमों वाले स्थल पर पुलिस पदाधिकारी व आरक्षी जवान तैनात रहे। जिनके उपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग हमेशा उनपर नजर रखे रहें। वहीं क्यूआरटी भी तत्पर रही। जहाँ भी पुलिस ड्यूटी पर रहे उनसे वस्तुस्थिति का जायजा लेते रहे। वहीं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्र में जवान निगरानी करते रहे।

वहीं ओंडरा गाँव में मुहर्रम पर्व के अवसर पर सुबह में जामा मस्जिद में नमाज अदा किया गया। और दूसरी बेला ग्रामीण महिला पुरूष सभी मिलकर मातमी जुलूस निकाला। जो इमामबाड़ा से कर्बला तक सैकड़ों लोग हुसैन के शहादत को याद कर ताजिया के साथ जुलूस में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में सदर वाहिद खान , सचिव हारुन खान, उपाध्यक्ष बाबर खान , शेख कादिर, शेख सेराज , सैफ अंसारी , शेख अनवर आदि ने भूमिका निभाई। इसके अलावे , तोरपा , तपकरा , सोदे , गोविंदपुर, बरवादाग, कर्रा, लोधमा, बिरदा, मुरहू और सिंदरी गांव में भी मुहर्रम पर्व मनाया गया।

वज्रपात की चपेट में आने से एक महिला की मौत

खूँटी । जिले में इन दिनों वज्रपात की घटना बढ़ गयी है। आये दिन किसी न किसी गांव में वज्रपात की चपेट में आने लगे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को कर्रा प्रखंड के मेहा पंचायत के मेहा गांव में दोपहर करीब ढाई बजे वज्रपात की चपेट में आने से एक 28 वर्षीय महिला रानी महुकल की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार , रानी महुकल दोपहर को मछली पकड़ने गयी थी तभी मौसम का खराब होने पर वह घर लौट रही थी। लेकिन दोपहर ढाई बजे अचानक बारिश होने लगी तो वह एक आम पेड़ के नीचे आ गयी । तभी तेज गर्जना के साथ वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गयी, घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने उसे उठाकर तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्रा लाया। जहाँ चिकित्सकों ने जाँच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही गाँव में शोक की लहर दौड़ गयी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कर्रा प्रखंड क्षेत्र के अनेक गाँवों में काफी समय से रहा है भूमि विवाद

बांदु में विशेष ग्रामसभा आयोजित, परती जमीन की खरीद-बिक्री व दाखिल-खारिज पर रोक लगाने की मांग

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा प्रखंड में जमीन विवाद और अवैध कब्जा का मामला हमेशा उभरता रहा है। हाल ही के दिनों में जरिया गढ़ थाना क्षेत्र अन्तर्गत कई गाँवों में भी मामला आया, जहाँ काफी संख्या में लोग जमीन पर उतरे थे।

यही कारण है कि शुक्रवार को बांदु गांव में विशेष ग्रामसभा का आयोजन किया गया। जिस ग्रामसभा का मुख्य मुद्दा प्राथमिक विद्यालय बांदु के समीप स्थित परती भूमि की गैरकानूनी खरीद-बिक्री एवं दाखिल-खारिज पर रोक लगाने की मांगें थी।

जिस ग्रामसभा में अंचल अधिकारी अन्वेषा ओना, अंचल निरीक्षक सुकेश रंजन, राजस्व उप निरीक्षक काशिफ रजा, ग्राम प्रधान, कर्रा प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अल्बर्ट तिग्गा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने बताया कि उक्त भूमि का उपयोग वर्षों से जतरा मेला आयोजन स्थल के रूप में किया जाता रहा है। इसके अलावा गांव के बच्चे एवं युवा इसी मैदान में खेलकूद और अन्य सामाजिक गतिविधियां संचालित करते हैं।

ग्रामीणों ने कहा कि यदि इस भूमि की खरीद-बिक्री और दाखिल-खारिज की प्रक्रिया जारी रहती है, तो गांव की सार्वजनिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। इसलिए जनहित को देखते हुए भूमि के हस्तांतरण पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा इसे सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखा जाए।

ग्रामवासियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस पर अंचल अधिकारी अन्वेषा ओना ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि मामले की जांच कर न्यायसंगत एवं विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामसभा के दौरान ग्रामीणों ने एकजुट होकर सार्वजनिक उपयोग की भूमि को संरक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया और प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की।

संक्षिप्त खबरें

कहीं बारिश कहीं सूखा माहिल गाँव में टैंकर से बिचड़े बचाने में जुटे किसान

खूँटी । मौसम विभाग येलो एलर्ट जारी किया है और कहीं कहीं बारिश तो हो रही है पर खूँटी जिले के मुरहू प्रखण्ड अंतर्गत महिल गाँव में बारिश पर्याप्त नहीं होने से किसानों के खेत तैयार नहीं हुए हैं। पिछले एक सप्ताह से किसान अपने खेतों में धान का बिचड़ा तैयार तो कर रहे हैं। लेकिन खेत तैयार नहीं होने के कारण उन्हें समस्या नजर आने लगा है। कई किसान जुताई किये हुए खेत में पानी डालकर कीचड़ बनाने में लगे हुए हैं। किसानों के अनुसार, खेतों में कावेरी, पायनियर, बजाज और महिंद्रा समेत विभिन्न किस्मों के धान के बीजों से बिचड़ा तैयार है। लेकिन रोपाई लायक पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। इसलिए बारिश की कमी के कारण किसान टैंकरों से पानी लाकर खेत तैयार करने लगे हैं। ताकि पौधे समय पर खेत तैयार हो जाए और धान की रोपाई कर सकें। किसानों का कहना है कि खेती पूरी तरह मानसून पर निर्भर है और इस बार भी मौसम को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। किसान महावीर महतो ने बताया कि उन्होंने लगभग 25 किलो धान का बिछड़ा तैयार किया है। वहीं दयानंद मांझी ने करीब 20 किलो बीज की बुवाई की है। इसके अलावा घासी मुंडा, सस्ती भोगता, अरुण काशी, फिरंगी काशी, कमलनाथ महतो, रंजीत महतो, चंदन मांझी, सुमन मांझी, लालू उरांव और पंचु सहित कई किसानों ने 10 से 25 किलो तक धान का बीज से बिचड़ा तैयार कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि हर वर्ष बढ़ती लागत, उर्वरक और बीज की कीमतों के बावजूद उन्हें फसल का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। इसके बावजूद वे अच्छी बारिश और बेहतर फसल की उम्मीद के साथ दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। अब सभी किसानों की निगाहें मानसून की बारिश पर टिकी हैं, ताकि समय पर रोपाई कर अच्छी उपज प्राप्त की जा सके।

झामुमो के पूर्व उम्मीदवार सुशील पाहन का निधन

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुण्डा समेत खूंटी व तोरपा विधायक शव यात्रा में हुए शामिल, क्षेत्र में शोक की लहर

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिला के कर्रा प्रखंड अंतर्गत डूफू गाँव निवासी जेएमएम के वरिष्ठ नेता और भारत मुंडा समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुशील पाहन की गुरुवार की रात्रि हृदयाघात से मौत हो गई। जिस दुखद घटना शुक्रवार की सुबह सुशील पाहन की निधन की खबर मिला तो पूरा खूँटी जिला शोक में डूबा गया। इस घटना की खबर पाकर झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुण्डा भी उनके पैतृक आवास डूफू गांव पहुँचे व श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही , शव यात्रा में शामिल हुए। वहीं खूँटी विधायक राम सूर्या मुण्डा और तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए। वहीं सैकड़ों लोगों को उपस्थिति में सुशील पाहन के पार्थिव शरीर को रुढ़िवादी परम्परा जनजातीय रीति रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

परिजनों ने बताया कि दो चार दिनों से सुशील पाहन का तबियत खराब था, उनका ब्लड शुगर बढ़ा हुआ था। हमलोग राँची, लालपुर स्थित के ही मेमोरियल हॉस्पिटल में उन्हें भर्ती किये थे, गुरुवार को रात्रि लगभग नौ बजे वे खाना खाये। और सवा नौ बजे रात में दो बार तुरंत हृदयाघात हुआ और फिर सहन नहीं कर सके।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सुशील पाहन भारत मुंडा समाज के प्रदेश अध्यक्ष थे। वे हमेशा आदिवासी समाज के उत्थान के लिए सोंचते थे। साथ ही क्षेत्र का विकास के बारे बातें करते रहते थे। उन्होंने कहा कि हमारी मुलाकात कुछ दिन पूर्व जमशेदपुर में एक कार्यक्रम में हुई थी। हमलोग साथ में भोजन भी किये थे। सुशील पाहन का आकस्मिक निधन जनजातीय समाज के साथ क्षेत्र वासियों के लिए अपूर्णीय क्षति है।

खूंटी विधायक राम सूर्या मुंडा ने कहा सुशील पाहन एक सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। वे हमेशा हमलोगों को राजनीति के क्षेत्र में मार्ग दर्शन करते थे। उनका निधन सोंच से परे है।

तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि सुशील पाहन हमलोगों के मार्गदर्शक थे। वे कम शब्दों में सटीक बात बोलते थे जिससे हमलोग पार्टी में अनुपालन करते थे।

मौके पर, झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद , भाजपा नेता , घुरन महतो, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष विष्णु प्रसाद सोनी, राजेन मुण्डा, अनुप लकड़ा, राहुल केशरी, बिनोद उराँव, अजीत मुंडा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

वहीं पार्टी हो या समाज के अन्य वर्ग के लोग भले ही उनके इस दुखद घड़ी में उनके घर नहीं पहुंचे। लेकिन उन्होंने भी दूर से ही सही संवेदना व्यक्त किया है। कोई सोशल मीडिया के माध्यम से तो कोई अन्य माध्यमों से। लेकिन समाज के उत्प्रेरक मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी सुशील पाहन के निधन पर संवेदना व्यक्त करने में पीछे नहीं रहे।

बारिश होने से खेत हुआ नमी और किसान हुए सक्रिय

बिभा संवाददाता

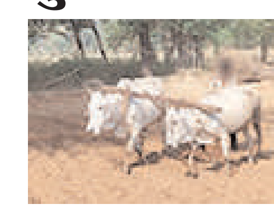

खूँटी । जिले में लगातार है रही बारिश के साथ अब किसान खेतों में पहुंचने लगे हैं। खूँटी जिला विशेष कर धान की खेती के लिए जाना जाता है। और बारिश होने से अब हर बैल और ट्रैक्टर लेकर खेतों की जुताई शुरू हो गयी है। लोग धान बीज का जुगाड़ , खाद और गोबर खेतों में डालने लगे हैं। ताकि खेत की उर्वरता बनी रहे। महिला हो या पुरुष सभी खेती लायक भूमि तैयार करने के लिए सुबह से ही अपने अपने खेतों में पहुंच रहे हैं। जहां दिन में लोग गांव में नजर आते थे वहीं अब गांव सुनसान और खेत में लोग नजर आने लगे हैं। खेती बारी शुरू होने से अब मजदूर मिलना भी मुश्किल हो गया है। हालांकि अभी। शुरूआत है इसलिए अभी किसान बिचड़ा तैयार करने में जुट गये हैं। जैसे ही खेतों में बिचड़ा तैयार हो जाएगा । वैसे ही लोग मदइत परम्परा से एक दूसरे को सहयोग करके खेती कार्य में जुट जाएंगे। लेकिन अभी बारिश शुरू होते ही खेत में जैसे ही नमीपव आ गया लोगों में खेती को लेकर सक्रिय हो गये हैं ।

कारोबार

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.58 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली/मुंबई। आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 जून को समाप्त हफ्ते में 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 672.58 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.98 अरब डॉलर घटकर 671.62 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 19 जून को समाप्त हफ्ते में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.63 करोड़ डॉलर (963 मिलियन डॉलर) की बढ़त के साथ 672.58 अरब डॉलर पर रहा है। आंकड़ों के मुताबिक इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 9.98 अरब डॉलर घटकर 671.62 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के अनुसार इस दौरान मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 3.07 अरब डॉलर घटकर 541.217 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि, इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.11 अरब डॉलर बढ़कर 107.93 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 5.2 करोड़ डॉलर घटकर 18.647 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 19 जून को समाप्त हफ्ते के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित कोष 2.2 करोड़ डॉलर घटकर 4.79 अरब डॉलर रहा।

सराफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में आज जबरदस्त गिरावट का रुख बना रहा। भाव में आई कमजोरी के कारण आज चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सराफा बाजार में सोना 2,750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 2,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट आई है। चांदी भी आज के कारोबार में 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक लुढ़क गई। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,41,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करता रहा। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,29,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिका। चांदी के भाव में भी गिरावट होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिकी। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,41,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,29,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,41,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,29,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,41,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,29,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,41,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,29,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,41,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,29,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ईवी कारें हो सकती है महंगी, रीसाइक्लिंग नियमों पर सायम ने जताई चिंता

संगठन ने कहा- 3 से 5 फीसदी तक बढ़ सकती हैं कीमतें, बिक्री पर भी पड़ेगा असर

नई दिल्ली ।

वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम (सायम) ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को आगाह किया है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित बैटरी रीसाइक्लिंग लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतों में 3 से 5 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकते हैं।

संगठन का मानना है कि इन सख्त नियमों से देश में ईवी की बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

सायम ने पिछले साल नवंबर में सीपीसीबी को भेजे पत्र और हाल ही में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ बैठक में अपनी चिंताएं रखीं।

उनका कहना है कि मौजूदा नियमों को मानने से औसतन 35-40 किलोवॉट घंटे वाली इलेक्ट्रिक कार बैटरी की लागत में 8,000 से 25,000 रुपये तक की वृद्धि हो सकती है, जिसमें बैटरी संग्रह, भंडारण और हैंडलिंग का खर्च अलग से होगा।

सायम का मुख्य तर्क यह है कि बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत वाहन विनिर्माताओं को 8 साल के उपयोग के बाद 70 फीसदी बैटरियां (जो अंततः 82 फीसदी तक बढ़ेंगी) एकत्र करनी होंगी।

जबकि लीथियम आयरन फॉस्फेट (एलएफपी) बैटरियों की उम्र काफी लंबी होती है।

संगठन ने सीपीसीबी से नियमों को आसान बनाने की अपील की है, क्योंकि मौजूदा धातु-विशिष्ट रिकवरी लक्ष्य रीसाइक्लिंग के दौरान होने वाले नुकसान और बैटरी घटकों के अंतर को ठीक से ध्यान में नहीं रखते, जिससे उत्पादकों पर अनुचित बोझ पड़ सकता है। यह नियम विस्तारित उत्पादक दायित्व ढांचे का हिस्सा हैं।

हुंडई की दो सालों में पांच नई गाड़ियां लॉन्च करने की योजना

नई दिल्ली ।

वाहन निर्माता कंपनी हुंडई भारतीय बाजार में अपनी दूसरी पोजीशन को बनाए रखने बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है। कंपनी अगले दो सालों में पांच नई गाड़ियां लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिनमें नई क्रेटा से लेकर 7-सीटर एसयूवी तक शामिल हैं। इस लिस्ट में सबसे पहले अगली पीढ़ी की क्रेटा एसयूवी है, जिसकी टेस्टिंग भारत और दक्षिण कोरिया में चल रही है। यह नए के3 प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और इसमें पूरी तरह से नया डिजाइन, बड़ी टचस्क्रीन और एक मजबूत हाइब्रिड वर्जन मिलने की उम्मीद है, जो 2027 की शुरुआत में आ सकती है। इसके बाद हुंडई बेयोन क्रॉसओवर एसयूवी आएगी, जिसे वेन्यू और क्रेटा के बीच पोजिशन किया जाएगा। यह आधुनिक डिजाइन, डुअल 12.3-इंच स्क्रीन और स्ट्रॉन्ग-हाइब्रिड इंजन के साथ 2026 के अंत तक लॉन्च हो सकती है। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में, हुंडई एचई1आई (HEvi) इलेक्ट्रिक माइक्रो-एसयूवी लाने वाली है, जो टाटा पंच ईवी को टक्कर देगी। यह डेडिकेटेड ई-जीएमपी प्लेटफॉर्म पर बनेगी और 300 से 350 किमी की रेंज देने का दावा करेगी, जिसके 2026 में आने की संभावना है।

डॉलर के आगे फीकी पड़ी चमक, सोना 3 माह, चांदी 6 माह के निचले स्तर पर

5 हजार रुपए सस्ती हुई चांदी, सोने के दामों में भी आई भारी गिरावट

नई दिल्ली ।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के आंकड़ों के मुताबिक भारतीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

सोना तीन महीने के निचले स्तर पर आ गया है, जबकि चांदी छह महीने के निचले स्तर पर कारोबार कर रही है। घरेलू बाजार में 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 2,800 रुपए गिरकर 1,45,300 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया है, जो इसका तीन महीने का सबसे निचला स्तर है। वहीं, चांदी भी 5,000 की गिरावट के साथ 2,26,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जो इसका छह महीने का निचला स्तर है। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों द्वारा कीमती धातुओं के बजाय डॉलर को प्राथमिकता देने और लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की संभावना से इन पर दबाव बना है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने भी मजबूत डॉलर को गिरावट का मुख्य कारण बताया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर सोना 0.53 फीसदी गिरकर 3,978.06 डॉलर प्रति औंस पर आ गया है, जो नवंबर 2025 के बाद पहली बार 4,000 रुपए के अहम स्तर से नीचे है। हाजिर चांदी भी 0.56 फीसदी गिरकर 57.10 रुपए प्रति औंस के छह महीने के निचले स्तर पर आ गई। निवेशक अब अमेरिका के नए आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं, जो भविष्य की ब्याज दरों पर असर डाल सकते हैं।

आरबीआई ने क्रेडिट डेरिवेटिव्स नियमों में ढील दी, कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को मिलेगी मजबूती

बैंकों और बड़ी कंपनियों को जोखिम प्रबंधन में मिलेगी अधिक सुविधा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश के कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को नई गति देने और वित्तीय संस्थानों को जोखिम प्रबंधन में सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से क्रेडिट डेरिवेटिव्स के लिए नए नियम जारी किए हैं। सरकार के बजट में इस बाजार को बढ़ावा देने की घोषणा के बाद ऋक्ष्ठ का यह कदम कंपनियों के लिए फंड जुटाना आसान बनाने और वित्तीय बाजार में तरलता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। नए नियमों के तहत, भारतीय निवासी गैर-रिटेल उपयोगकर्ता, जैसे बैंक, वित्तीय संस्थान और बड़ी कंपनियां, अब क्रेडिट डिफॉल्ट स्वैप (सीडीएस) और टोटल रिटर्न स्वैप (टीआरएस) जैसे क्रेडिट डेरिवेटिव्स का इस्तेमाल किसी तय उद्देश्य के प्रतिबंध के बिना कर सकेंगे। यह उन्हें अपने क्रेडिट जोखिम का बेहतर प्रबंधन करने में मदद करेगा। हालांकि, अनिवासी निवेशकों को इन साधनों का उपयोग केवल हेजिंग यानी अपने निवेश को संभावित नुकसान से बचाने के लिए ही करने की अनुमति होगी, जबकि छोटे (रिटेल) निवेशकों के लिए मौजूदा सीमाएं जारी रहेंगी ताकि उन्हें अत्यधिक जोखिम से बचाया जा सके। आरबीआई ने क्रेडिट डेरिवेटिव सौदों के भुगतान के लिए भारतीय रुपये या विदेशी मुद्रा दोनों के उपयोग की अनुमति दी है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने ऋण (लोन) पर क्रेडिट डेरिवेटिव्स की अनुमति देने की मांग को अस्वीकार कर दिया है। ऋक्ष्ठ का मानना है कि ऐसा करने से बाजार में अनावश्यक जोखिम बढ़ सकता है, इसलिए फिलहाल इस तरह के लेनदेन को मंजूरी नहीं दी गई है, जो वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने में मदद करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इन नए नियमों से भारतीय कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को बड़ा लाभ मिलेगा। कंपनियां अपने क्रेडिट जोखिम को अधिक आसानी से प्रबंधित कर पाएंगी, जिससे बॉन्ड जारी करना सरल होगा और फंड जुटाने की लागत भी कम होगी। यह बाजार में तरलता बढ़ाएगा और निवेशकों को नए विकल्प प्रदान करेगा।

बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए भी यह कदम उनकी बैलेंस शीट को मजबूत करने और पूरे वित्तीय तंत्र की स्थिरता बढ़ाएगा। यह भारत के क्रेडिट डेरिवेटिव्स बाजार को वैश्विक मानकों के करीब लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

झारखंड फिल्म फेस्टिवल शुरू, देशभर के 84 में से 67 फिल्मों का स्क्रीनिंग के लिए चयन

बिभा संवाददाता

रांची। रांची स्थित सरला बिरला यूनिवर्सिटी (एसयूबी) में चित्रपट झारखंड के तत्वावधान में आयोजित झारखंड फि ल्म फेस्टिवल 2026 का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो (डॉ) गोपाल पाठक, डायरेक्टर जनरल और विशिष्ट अतिथि एवं कुलपति प्रो. (डॉ) जेगनाथन चोकलींगम ने अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर फेस्टिवल की स्मारिका चित्रपटल का भी लोकार्पण किया गया।

फेस्टिवल के लिए देशभर से 84 फिल्मों की प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं, जिनमें से 67 फिल्मों का चयन स्क्रीनिंग के लिए किया गया है। तीन दिवसीय इस महोत्सव में चयनित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें झारखंड की संस्कृति, प्रकृति और स्थानीय प्रतिभाओं की झलक देखने को मिलेगी।

मुख्य अतिथि प्रो (डॉ) गोपाल पाठक ने कहा कि भारतीय सिनेमा ने दादा साहब फाल्के के दौर से लेकर आज के एआई युग तक लंबी यात्रा तय की है। उन्होंने कहा कि झारखंड प्राकृतिक सौंदर्य और प्रतिभा से समृद्ध राज्य है और यहां फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने चुटुपालू घाटी, जोन्हा फॉल, दशम फॉल और पत्रातु डैम जैसे स्थलों को उत्कृष्ट फिल्म शूटिंग लोकेशन बताते हुए कहा कि इन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की आवश्यकता है।

उन्होंने सरला बिरला यूनिवर्सिटी में फिल्म मेकिंग सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इससे युवाओं को व्यवस्थित प्रशिक्षण मिलेगा और झारखंड का उभरता फिल्म उद्योग जॉलीवुड नई पहचान बनाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

विशिष्ठ अतिथि कुलपति प्रो (डॉ) जगनाथन चोकलींगम ने कहा नई सोच और युवा प्रतिभाएं झारखंड सिनेमा की तस्वीर कि बदल सकती है, किसी भी फिल्म उद्योग की सफलता नई सोच, रचनात्मकता और तकनीक के समन्वय से संभव होती है। उन्होंने तमिल सिनेमा में भारतीराजा, इलैयाराजा, मणिरत्नम और एआर रहमान जैसे रचनाकारों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड के युवा भी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

उन्होंने बताया कि सरला बिरला यूनिवर्सिटी के मास कम्युनिकेशन विभाग में अंतरराष्ट्रीय स्तर की मीडिया लैब विकसित की जा रही है। साथ ही भविष्य में फिल्म मेकिंग, ड्रामा एवं क्रिएटिव आर्ट्स से संबंधित डिग्री पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की योजना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय झारखंड के फिल्म एवं रचनात्मक उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में चित्रपट झारखंड के अध्यक्ष नंद कुमार सिंह, सचिव सुमित मित्तल, सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुमार, जूरी मेम्बर डॉ देव व्रत सिंह ,विभागाध्यक्ष मास कॉम, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य आशुतोष द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों, प्रतिभागी, फिल्मकार और कला-संस्कृति से जुड़े लोगों की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त खबरें

हत्या कर चालक का शव फेंका झाड़ी में, जांच में जुटी पुलिस

कोडरमा(बिभा)। डोमचांच प्रखंड के नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमाझगिरिडीह मुख्य मार्ग पर पुरनाडीह और नवादा पुल के बीच स्थित झाड़ी से शुक्रवार की सुबह एक ट्रैक्टर चालक का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बिहार के रजौन (मुड़वारो) निवासी प्रभु यादव के पुत्र सुनील कुमार यादव (44) के रूप में हुई है। फुलवरिया निवासी अनु कुमार मेहता ने बताया कि सुनील उनके ट्रैक्टर का चालक था और पुरनाडीह में किराये के मकान में रहता था। गुरुवार रात वह अपने चचेरे भाई के साथ मुर्गा खाने की बात कहकर निकला था। उसका चचेरा भाई पुरनाडीह की एक नंबर खदान में हाईवा चलाता है। देर रात तक घर नहीं लौटने पर शुक्रवार सुबह उसकी तलाश की गई। खोजबीन के दौरान पुरनाडीहझनवादा पुल के समीप झाड़ी में उसका शव पड़ा मिला। अनु कुमार मेहता ने आशंका जताई कि घटनास्थल पर बालू बिखरा हुआ था। उनके अनुसार, किसी बालू ट्रैक्टर से जुड़े विवाद में सुनील की हत्या कर शव वहां फेंका गया होगा। हालांकि, इस आशंका की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूचना मिलते ही नवलशाही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, कोडरमा भेज दिया। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है और हत्या के कारणों और आरोपितों का पता लगाने में जुटी है।

ईएसआईसी अस्पताल में नशामुक्ति समाज निर्माण करने का लिया संकल्प

रांची(बिभा)। अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर ईएसआईसी मॉडल हॉस्पिटल, रांची में शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आमजनों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किए जाने और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करने के उद्धेश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में झारखंड में नशे के खिलाफ व्यापक मुहिम चलाने का निर्णय लिया गया। नशामुक्त समाज के निर्माण और जनजागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर एफएमटी विभाग के डॉ अभिषेक कुमार ने कहा कि मादक द्रव्यों का सेवन व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और देश को भी प्रभावित करता है। इसके कारण स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक संबंधों पर प्रतिकूल असर पड़ता है। मौके पर साइकियाट्री विभाग की डॉ अभीप्सा ने कहा कि युवाओं में बढ़ता तनाव, जिज्ञासा और गलत संगति नशे की प्रवृत्ति को बढ़ावा देती है। उन्होंने लोगों से नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी में शामिल असामाजिक तत्वों की जानकारी पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने बताया कि सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाती है तथा उपयोगी सूचना पर सरकार की ओर से एक लाख रुपये तक के पुरस्कार का प्रावधान है। कार्यक्रम में डीन-इन-चार्ज डॉ सामंथा, डॉ श्वेत निशा, डॉ श्वेता कुणाल, डॉ मंटू, डॉ सृष्टि और डॉ कश्मीरा सहित चिकित्सक, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग मौजूद थे।

हिन्दुस्तान प्रतिभा सम्मान समारोह में तीन सौ से अधिक छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

शिक्षा के साथ साथ अन्य जीवन मुल्यों को भी विकसित करना आवश्यकः डीसी

बिभा संवाददाता

सिमडेगाः शुक्रवार को नगर भवन में आयोजित हिन्दुस्तान प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 में जिले के त्तीन सौ से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सीबीएसई, आईसीएसई, जैक सहित विभिन्न बोर्ड की मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक और विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीसी कंचन सिंह सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पारंपरिक नगाड़ा बजाकर किया। इसके बाद हिन्दुस्तान परिवार की ओर से सभी अतिथियों का पौधा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। पूरे सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच समारोह का आगाज हुआ।

प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए डीसी कंचन सिंह ने उपस्थित छात्रों के मन में उर्जा का संचार करते हुए उनका उत्साह वर्द्धन किया। डीसी ने सभी छात्रों को मेहनत, लग्न, परिश्रम और समर्पित भाव से पढ़ाई करने की बात कही। डीसी ने कहा कि शिक्षा के साथ साथ इंसान को अपने व्यवहार और जीवन शैली में अन्य जीवन मुल्यो का भी विकास करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को जीवन में कभी निराश नहीं होने की बात कहते हुए कहा कि शिक्षा का उददेश्य सिर्फ नौकरी पाना नहीं है बल्कि अपने व्यवहार, कार्य, क्षमता के आधार पर बेहतर कार्य करना होता है। डीसी कंचन सिंह ने उपस्थित छात्रों को सफलता पर अहंकार नहीं करने की भी सलाह देते हुए कहा कि अंहकार विनाश का कारण होता हे। इसलिए अपने व्यवहार में कभी भी अहंकार को आगे न आने दे। डीसी कंचन सिंह ने उपस्थित छात्रों को संस्कार, पारिवारिक मुल्य एवं अन्य एक्टिवीटी के संबंध में भी जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा के साथ साथ अन्य एक्टिवीटी को भी सीखना बेहद जरुरी होता है। डीसी ने सीएम हेमंत सोरेन के मार्ग दर्शन में जिले के सभी छात्रों को बेहतर और सुलभ शिक्षा के लिए जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए स्टेडी सेंटर, करियर कांउसेलिंग सेंटर, पुस्तकालय आदि की भी जानकारी देते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

निरंतर प्रयास और हौसले से ही मिलती है सफलताः एसडीओ

एसडीओ सुमंत तिर्की ने अपने संबोधन के माध्यम से बच्चों को बेहतर भविष्य के लिए मार्ग दर्शन दिया। एसडीओ ने कहा कि निरंतर प्रयास और हौसले से सफलता जरुर मिलती है। उन्होंने कहा कि इंसान को असफलता से निराश नहीं होना चाहिए बल्कि अपने क्षमता और हौसले पर विश्वास रखते हुए प्रयास करते रहना चाहिए। एसडीओ ने हिंदुस्तान के कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों का हौसला बढ़ता है और बच्चों को और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। एसडीओ ने सभी बच्चों से तनाव मुक्त होकर पढ़ाई करने की बात कही। उन्होंने अभिभावकों से बेटियों की पढ़ाई बीच में नहीं छुड़वाने की अपील की।

जीवन में सफलता के पहली सीढ़ी होती है मैट्रिक की परीक्षाः सीओ

मैट्रिक की परीक्षा सफलता की पहली सीढ़ी होती है। मैट्रिक की परीक्षा के बाद से छात्रों को अपने कैरियर के अनुसार पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए। सीओ इम्तियाज अहमद ने अपने संबोधन में हिन्दुस्तान के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह से छात्रों को जो उर्जा मिलेगी वह मील का पत्थर साबित होगी। सरकार और प्रशासन के माध्यम से जिले में सभी लोगों को बेहतर उच्च शिक्षा देने की बात कहते हुए सीओ ने सभी सफल छात्रों को शुभकामना दी। सीओ ने कहा कि आदिवासी बहूल क्षेत्र में शिक्षा का दीप जलाना एक उपलब्धि की तरह हैं।

धर्म परिवर्तन के खेल का भंडाफोड़, प्रार्थना सभा से दर्जनों महिलाएं हिरासत में

बिभा संवाददाता

कोडरमा। जिले के सतगावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत मौजा चांदडीह ग्राम लक्ष्मणडीह में शुक्रवार धर्म परिवर्तन कराए जाने का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस और प्रशासनिक टीम ने मौके पर छापेमारी की। इस दौरान धर्म परिवर्तन के खेल में शामिल दर्जनों महिलाओं को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है, जबकि ग्रामीणों को गुमराह कर इस कार्य को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपित मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को लक्ष्मणडीह निवासी महेंद्र राजवंशी के घर में दर्जनों की संख्या में महिलाओं को जुटाकर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। स्थानीय ग्रामीणों को जब इसकी भनक लगी और धर्म परिवर्तन का संदेह हुआ तो उन्होंने तुरंत इसकी सूचना सतगावां थाना को दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए थाना प्रभारी बबलू कुमार सिंह और अंचलाधिकारी केशव प्रसाद चौधरी पुलिस बल और महिला पुलिस कर्मियों के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे।

पुलिस को देखते ही वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके से दर्जनों महिलाओं को हिरासत में लिया और उन्हें पूछताछ के लिए सतगावां थाना लाया गया। तलाशी और जांच के दौरान उपस्थित सभी महिलाओं के पास से ईसाई धर्म से जुड़ी बाइबिल

किताब बरामद की गई है। थाने में पूछताछ के दौरान धर्म परिवर्तन टीम में शामिल एक महिला ने स्वीकार किया कि वे लोग पिछले 02 वर्षों से अधिक समय से इस संगठन से जुड़े हुए हैं।

महिला ने बताया कि उन्हें जहां भी बुलाया जाता है वे वहां प्रार्थना के लिए जाते हैं और वे लोग क्रिश्चियन संगठन में जाकर नियमित रूप से प्रार्थना करते हैं। पुलिस की छापेमारी की भनक लगते ही धर्म परिवर्तन का मुख्य मास्टरमाइंड मौके से भाग निकला। बताया जा रहा है कि सतगावां थाना क्षेत्र के गांगडीह, वैधडीह, लक्ष्मणडीह, सिहास, बिझबरिया, रामशाला और अन्य क्षेत्रों के दो मुख्य लोग इन सभी को बहला फुसलाकर धर्म परिवर्तन करवाने का कार्य कर रहे थे।

सूत्रों के अनुसार सतगावां प्रखंड के कई सुदूरवर्ती और ग्रामीण इलाकों में धर्म परिवर्तन का यह सिलसिला काफी समय से चोरी छिपे चल रहा है जहां सीधे साधे ग्रामीणों को विभिन्न प्रकार के प्रलोभन देकर निशाना बनाया जा रहा है। फिलहाल पुलिस हिरासत में ली गई महिलाओं से पूछताछ कर इस रैकेट के मुख्य सरगनाओं का पता लगाने में जुटी है।

सीयूईटी-2026 में जेवीएम श्यामली के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची। जवाहर विद्या मंदिर (जेवीएम) श्यामली के विद्यार्थियों ने सीयूईटी-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय की शैक्षणिक परंपरा को एक बार फिर गौरवान्वित किया है।

विभिन्न विषयों में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय अंक हासिल कर देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश की दिशा में मजबूत दावेदारी पेश की है। जेवीएम की ओर से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि विद्यालय की छात्रा रिद्धि सिन्हा ने 948 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया।

इसके अलावा आदित्य सिन्हा ने 920, नंदिनी रॉय ने 877, प्रखर कुमार ने 813, सिद्धि सिन्हा ने 810, अभिनव कुमार मिश्रा ने 793, अक्षवर्धन सिंह ने 775, झलक लाल ने 772 और विशाखा ने 744 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बीएन झा ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सीयूईटी-2026 में छात्रों की उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है और उन्हें विश्वास है कि विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे।

मोहर्रम पर मंत्री इरफान अंसारी ने अखाडे में भांजी लाठी

बिभा संवाददाता

जामताडा। मंत्री इरफान अंसारी ने मोहर्रम पर जामताड़ा जिले के विभिन्न क्षेत्रों का शुक्रवार को दौरा कर आयोजित अखाड़ा प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

इस दौरान मंत्री ने अखाडे में मौजूद युवाओं के साथ लाठी भांजते हुए अपने हूनर का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही युवाओं के जोश, अनुशासन और पारंपरिक युद्धकला के प्रदर्शन की सराहना की। मंत्री ने कहा कि अखाड़ों में युवाओं की ओर से प्रदर्शित साहस और अनुशासन गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि जिस लगन और प्रतिबद्धता के साथ युवा लाठी-डंडा और पारंपरिक युद्धकला का प्रदर्शन करते हैं, उसी समर्पण के साथ उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए। अंसारी ने कहा कि शारीरिक रूप से सशक्त होने के साथ-साथ मानसिक रूप से मजबूत और शिक्षित होना भी आवश्यक है। शिक्षा, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही युवाओं को समाज, राज्य और देश के विकास में सार्थक योगदान देने योग्य बनाती है।

जन विश्वास अधिनियम, 2026 के तहत रेलवे अधिनियम, 1989 के कुछ प्रावधानों में संशोधन

बिहान भारत

कोलकाताः जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2026 जो दिनांक 08.04.2026 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था, के माध्यम से रेलवे अधिनियम, 1989 के कुछ प्रावधानों में संशोधन किया गया है। इसके उपरांत, भारत सरकार ने दिनांक 19.06.2026 की अपनी राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से इन संशोधित प्रावधानों को लागू करने की सूचना दी है।

इन संशोधनों का उद्देश्य जनजीवन को अधिक सुगम बनाना, जुमार्ने को तर्कसंगत बनाना, यात्रियों में अनुशासन बढ़ाना और रेलवे नियमों के पालन को बेहतर बनाना है।

संशोधित प्रावधानों के तहत, बिना वैध टिकट या पास के यात्रा करने पर लगने वाला न्यूनतम अतिरिक्त शुल्क 250 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। इसी प्रकार, बिना अनधिकृत रूप से धोखाधड़ी के इरादे से यात्रा करते पाए जाने वाले यात्रियों को अब किराए के साथ न्यूनतम 500 रुपये का अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

हस्तांतरित टिकट (ट्रांसफर्ड टिकट) पर यात्रा से संबंधित प्रावधानों में भी संशोधन किया गया है। अब नियमों का उल्लंघन करने वालों को जेल या जुमार्ने की सजा के बजाय, टिकट की जब्ती के साथ किराया तथा न्यूनतम ?500 का अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

रेलवे परिसर में यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ देने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए, अनधिकृत रूप से सामान बेचने, भीख माँगने, धूम्रपान करने, आरक्षित डिब्बों में अनधिकृत प्रवेश करने तथा महिलाओं के लिए आरक्षित कोच में प्रवेश करने पर लगने वाले जुमार्ने में काफी बदलाव किए गए हैं। धूम्रपान करने पर जुमार्ना 200 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दिया गया है, जबकि आरक्षित डिब्बों में अनधिकृत प्रवेश करने पर अब 2,000 रुपये का जुमार्ना लगेगा। महिलाओं के लिए आरक्षित कोच में प्रवेश करने पर ?2,500 का जुमार्ना, टिकट अथवा पास की जब्ती तथा संबंधित व्यक्ति को उस डिब्बे से हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

नशे की अवस्था एवं उपद्रव से संबंधित प्रावधानों में भी संशोधन किया गया है। रेलवे परिसर से हटाए जाने तथा टिकट की जब्ती के अतिरिक्त, ऐसे मामलों में दोषी व्यक्ति को 24 घंटे तक का साधारण कारावास, ?1,000 तक का जुमार्ना, सामुदायिक सेवा अथवा इनमें से एक या अधिक दंड एक साथ दिए जा सकते हैं।

भारतीय रेल सभी यात्रियों एवं रेलवे उपयोगकताओं से अपील करती है कि वे इन संशोधित प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करें तथा रेलवे नेटवर्क में सुरक्षा, स्वच्छता, अनुशासन एवं यात्री सुविधा बनाए रखने में सहयोग करें।

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे केवल वैध टिकट के साथ यात्रा करें, धूम्रपान एवं अन्य प्रतिबंधित गतिविधियों से दूर रहें तथा रेलवे के सभी नियमों एवं विनियमों का सख्ती से पालन करें।

पूर्व रेलवे ने निर्बाध अनुरक्षण एवं उत्पादन गतिविधियों को सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति श्रृंखला को किया और सुदृढ़

बिहान भारत

कोलकाताः यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आपूर्ति श्रृंखला को और अधिक सुदृढ़ और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से आज पूर्व रेलवे मुख्यालय में एक उच्चस्तरीय स्टोर्स समन्वय बैठक आयोजित की गई। यात्रियों के यात्रा अनुभव को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री परमानंद शर्मा, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री संदीप शुक्ला के साथ-साथ स्टोर्स, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने

सक्रिय रूप से भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर ने अपने मुख्य वक्तव्य में कहा कि रेलवे का प्रत्येक परिचालन निर्णय का अंतिम उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक सामग्रियों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम योजना, विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय तथा आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाओं का त्वरित समाधान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की सक्रिय कार्यप्रणाली से ट्रेनों की यांत्रिक विश्वसनीयता में वृद्धि होगी, अनुरक्षण कार्यों में विलंब की संभावना समाप्त होगी ह तथा पूरे पूर्व रेलवे नेटवर्क पर रेल परिचालन की सुरक्षा एवं दक्षता और अधिक सुदृढ़ होगी।

बैठक के दौरान मुख्य रूप से कैरिज एवं वैगन तथा ईएमयू के रखरखाव के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण सामग्रियों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। ये सामग्रियां प्रतिदिन लाखों यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुचारु यात्रा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न परिचालन पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की, जिनमें भविष्य की आवश्यकताओं का सटीक आकलन करने हेतु मांग नियोजन, समयबद्ध क्रय, आवश्यक वस्तुओं की कमी से बचने के लिए प्रभावी भंडार प्रबंधन, अनुरक्षण कार्यों में विलंब रोकने हेतु सामग्री की समय पर आपूर्ति तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय प्रमुख रूप से शामिल रहे। बैठक का समापन सभी विभागों द्वारा पूर्ण तालमेल एवं समन्वय के साथ कार्य करने की सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ हुआ, ताकि उत्पादन एवं अनुरक्षण गतिविधियाँ निर्बाध रूप से संचालित होती रहें और यात्रियों को सुरक्षित, विश्वसनीय एवं आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराया जा सके।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com